CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-10 अंक: 262 ता. 12 अप्रेल 2022, सोमवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

संक्षिप्त समाचार

रामनवमी पर जेएनयू में हुई हिंसा पर भड़के राहुल गांधी, कहा- नफरत और हिंसा देश को कमजोर कर रही है

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को कहा कि नफरत, हिंसा और अलगाव भारत को कमजोर कर रहे हैं तथा ऐसे में न्यायप्रिय और समावेशी भारत के लिए खड़े होने की जरूरत है। उन्होंने राम नवमी पर देश के कुछ स्थानों तथा यहां जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में हुई हिंसा की पृष्ठभूमि में यह टिप्पणी की। कांग्रेस नेता ने ट्वीट किया कि नफरत, हिंसा और अलगाव हमारे प्रिय देश को कमजोर कर रहे हैं। भाईचारे, शांति और सद्भाव के माध्यम से प्रगति का मार्ग प्रशस्त होता है। आइए, न्यायप्रिय और समावेशी भारत को सुरक्षित करने के लिए साथ खड़े होते हैं।

भाजपा के पास हिंदुत्व का पेटेंट नहीं, बाला साहब ने दिखाया भगवा-हिंदुत्व के मेल से सत्ता हासिल करने रास्ता : उद्धव

मुंबई । महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री और शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने कहा कि भाजपा के पास हिंदुत्व का पेटेंट नहीं है। उन्होंने दावा किया कि शिवसेना के दिवंगत सुप्रीमो बाला साहब ठाकरे ने भाजपा को दिखाया था कि भगवा और हिंदुत्व के मेल से केंद्र की सत्ता हासिल करने में मदद मिल सकती है। ठाकरे ने कहा कि भाजपा के उलट शिवसेना हमेशा से 'भगवा और हिंदुत्व' को लेकर प्रतिबद्ध रही है, जबकि उसके (भाजपा) भारतीय जनसंघ और जन संघ जैसे अलग-अलग नाम है, जो अलग विचारधारा प्रसारित करती है। वह कोल्हापुर उत्तर सीट पर 12 अप्रैल को होने वाले उपचुनाव में महा विकास अघाडी (एमवीए) प्रत्याशी जयश्री जाधव के प्रचार अभियान में डिजिटल माध्यम से शामिल हुए। उन्होंने वर्ष 2019 में विधानसभा चुनाव के दौरान कोल्हापुर सीट पर शिवसेना प्रत्याशी को मिली हार के लिए रविवार को भाजपा को जिम्मेदार ठहराया। उस समय दोनों दलों का गठबंधन था। ठाकरे ने आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि क्या भाजपा का कांग्रेस के साथ इस सीट पर वर्ष 2019 के चुनाव में गुप्त गठबंधन था। उन्होंने कहा भाजपा के पास हिंदुत्व का पेटेंट नहीं है। मुझे आश्चर्य है कि अगर भगवान राम का जन्म नहीं हुआ होता तो भाजपा राजनीति में कौन सा मुद्दा उठाती। चूंकि भाजपा के पास मुद्दों की कमी है, इसलिए वह धर्म और नफरत (फैलाने) पर बात कर रही है। ठाकरे ने कहा कि उनके पिता बाल ठाकरे वह व्यक्ति थे जिन्होंने भाजपा को दिखाया कि भगवा और हिंदुत्व उन्हें दिल्ली के रास्ते पर ले जा सकता है। कोल्हापुर उत्तर उपचुनाव पर बोलते हुए ठाकरे ने कहा वर्ष 2019 में वर्ष 2014 के मुकाबले (कोल्हापुर उत्तर सीट पर) कांग्रेस के मत बढ़ गए, जिसका नतीजा हुआ कि शिवसेना प्रत्याशी की भाजपा के साथ गठबंधन के बावजूद हार हुई। उन्होंने सवाल किया भाजपा के मत वर्ष 2019 में कहां गए? क्या उस समय आपने कांग्रेस के साथ गुप्त गठबंधन किया था? उन्होंने कहा अगर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) दावा करती है कि वह बाल ठाकरे का सम्मान करती है । दावा करती है कि वह बाल ठाकरे का सम्मान करती है उल्लेखनीय है कि वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव के बाद मुख्यमंत्री पद को साझा करने के मुद्दे पर भाजपा और शिवसेना का गठबंधन टूट गया था।

हिजाब, हलाल, अजान को लेकर विवाद

कर्नाटक में चुनावों की वजह से गर्माने लगी ध्रुवीकरण की राजनीति

नई दिल्ली ।

कर्नाटक में पिछले कुछ दिनों में हिजाब, हलाल, अजान जैसे मुद्दे चर्चा में रहे हैं। भारत की सबसे अमीर महिलाओं में शुमार बायोकॉन चीफ किरण मजूमदार शॉ ने भी कर्नाटक में बढ़ते धार्मिक विभाजन पर चिंता जताई है। शॉ का इशारा [illegible]शासित इस दक्षिण भारतीय राज्य में पिछले कुछ दिनों से बढ़ रहे ध्रुवीकरण की ओर है। माना जा रहा है कि इसकी वजह इस साल के अंत में संभावित कर्नाटक के विधानसभा चुनाव हो सकते हैं। ऐसे में कई जानकार बढ़ते हुए ध्रुवीकरण को आगामी चुनावों से जोड़कर देख रहे हैं। ऐसे में चलिए समझते हैं कि कर्नाटक में क्यों बढ़ रहा है ध्रुवीकरण? कर्नाटक में कितनी जरूरी है धर्म की राजनीति? आखिर कैसे को हो सकता है इससे फायदा?

कर्नाटक में तेजी पकड़ रहा है ध्रुवीकरण का मुद्दा

इस साल की शुरुआत से ही कर्नाटक में अलग-अलग वजहों से दो संप्रदायों के बीच तनाव बढ़ने की कई घटनाएं हुई हैं। साल की शुरुआत में कुछ कॉलेजों में लड़कियों के हिजाब पहनने के विरोध के मुद्दे ने पूरे राज्य की राजनीति गर्माए रखी। मामला कोर्ट तक पहुंचा और कोर्ट ने स्कूल-कॉलेजों में हिजाब पर बैन को सही ठहराया। हिजाब का मामला अभी थमा भी नहीं था कि कर्नाटक में हलाल मीट पर बैन लगाने की मांग जोर पकड़ने लगी। हाल ही में पुलिस ने हलाल मीट बेचने वाले एक मुस्लिम वेंडर पर हमला करने के आरोप में बजरंग दल के 7 कार्यकर्ताओं को अरेस्ट किया। इसके अलावा मंदिरों के बाहर मुस्लिम वेंडर्स के सामान बेचने पर रोक लगाने का भी मुद्दा सुर्खियों में है। हाल ही में सरकार ने तय सीमा के अंदर लाउडस्पीकर के इस्तेमाल को लेकर कई मंदिरों, मस्जिदों और चर्च को नोटिस जारी किया है, जिसे लेकर [illegible] सरकार पर लाउडस्पीकर पर रोक के बहाने अजान को निशाना बनाने के आरोप लग रहे हैं। इन विवादों के बीच हाल ही में कर्नाटक में कैब विवाद सामने आया, जिनमें कुछ दक्षिणपंथी संगठनों द्वारा हिंदुओं से अपील की गई कि वे मुस्लिमों से कैब सेवाएं न लें। इससे पहले 2021 में कर्नाटक विधानसभा ने एक धर्मांतरण विरोधी विधेयक पारित किया था। उस समय कई ईसाइयों पर हमले हुए थे। एक फैक्ट-फाइंडिंग रिपोर्ट के मुताबिक, 2021 में ईसाइयों पर सर्वाधिक हमलों के मामले में कर्नाटक देश में तीसरे स्थान पर था। यानी इस साल कर्नाटक में ध्रुवीकरण का मुद्दा चरम पर है। आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए इन मुद्दों के ठंडा पड़ने के बजाय और गर्माने की आशंका है। माना जा रहा है कि कर्नाटक में बढ़ते ध्रुवीकरण के पीछे एक सोची-समझी रणनीति काम कर रही है। चलिए कुछ पॉइंट्स में समझते हैं कि आखिर क्या है ध्रुवीकरण की राजनीति बढ़ने की वजह और बीजेपी इससे कौन से हित साधना चाहती है? बीजेपी को कर्नाटक की सत्ता दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाला लिंगायत समुदाय पिछले साल इस समुदाय के ताकतवर नेता बीएस येदियुरप्पा को पद से हटाए जाने से नाराज है। करीब 17त्र आबादी के साथ लिंगायत समुदाय कर्नाटक का सबसे बड़ा समुदाय है। ये समुदाय राज्य की 224 में से 90-100 सीटों का परिणाम तय करने की ताकत रखता है। लिंगायत समुदाय पिछले कुछ दशकों से कांग्रेस से दूरी बनाने के बाद बीजेपी और येदियुरप्पा का बड़ा समर्थक रहा है। 1990 के दशक में लिंगायत समुदाय के लोकप्रिय कांग्रेसी मुख्यमंत्री वीरेंद्र पाटिल को कांग्रेस के अध्यक्ष राजीव गांधी द्वारा हटाए जाने के फैसले लिंगायत समुदाय की ताकत का अंदाज इसी से लगाया जा सकता है वाली कांग्रेस इस समुदाय की 36 सीटें ही जीत पाई थी।

पूर्व सीएजी के खिलाफ सीबीआई की सप्लीमेंट्री चार्जशीट पर कोर्ट ने लिया संज्ञान

नई दिल्ली । अगस्तावेस्टलैंड वीवीआईपी चॉपर घोटाला मामले में सीबीआई की सप्लीमेंट्री चार्जशीट को लेकर स्पेशल कोर्ट ने संज्ञान लिया है। सीबीआई ने पूर्व डिफेंस सेक्रेटरी और पूर्व सीएजी शशिकांत शर्मा, वायुसेना के चार रिटायर्ड अधिकारियों के खिलाफ अगस्तावेस्टलैंड वीवीआईपी चॉपर घोटाला मामले में सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल की थी। कोर्ट ने इनके खिलाफ समन जारी किया है। सभी आरोपियों को 28 अप्रैल को कोर्ट में पेश होने का आदेश दिया गया है। 3600 करोड़ रुपये के अगस्तावेस्टलैंड वीवीआईपी चॉपर घोटाला मामले में तीन हफ्ते पहले सीबीआई ने पूर्व डिफेंस सेक्रेटरी शशिकांत शर्मा के खिलाफ सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल की थी। सीबीआई की सप्लीमेंट्री चार्जशीट में पूर्व एयरमार्शल जसबीर सिंह पनेसर, तत्कालीन डिप्टी चीफ टेस्टिंग पायल एसए कुंटे, तत्कालीन विंग कमांडर थॉमस मैथ्यू और पूर्व ग्रुप कैप्टर एन संतोष का नाम भी है। सूत्रों के मुताबिक देश के 12वें सीएजी रहे शशिकांत शर्मा के खिलाफ सीबीआई को अभियोजन की मंजूरी मिल गई है। शशिकांत शर्मा साल 2003 से लेकर 2007 के बीच डिफेंस मिनिस्ट्री में जॉइंट सेक्रेटरी (एयर) का पदभार संभाल चुके हैं। इसके बाद वह 2011-2013 के बीच भारत के डिफेंस सेक्रेटरी रहे। साल 2013-2017 के बीच उन्होंने सीएसजी का पदभार संभाला था। फरवरी 2010 में तत्कालीन यूपीए सरकार ने 556.262 मिलियन यूरो के 12 अगस्तावेस्टलैंड चॉपर खरीदने की डील साइन की थी। इन चॉपर्स को वीवीवीआईपी और अन्य मेहमानों के लिए खरीदा जाना था। बाद में इस मामले ने राजनीतिक रंग ले लिया, जब कई कांग्रेसी नेताओं का नाम इस विवाद में आया। एक बिचौलिए को डील कराने के लिए रिश्वत लेने को लेकर भी एजेंसियों ने गिरफ्तार किया था। यह आरोप लगाया गया था कि अगस्तावेस्टलैंड को फायदा पहुंचाने के लिए असली डील में चॉपर की स्पेसिफिकेशन्स को बदला गया।

गुजरात के शिक्षा मंत्री के क्षेत्र में पहुंचे मनीष सिसोदिया, स्कूल में स्मार्ट बोर्ड देखकर बोले- मजाक मत करो

एजेंसी।

दिल्ली के शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया ने सोमवार को कहा कि वह यह देखना और समझना चाहते हैं कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पिछले 27 साल के शासन में गुजरात के सरकारी स्कूलों में क्या बदलाव और सुधार किए हैं। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता एवं दिल्ली के उपमुख्यमंत्री सिसोदिया ने इस साल दिसंबर में होने वाले राज्य विधानसभा चुनाव से पहले, गुजरात के भावनगर जिले के एक स्कूल में जाते समय संवाददाताओं से यह कहा। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल नीत 'आप% दिल्ली में शिक्षा क्षेत्र में आए बदलाव को दिखाने की कोशिश कर रही है और उसने गुजरात में इसी प्रकार के बदलाव करने का वादा किया है। वह खुद को राज्य में सत्तारूढ़ भाजपा और विपक्षी कांग्रेस दोनों के एक व्यवहार्य विकल्प के रूप में पेश करके गुजरात की सभी 182 विधानसभा सीट पर चुनाव लड़ने की इच्छुक है। शिक्षा मंत्री के क्षेत्र में बने स्कूलों में स्मार्ट बोर्ड देखने के बाद मनीष सिसोदिया ने कहा कि यह एक तरह का मजाक है। सिसोदिया सोमवार को अहमदाबाद हवाई अड्डे पहुंचने के बाद गुजरात के शिक्षा मंत्री जीतू वघानी के गृह जिले भावनगर गए। उन्होंने स्कूली शिक्षा पर बहस के लिए हाल में वघानी को चुनौती दी थी। सिसोदिया ने दावा किया कि अरविंद केजरीवाल के मुख्यमंत्री बनने के बाद 'आप% सरकार ने दिल्ली के सरकारी विद्यालयों का चेहरा ही बदल दिया है। उन्होंने कहा, ''केजरीवाल के सत्ता में आने के बाद, हमने दिल्ली में सरकारी विद्यालयों का चेहरा, उनकी तस्वीर बदल दी है। भाजपा 27 साल से गुजरात में सत्ता में हैं। मैं यह देखना और समझना चाहता हूं कि भाजपा ने अपने शासन के इन 27 साल में क्या बदलाव और सुधार किए हैं।

सिसोदिया के दौरे से एक दिन पहले रविवार को, केजरीवाल ने भाजपा पर राज्य में अच्छी शिक्षा देने में विफल रहने का आरोप लगाया था। केजरीवाल ने ट्वीट किया था, ''भाजपा के लोग भी गुजरात की चरमराती शिक्षा पर प्रश्न उठा रहे हैं। पार्टी लाइन से ऊपर उठकर गुजरात में अच्छी शिक्षा के लिए आवाज उठने लगी है। भाजपा 27 साल में अच्छी शिक्षा नहीं दे पाई। 'आप सरकार गुजरात के लोगों और सभी दलों को साथ लेकर गुजरात में भी दिल्ली की तरह अच्छी शिक्षा देगी। उल्लेखनीय है कि वघानी ने हाल में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में यह कहकर विवाद को जन्म दे दिया था कि जिन्हें गुजरात की शिक्षा प्रणाली से दिक्कत है, वे अपने बच्चों का विद्यालय त्याज्य प्रमाणपत्र लेकर दूसरे राज्यों में जा सकते हैं।

नदिया में नाबालिग से रेप के आरोप पर टीएमसी नेता का बेटा गिरफ्तार

नई दिल्ली । पश्चिम बंगाल के नदिया जिले में नाबालिग बच्ची के साथ बलात्कार मामले में टीएमसी पंचायत नेता के बेटे को गिरफ्तार किया गया है। मामला नदिया जिले के हंशखाली ब्लॉक का है जहां 4 अप्रैल की रात घटना घटी और अगले दिन नौवीं कक्षा की छात्रा की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि, घटना के 3-4 दिन बाद पुलिस को इसकी सूचना दी गई। पीड़ित परिवार ने बताया कि उनकी बेटी आरोपी को जानती थी। वो उसके जन्मदिन की पार्टी में शामिल होने के लिए उसके घर गई थी। परिजनों का आरोप है कि आरोपी ने दुष्कर्म से पहले बच्ची को शराब पिलाई थी। वहीं, मृतका के परिवार की शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी ब्रज गोपाल गयाली को गिरफ्तार कर लिया है। ब्रज गोपाल गयाली के पिता समरेंद्र गायली टीएमसी नियंत्रित पंचायत के सदस्य हैं। पुलिस ने आज सोहेल गोयाली को राणाघाट महकमा अदालत में पेश किया। जहां आरोपी युवक ने खुद को निर्दोष बताया और कहा कि मुझे इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। मामले के सामने आने के बाद, बीजेपी कार्यकर्ता का कहना है कि यह सवाल किसी दल का नहीं बल्कि महिलाओं की सुरक्षा का है।

हिंदू धर्म अपनाना चाहते हैं एआईएमआईएम के पूर्व नेता, सीएम योगी से लगाई मदद की गुहार

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में एक मुस्लिम जोड़े ने हिंदू धर्म को अपनाने की इच्छा जताते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मदद की गुहार लगाई है। असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के पूर्व जिलाध्यक्ष ने अपनी पत्नी के साथ धर्म परिवर्तन की मांग की। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि इस संबंध में मुस्लिम धार्मिक नेताओं और संगठनों से कोई मदद या मार्गदर्शन नहीं मिला है। सूत्रों के मुताबिक एआईएमआईएम के पूर्व जिलाध्यक्ष मोहम्मद रुवेद साबिर और उनकी पत्नी समीना परवीन ने मुरादाबाद पुलिस से न्याय की गुहार लगाई है। दंपति ने शिकायत पत्र में बहन और जीता पर भी आरोप लगाए। दंपति ने आरोप लगाया कि बहन और जीजा ने उनके मकान पर कब्जा कर लिया है और उन्हें घर से बाहर निकालने का प्रयास कर रहे हैं। जिसकी कीमत करीब एक करोड़ रुपए है। आपको बता दें कि मुस्लिम दंपति ने अपनी पसंद के धर्म में परिवर्तित होने में असमर्थ होने और हिंदू धर्म में विश्वास दिखाने के बारे में एक औपचारिक शिकायत दर्ज की है, लेकिन इस संबध में मुस्लिम समुदाय की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है।

जल्द ही राजनीति में कदम रखेंगे सोनिया गांधी के बिजनेसमैन दामाद रॉबर्ट वाड्रा! हिंदू-मुस्लिम पर कही बड़ी बात

एजेंसी।

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के उद्योगपति दामाद रॉबर्ट वाड्रा ने राजनीति में कदम रखने की इच्छा जताई। उन्होंने कहा कि सियासत में उतरकर वह जनता की ''बड़े पैमाने पर सेवा कर सकते हैं। वाड्रा ने अपने मध्य प्रदेश दौरे में समाचारों के एक स्थानीय यूट्यूब चैनल को रविवार को दिए साक्षात्कार में यह बात कही। सक्रिय राजनीति में उतरने की संभावनाओं के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि मैं राजनीति समझता हूं और अगर (आम) लोग चाहेंगे कि मैं उनकी नुमाइंदगी करूं और अगर मैं उनके लिए कोई बदलाव ला सकता हूं, तो मैं यह कदम जरूर उठाऊंगा। उज्जैन के महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग और अन्य मंदिरों में पूजा-अर्चना के बाद वाड्रा ने कहा कि मेरे परमार्थिक काम 10 साल से भी अधिक समय से चल रहे हैं और आगे भी चलते रहेंगे। चाहे जितना भी समय लगे और भले ही मैं राजनीति में आऊं या नहीं, मैं लोगों की सेवा तो कर ही रहा हूं। सोनिया गांधी के 53 वर्षीय दामाद ने हालांकि यह भी कहा कि अगर वह राजनीति में आते हैं, तो बड़े पैमाने पर लोगों की सेवा कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि वैसे मैं अब भी देश भर में आम लोगों के बीच पहुंचता हूं। मुझे पता है कि लोग मेरे साथ हैं और वे मेहनत करते हैं। इन लोगों को पता है कि अगर वे मेरा नाम इस्तेमाल करेंगे, तो जनता के लिए अच्छा काम ही करेंगे। वाड्रा ने कहा कि देखते हैं कि आगे क्या होता है।

हम हर रोज परिवार में बात करते हैं कि आज कैसी राजनीति हो रही है और देश कैसे बदल रहा है। उन्होंने देश के सियासी परिदृश्य के संदर्भ में कहा कि मौजूदा हालात देखकर उन्हें ''घबराहट होती है। वाड्रा ने यह भी कहा कि आज मीडिया असलियत बताने में डरता है। उन्होंने कहा कि ये सारी चीजें लोकतंत्र का हिस्सा नहीं हैं। ये चीजें देश को आगे नहीं, बल्कि पीछे ही ले जाएंगी। उत्तर प्रदेश के पिछले विधानसभा चुनावों में बतौर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के प्रदर्शन पर उनके पति ने कहा कि मैं प्रियंका को 10 में से 10 अंक देना चाहूंगा। उन्होंने इन चुनावों में दिन-रात एक कर दिया था। हालांकि, हम उत्तर प्रदेश के चुनावी जनादेश को स्वीकार करते हैं और इस सूबे के लोगों के हित में पूरी लगन से काम करते रहेंगे। वाड्रा ने हालांकि कहा कि 'इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) को लेकर आम लोगों के मन में जो संदेह हैं, अगर वे दूर कर दिए जाएं तो देश में चुनावी नतीजे बहुत अलग दिखाई देंगे। नतीजे बहुत अलग दिखाई देंगे। उन्होंने केंद्र की नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार को घेरते हुए कहा कि कोविड-19 के भीषण प्रकोप के वक्त देश में एकाएक तालाबंदी लागू कर दी गई थी और इन दिनों बेरोजगारी बढ़ रही है। वाड्रा ने यह भी कहा कि देश में हिंदू-मुस्लिम का भेदभाव खत्म होना चाहिए और सभी मतों एवं संप्रदायों को समानता से स्वीकार करते हुए धर्मनिरपेक्ष रहना चाहिए।

आतंकी धमकियों के बावजूद धारा 370 हटने के बाद 2100 कश्मीरी पंडित लौटे वादी में वापस

श्रीनगर।

वर्ष 2019 में धारा 370 हटने के बाद 21,00 के करीब कश्मीरी पंडितों ने घाटी वापसी की है। उन्होंने आतंकियों की धमकियों को भी नकार कर वादी में लौटने की हिम्मत दिखाई है। डेकन हेराल्ड की खबर के अनुसार इस बात का दावा सरकार ने किया है। इस बात का दावा सरकार ने किया है। 1990 में कश्मीर में आतंकी हिंसा के चलते करीब 55000 कश्मीरी पंडित परिवारों ने घाटी से पलायन कर दिया था। कश्मीर में 90 के बाद से ही अशांति का माहेल रहा है और आतंकियों ने अब कश्मीर में बाहरी मजदूरों को भी निशाना बनाना शुरू कर दिया है। 2015 में प्रधानमंत्री रोजगार पैकेज के तहत विस्थाति कश्मीरी पंडितों को 3000 सरकारी नौकरियां दी गईं। अभी तक 2,882 की चयन प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। इनमें से 1913 को नौकरी मिल चुकी है और बाकी के कागजों की जांच चल रही है। 'कश्मीर से पंडितों के बाहर निकाले जाने को लेकर दो धारणाएं हैं। पंडितों का कहना रहा हे कि वे अपनी

जमीन से बाहर नहीं जाना चाहते थे और उन्हें जबरन निकाला गया पर कश्मीरी मुस्लिम ऐसा नहीं मानते हैं। उनका कहना है कि उस समय के गवर्नर ने पंडितों को घाटी से निकाला था और इसके पीछे प्रशासन का अपना एक नजरिया था।

जगन मोहन रेड्डी के नए मंत्रिमंडल का शपथ ग्रहण राजभवन में नहीं होगा कार्यक्रम

नई दिल्ली । आंध्र प्रदेश के कैबिनेट के सभी 24 मंत्रियों के इस्तीफे को राज्यपाल बिस्वा भूषण हरिचंदन ने स्वीकार कर लिया है। नए मंत्रिमंडल का शपथ ग्रहण 11 अप्रैल यानी आज होने वाला है। सभी 25 मंत्रीयों के शपथ लेने की संभावना है। मगर इस बार मंत्रिमंडल का शपथ ग्रहण राजभवन में नहीं, सचिवालय के निकट होने वाला है। सरकारी उच्च अधिकारियों ने रविवार को उस जगह का निरीक्षण किया। प्रदेश के सभी 24 मंत्रियों ने मंत्रिपरिषद के प्रस्तावित पुनर्गठन से पहले गुरुवार को मुख्यमंत्री वाई एस जगनमोहन रेड्डी को अपना इस्तीफा सौंपा था, कुछ दिनों पहले एक आईटी मंत्री, गौतम रेड्डी का निधन हो गया था, उनको मिलाकर कुल 25 मंत्री थे। आधिकारिक सूत्रों ने बताया था कि मौजूदा मंत्रियों ने कैबिनेट की बैठक में अपना इस्तीफा मुख्यमंत्री रेड्डी को सौंपा था। मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी के साथ मंत्रियों की यह अंतिम बैठक थी। सभी मंत्री अपने पदों पर कुल 34 महीनों तक रहे। मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने वाईएसआरसीपी प्रमुख के रूप में अपने मंत्रिमंडल के इस्तीफे का 'खुशी से' स्वागत किया। उन्होंने दावा किया कि 2024 में आगामी राज्य चुनावों की तैयारी के तहत, यह एक स्वागत योग्य कदम है। शुक्रवार दोपहर कैबिनेट की अंतिम बैठक खत्म करने के बाद सभी 24 कैबिनेट मंत्रियों ने गुरुवार को आंध्र प्रदेश सचिवालय में मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी को अपना इस्तीफा सौंप दिया था। मौजूदा कैबिनेट में पांच उप मुख्यमंत्री थे, राज्य में जाति के पास पांच नए उपमुख्यमंत्री होने की संभावना है।

देश में रामनवमी जुलूस के दौरान 4 प्रदेशों में झड़पें, गुजरात में 1 की जान गई

नई दिल्ली ।

देश में रामनवमी का त्योहार पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कुछ राज्यों में जुलूस के दौरान सांप्रदायिक झड़पें होने की खबरें भी हुईं। गुजरात में जुलूस के दौरान दो समुदायों के बीच झड़प हो गई। जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि एक अन्य घायल हो गया। मध्यप्रदेश से भी हिंसा की खबरें हैं। झारखंड में शोभायात्रा पर पथराव और जुलूस में शामिल लोगों पर धारदार हथियारों से हमले किए गए जिसमें दर्जनों लोग घायल हो गए। गुजरात के हिम्मतनगर और खंभात शहरों में सांप्रदायिक झड़पों के दौरान पुलिस को पथराव करने वाली भीड़ को नियंत्रित करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े। खंभात शहर आणद जिले में पड़ता है जबकि हिम्मतनगर साबरकांठा जिले में है। पुलिस अधीक्षक अजीत राज्यन ने कहा कि रविवार दोपहर को खंभात में रामनवमी जुलूस के दौरान दो समुदायों के बीच हुई पथराव की घटना के बाद घटनास्थल से लगभग 65 वर्षीय एक व्यक्ति का शव बरामद किया गया, जिसकी शिनाख्त नहीं हो सकी है। उन्होंने बताया कि इस घटना में एक अन्य व्यक्ति घायल हुआ जबकि उपद्रवियों ने कुछ दुकानों में आग लगा दी। अधिकारी ने कहा कि बाद में हालात को काबू करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े गए। मध्यप्रदेश के खरगोन शहर में रविवार को रामनवमी के जुलूस पर उपद्रवियों द्वारा किये गये पथराव के बाद आगजनी की घटनाएं हुईं, जिसमें कुछ वाहनों को आग लगा दी गई। इस घटना के बाद प्रशासन ने शहर के तीन क्षेत्रों में कर्फ्यू लगा दिया है, जबकि पूरे शहर में धारा 144 लागू कर दी गई है। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े। इस पथराव में खरगोन के पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ चौधरी एवं दो अन्य पुलिसकर्मियों सहित कुछ आम नागरिक घायल हुए हैं। खरगोन के जिलाधिकारी अनुग्रह पी ने कहा कि पूरे शहर में सीआरपीसी की धारा 144 लागू कर दी गई है। झारखंड के लोहरदगा जिले के हिरही भोक्ता बगीचा इलाके के पास रामनवमी की शोभायात्रा पर पथराव और धारदार हथियारों से हमले किए गए। हमले में दर्जनों लोग घायल हो गये, जिससे पूरे जिले में तनाव फैल गया। हालात को देखते हुए इलाके में भारी संख्या में सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि लोहरदगा में कुजरा की ओर से रामनवमी की शोभायात्रा आ रही थी तभी कब्रिस्तान के पास दूसरे समुदाय के कुछ लोगों ने नारेबाजी नहीं करने के लिए कहा। लेकिन जब तक कोई कुछ समझ पाता कुछ शोभायात्रा में शामिल लोगों पर पथराव शुरू हो गया, जिसमें अनेक लोग घायल हो गए। पथराव के बाद उपद्रवियों ने दो घरों और मेले में लगे ठेले, मिठाई की दुकान, एक पिकअप वाहन और 10 बाइक में आग लगा दी।

नाराज आजम खान समर्थक ने अखिलेश को दिखाए तेवर, कटघरे में किया खड़ा

लखनऊ ।

यूपी विधानसभा चुनाव में हार के बाद समाजवादी पार्टी में शिवपाल यादव अपने भतीजे अखिलेश से नाराज चल रहे थे। अब इसमें एक बड़ा नाम आजम खान का भी शामिल हो गया है। उनके एक समर्थक ने सपा मुखिया को कटघरे में खड़ा किया है। हलांकि अभी तक आजम के परिवार से ऐसी कोई बात सुनने को नहीं मिली है। दरअसल आजम खान के मीडिया प्रभारी फसाहत अली खां बागी हो गए हैं। उन्होंने सपा मुखिया अखिलेश के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने कहा कि आजम खां ने सपा पार्टी को बनाया है। मुलायम सिंह को पहली बार मुख्यमंत्री बनाया था। जब अखिलेश कन्नौज से सांसद बने थे तब आजम ने कहा था कि टीपू को सुल्तान बना दें। एक मुश्त सपा को वोट दिया। लेकिन आज उनके हमारे कपड़ों से बदबू आती है। ढाई साल से आजम जेल में है। महज एक बार अखिलेश यादव मिलने गये हैं। दरी अब्दुल बिछाएगा, लाठी अब्दुल खाएगा। जेल भी अब्दुल जाएगा। सारे जुल्म अब्दुल पर होंगे। लेकिन अखिलेश हमारा नाम भी नहीं लेंगे। हमारी आजम खान से अभी कोई बात नहीं हुई है। जब वह जेल से बाहर आएंगे तो वह सबसे पहले उनसे कोई फैसला लेने की बात करेंगे।

विधानसभा चुनाव जीतने के बाद कोई हक नहीं दिया गया है। हमने नेता प्रतिपक्ष की मांग भी पूरी नहीं हुई। अखिलेश ने सारे विधायकों का नाम लिया लेकिन सबसे वरिष्ठ विधायक आजम खान का नाम नहीं लिया। इस मुद्दे पर मैं आजम खान साहब के बेटे अब्दुल्ला से कई बार बात कर चुका हूं। यह आम कार्यकर्ताओं की आवाज है।

इसके पहले संभल से समाजवादी पार्टी के सांसद डॉ. शफीकुर्रहमान बर्क बर्क भी सपा के खिलाफ बगावती बयान दे चुके हैं। डॉक्टर शफीकुर्रहमान से मीडिया ने पूछा, भाजपा सरकार मुसलमानों के हित में काम कर रही है या नहीं? इस पर उन्होंने जवाब कि भाजपा के कार्यों से वह संतुष्ट नहीं हैं। भाजपा सरकार मुसलमानों के हित में काम नहीं कर रही है। शफीकर्रहमान यहीं नहीं रुके। आगे उन्होंने कहा, भाजपा को छोड़िए समाजवादी पार्टी ही मुसलमानों के हितों में काम नहीं कर रही है।

ज्ञात हो कि आजम साल 1980 से ही रामपुर सीट से जीत रहे हैं। हालांकि, उन्हें एक बार 1996 में कांग्रेस के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। पत्नी तजीन फातिमा पूर्व विधायक और पूर्व राज्यसभा सांसद हैं।

अदालत ने मुर्तजा की रिमांड अवधि 5 दिन बढ़ाई, 16 अप्रैल तक रहेगा एटीएस की हिरासत में

गोरखपुर । यूपी के गोरखपुर स्थित गोरखनाथ मंदिर पर हमले के आरोपी अहमद मुर्तजा अब्बासी की रिमांड की अवधि अदालत ने 5 दिन के लिए बढ़ा दी है। अब वह 16 अप्रैल को दोपहर 12 बजे तक एटीएस की हिरासत में रहेगा। पहले, एटीएस को 11 अप्रैल तक के लिए मुर्तजा की रिमांड मिली थी। सोमवार को भारी सुरक्षा के बीच एटीएस ने मुर्तजा को अदालत में जज के सामने पेश किया। जज ने तमाम दलीलें सुनने के बाद मुर्तजा की रिमांड अवधि 5 दिन दिन के लिए बढ़ा दी। गौरतलब है कि एटीएस लगातार मुर्तजा और परिवार के लोगों से पूछताछ कर रही है। इस दौरान कई अहम सुराग मिले हैं। टेरर कनेक्शन के कई खुलासे भी हुए हैं। 11 अप्रैल को उसकी रिमांड खत्म हो रही थी। यूपी एटीएस ने मुर्तजा को लखनऊ से गोरखपुर लाकर सोमवार को कोर्ट के सामने पेश किया। कोर्ट ने 16 अप्रैल को मध्याह्न 12 बजे तक के लिए मुर्तजा की रिमांड बढ़ा दी। अब उससे एक बार फिर सवालों का सिलसिला शुरू होगा। कोर्ट में पेशी के बाद एटीएस की टीम मुर्तजा को लेकर गोरखपुर पुलिस लाइन चली गई। बताया गया कि कोर्ट का आर्डर लेने के बाद एटीएस मुर्तजा को लेकर दोबारा लखनऊ के लिए रवाना होगी। मुर्तजा से एनआईए और कई अन्य खुफिया और सुरक्षा एजेंसियों ने भी पूछताछ की है।

यूपी के सीएम कार्यालय और आईएमडी के बाद पंजाब कांग्रेस का ट्विटर अकाउंट हैक

नई दिल्ली । कांग्रेस की पंजाब इकाई का ट्विटर हैंडल हैक हो गया है। इसकी प्रोफाइट फोटो भी गायब है। पंजाब कांग्रेस का ट्विटर हैंडल ठीक वैसा ही नजर आ रहा है जैसा शुक्रवार की देर रात उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री कार्यालय और फिर शनिवार को भारत मौसम विज्ञान विभाग का हैंडल हैक हुआ था। हालांकि, अब तक कोई आपत्तिजनक ट्वीट नहीं किया गया है। पंजाब कांग्रेस के अकाउंट से एनएफटी को लेकर एक ट्वीट किया गया है, जिसे हैकर्स ने पिन किया हुआ है। हैकर्स ने पंजाब कांग्रेस के अकाउंट से ट्वीट किया कि बीन्ज आफिशियल कलेक्शन के सामने होने के मौके पर हमने अगले 24 घंटे के लिए कम्यूनिटी के सभी एक्टिव एनएफटी ट्रेडर्स के लिए एक एयरड्राप खोल दिया है। इस ट्वीट के साथ हैकर्स ने एक जिप भी शेयर किया। पंजाब कांग्रेस से साझा किया गया ट्वीट पहले भारत मौसम विज्ञान विभाग के अकाउंट से भी साझा किया गया था। हालांकि कुछ वक्त बाद भारत मौसम विज्ञान विभाग का ट्विटर अकाउंट आंशिक रूप से बहाल हो गया था। पंजाब कांग्रेस के ट्विटर हैंडल से बिल्कुल उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री कार्यालय और भारत मौसम विज्ञान विभाग की ही तरह एक के बाद एक कई ट्वीट किए गए हैं।

कोरोना के नए वेरिएंट्स आते रहेंगे, घबराने की जरूरत नहीं : डॉ. एनके अरोड़ा, एनटीएजीआई प्रमुख

नई दिल्ली ।

महामारी कोरोना के घातक वायरस का दंश झेल चुकी दुनिया में अब नए एन एक्सई वेरिएंट को लेकर चिंता बढ़ दी है। इस बीच टीकाकरण पर भारत के राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकार समूह (एनटीएजीआई) के प्रमुख डॉ. एनके अरोड़ा ने राहत भरी बात कही है। उन्होंने देशवासियों से परेशान नहीं होने की अपील की है। डॉ. एनके अरोड़ा के मुताबिक कोविड-19 का ओमिक्रॉन वेरिएंट, इस वायरस के कई अन्य नए वेरिएंट्स को बढ़ावा दे रहा है। इनमें से एक्स सीरीज के वेरिएंट्स शामिल हैं, जैसे ब्रिटेन से निकला एक्सई स्ट्रेन। लेकिन इनमें से कोई भी गंभीर संकट पैदा करने वाला नहीं है। डॉ. एनके अरोड़ा ने कहा, 'कोरोना वायरस का ओमिक्रॉन वेरिएंट इसके कई नए रूपों को जन्म दे रहा है। जैसे एक्स सीरीज के वेरिएंट, जिनमें से एक एक्सई स्ट्रेन है। कोरोना वायरस के नए वेरिएंट आते रहेंगे। घबराने की कोई बात नहीं है। फिलहाल जो आंकड़े मिल रहे हैं, उसके मुताबिक भारत में यह बहुत तेजी से फैलता नहीं दिख रहा है।' डब्ल्यूएचओ ने एक्सई स्ट्रेन को ओमिक्रॉन वेरिएंट के बीए.1 और बीए.2 स्ट्रेन से निकला हुआ बताया है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक कोरोना वायरस का नया एक्सई स्ट्रेन, ओमिक्रॉन से 10 प्रतिशत ज्यादा संक्रामक है। भारत में एक्सई स्ट्रेन का पहला केस गुजरात में मिला है। हालांकि, इससे पहले मुंबई में एक केस मिल चुका है, लेकिन उसके एक्सई स्ट्रेन से संक्रमित होने की पुष्टि नहीं हो सकी है। अब तक कोरोना वायरस के ढेर सारे वेरिएंट्स सामने आ चुके हैं। इनमें डेल्टा वेरिएंट ने सबसे ज्यादा तबाही मचाई थी। भारत में कोरोना की दूसरी लहर के लिए डेल्टा वेरिएंट ही जिम्मेदार था, जिसकी वजह से देश में पिछले साल अप्रैल से मई के बीच हाहाकार मच गया था। इस दौरान कोरोना संक्रमण की वजह से लाखों लोगों की मौत हो गई थी। भारत में कोरोना संक्रमण की रफ्तार अब धीमी पड़ रही है। देश में प्रतिदिन मिलने वाले कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या अब 1000 के करीब आ गई है। मौतें कम हो रही हैं।

मुंबई अमर नगर में मेडिकल जांच हेतु भारी संख्या में भीड़ उमड़ी

मुंबई, चेंबूर।

विस्तार के नागरिकों की उचित स्वास्थ परिक्षण हेतु शिव सैनिकों द्वारा मुंबई के अमर नगर में मेडिकल जांच हेतु एक शिविर आयोजित किया गया जिसमें भारी संख्या मे जनता ने लाभ लिया। सिद्धि मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल (कैलास जीवन अस्पताल) और श्री आरोग्य शिबिर। सारी जनता ने इस सेवा का लाभ उठाया। श्री उमेश करकेरा (शिवसेना शाखाप्रमुख), श्री कैलाश शर्मा (शिवसेना उत्तर प्रदेश जिल्हाप्रमुख), श्री. गजानन लक्ष्मण परदेशी (अध्यक्ष अमर बाळ मित्र मंडळ), श्री संतोष सातपुते (उपशाखा प्रमुख), श्री राजू खान (ज्येष्ठ शिवसैनिक) ,श्री कमलाकर बागूल (कार्यालय प्रमुख), श्री. आनंद लक्ष्मण परदेशी (युवा अध्यक्ष अमर बाळ मित्र मंडळ), श्री.जयराम बाबुराव पाटील (अखिल भारतीय मराठा महासंघ शाखा अध्यक्ष), श्री. गजानन बंडू सावेकर (ग्राहक संरक्षण कक्ष), श्री सुनील क्षीरसागर (गट प्रमुख), श्री. चंदु प्रकाश करकेरा (गटप्रमुख), श्री हेमंत मिस्त्री (गटप्रमुख), श्री दादू पालव (गटप्रमुख) एवं अन्य कार्यकर्ताओं ने कार्य क्रम को सफल बनाने में बढ़ चढ़कर भाग लिया।

रसाई गैस हुई मंहगी, उज्ज्वला लाभार्थियों ने कोयले और चूल्हें पर खाना बनाना शुरु किया

नई दिल्ली ।

रसोई गैस महंगी होने से मोदी सरकार की उज्ज्वला योजना की सफलता पर ही सवाल खड़ा हो गया है। देशभर से ऐसी खबरें आ रही हैं कि उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों ने घरेलू गैस के दाम बढ़ने से सिलेंडर रिफिल करना बंद कर दिया है। ग्रामीण इलाकों में इन लाभार्थियों ने फिर से परंपरागत ईंधन से खाना बनाना शुरू कर दिया है। झारखंड के पलामू जिले के बिसरामपुर ब्लॉक में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के 13,000 लाभार्थी हैं। लेकिन, अब इनमें से अधिकतर ने योजना में मिले गैस सिलेंडर भरवाना बंद कर दिया है। इसका कारण गैस के दामों में हुई भारी बढ़ोतरी है। फिलहाल बिसरामपुर में घरेलू गैस सिलेंडर का दाम 1007 रुपये है। रिपोर्ट के अनुसार, डीलर का कहना है कि लोगों के गैस सिलेंडर बंद करवाने से उनके लिए अपना कारोबार जारी रखना मुश्किल हो गया है। उनके लिए कर्मचारियों को वेतन देना भी मुश्किल हो रहा है। डीलर का कहना है कि बहुत से लोगों ने अपने गैस सिलेंडर और गैस के चूल्हे बेच भी दिए हैं। उज्ज्वला लाभार्थी महिला का कहना है कि गैस के दाम अब इतने बढ़ गए हैं कि गैस सिलेंडर रिफिल कराना, उनके बूते की बात नहीं है। पलामू जिले में उज्ज्वला योजना के तहत 2,20,234 लोगों को 2020 तक गैस सिलेंडर दिए गए थे। साल 2020 और 2021 में इस योजना के तहत जिले में कोई नया रजिस्ट्रेशन नहीं किया गया था। गांवों के साथ ही शहरों में भी इस उज्ज्वला योजना की हालत अच्छी नहीं है।

नेशनल हेराल्ड केस में वरिष्ठ कांग्रेसी नेता मल्लिकार्जुन खड़गे को ईडी ने किया तलब, कर रही पूछताछ

नई दिल्ली ।

कांग्रेस समर्थित अखबार नेशनल हेराल्ड मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने वरिष्ठ कांग्रेसी नेता मल्लिकार्जुन खड़गे को तलब किया है। ईडी ने उन्हें नोटिस भेजकर सोमवार को पूछताछ के लिए उपस्थिति होने को कहा था। वह सोमवार सुबह 11 बजे प्रवर्तन निदेशालय के दफ्तर पहुंचे। इस केस में कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी आरोपी हैं। नेशनल हेराल्ड केस में प्रर्वतन निदेशालय कथित वित्तीय अनियमितताओं की जांच कर रहा है। यंग इंडियन प्राइवेट लिमिटेड ने कांग्रेस पर एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड के अधिग्रहण में धोखाधड़ी, साजिश और आपराधिक विश्वासघात का आरोप लगाया गया है। पंडित जवाहरलाल नेहरू ने 1937 में एसोसिएटेड जर्नल लिमिटेड बनाया था, जिसने तीन अखबार निकालने शुरू किए। हिंदी में नवजीवन, उर्दू में कौमी आवाज़ और अंग्रेज़ी में नेशनल हेराल्ड। साल 2008 आते-आते एसोसिएटेड जर्नल लिमिटेड ने फैसला किया कि अब वह अखबार नहीं छापेगा। एसोसिएटेड जर्नल लिमिटेड पर 90 करोड़ रुपयों का कर्ज चढ़ चुका था। साल 2010 में, वित्तीय चुनौतियों से जूझ रहे एजेएल का अधिग्रहण यंग इंडियन प्राइवेट लिमिटेड (वाईआईएल) नाम की एक नव-निर्मित कंपनी ने किया था। सुमन दुबे और टेक्नोक्रेट सैम पित्रोदा वाईआईएल के निदेशक थे। आरोप है कि कांग्रेस ने 50 लाख के निवेश से यंग इंडियन प्राइवेट लिमिटेड नाम की एक नॉट-फॉर-प्रॉफिट कंपनी बनाई, जिसमें 76 फीसदी हिस्सेदारी राहुल गांधी और उनकी मां सोनिया गांधी की थी। बाकी 24 फीसदी की हिस्सेदारी मोतीलाल वोरा और ऑस्कर फर्नांडिस की थी, जो अब इस दुनिया में नहीं हैं। यंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने एसोसिएटेड जर्नल लिमिटेड का अधिग्रहण कर लिया। साल 2012 में बीजेपी नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने अदालत में एक जनहित याचिका फाइल की। उन्होंने कांग्रेस पर नेशनल हेराल्ड का प्रकाशन करने वाली कंपनी एसोसिएटेड जर्नल लिमिटेड के अधिग्रहण में धोखाधड़ी का आरोप लगाया। सुब्रमण्यम स्वामी ने अपनी जनहित याचिका में अदालत से कहा कि मात्र 50 लाख रुपए खर्च करके 90 करोड़ रुपयों की वसूली कर ली गई। इनकम टैक्स एक्ट के हिसाब से कोई भी राजनीतिक पार्टी किसी थर्ड पार्टी के साथ पैसों का लेन-देन नहीं कर सकती। स्वामी ने कोर्ट से कहा कि कांग्रेस ने पहले यंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को 90 करोड़ का लोन दिया, जिस पैसे से इस कंपनी एजेएल का अधिग्रहण किया, फिर अकाउंट बुक्स में हेर-फेर करके उस रकम को 50 लाख दिखा दिया। यानी 89 करोड़ 50 लाख रुपए माफ कर दिए गए। सुब्रमण्यम स्वामी ने कोर्ट में आरोप लगाया कि एसोसिएटेड जर्नल लिमिटेड ने अखबार छापना बंद करके प्रॉपर्टी का काम शुरू कर दिया। यानी वह एक रियल एस्टेट फर्म बन गई, जो दिल्ली, लखनऊ और मुंबई में बिजनेस कर रही थी। स्वामी का आरोप है कि एजेएस की जितनी भी संपत्तियां थीं, वे सभी कांग्रेस नेताओं ने अपने नाम करा लीं। क्योंकि एसोसिएटेड जर्नल लिमिटेड को यंग इंडियन प्राइवेट लिमिटेड खरीद चुकी थी।

ट्रिपल आई टी लखनऊ के छात्र अभिजीत ने किया कमाल, एमेजान ने दिया 1.2 करोड़ का पैकेज

नई दिल्ली । इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन एंड टेक्नोलॉजी (ट्रिपल आई टी) लखनऊ के छात्र अभिजीत द्विवेदी ने इतिहास रच दिया है। एमेजान ने उन्हें छात्र को 1.2 करोड़ रुपये का पैकेज दिया है। यह इस संस्थान के किसी भी छात्र को अब तक ऑफर किया गया सबसे बड़ा पैकेज है। एमेजान ने बीटेक फाइनल ईयर के छात्र अभिजीत द्विवेदी को ये भारी-भरकम पैकेज ऑफर किया है। द्विवेदी की नियुक्ति आयरलैंड के डबलिन के लिए सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट इंजीनियर के पद पर हुई है। अभिजीत ने 1.2 करोड़ रुपये के पैकेज के साथ प्लेसमेंट से जुड़े पिछले सभी रिकॉर्ड्स को ध्वस्त कर दिया है। वह प्रयागराज के रहने वाले हैं। बकौल अभिजीत, सॉफ्ट स्किल से उन्हें इंटरव्यू क्रैक करने में मदद मिली। अभिजीत ने बताया कि उन्होंने खुद को इंटरव्यू के लिए तैयार करने के लिए कई वीडियोज देखे थे। उन्होंने कहा, सॉफ्ट स्किल्स काफी महत्व रखता है। ऐसे में इंजीनियरिंग ग्रेजुएट्स को केवल टेक्निकल नॉलेज के बारे में नहीं सोचना चाहिए। कम्युनिकेशन स्किल और बॉडी लैंग्वेज भी समान रूप से अहम है। अभिजीत द्विवेदी ने प्लेसमेंट में बैठने जा रहे अन्य ग्रेजुएट्स के साथ कुछ टिप्स शेयर किए हैं। उन्होंने कहा, किसी भी व्यक्ति को अच्छी नौकरी पाने के लिए कुछ चीजों पर काम करना चाहिए। सीनियर्स के संपर्क में रहते हुए कनेक्शन बनाना चाहिए। इससे जॉब के अवसर के बारे में पता चलता है। इसके साथ ही उनसे इंटरव्यू क्रैक करने को लेकर टिप्स लेना चाहिए। ट्रिपल आई टी -लखनऊ के लिए यह रिमार्केबल साल रहा है। ना सिर्फ अभिजीत ने जबरदस्त पैकेज हासिल किया है। बल्कि कंपनी के 100 फीसदी छात्रों को इस साल प्लेसमेंट मिला है।

संक्षिप्त समाचार

वेस्टलैंड हेलिकॉप्टर घोटाला : सीबीआई अदालत ने पूरक आरोपपत्र पर लिया संज्ञान

नई दिल्ली । देश में चर्चित अगस्ता वेस्टलैंड वीवीआईपी हेलिकॉप्टर घोटाले को लेकर दिल्ली की एक विशेष अदालत ने पूर्व रक्षा सचिव और सीएजी शशिकांत शर्मा और भारतीय वायु सेना के चार सेवानिवृत्त अधिकारियों के खिलाफ 3,600 करोड़ रुपये के संबंध में दायर सीबीआई के पूरक आरोप पत्र पर सोमवार को संज्ञान लिया। चार्जशीट पर संज्ञान लेते हुए दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने सभी आरोपियों को समन जारी करते हुए सुनवाई की अगली तारीख 28 अप्रैल तय की है। 19 सितंबर, 2020 को, सीबीआई ने वीवीआईपी हेलिकॉप्टर सौदे में कथित भ्रष्टाचार के संबंध में मिशेल और आरोपी-अनुमोदक राजीव सक्सेना सहित 15 आरोपियों के खिलाफ पूरक आरोप पत्र दायर किया था। सीबीआई ने इससे पहले 1 सितंबर, 2017 को तत्कालीन वायुसेना प्रमुख एसपी त्यागी और 11 अन्य आरोपियों के खिलाफ इस मामले में चार्जशीट दाखिल की थी। 1 जनवरी 2014 को, भारत ने अनुबंध संबंधी दायित्वों के कथित उल्लंघन और 423 करोड़ रुपये की रिश्वत देने के आरोप में आईएएफ को 12 एडब्ल्यू-101 वीवीआईपी हेलिकॉप्टरों की आपूर्ति के लिए फिनमेकेनिका की ब्रिटिश सहायक कंपनी अगस्ता वेस्टलैंड के साथ अनुबंध को रद्द कर दिया था।

अमरनाथ यात्रा के लिए करवा सकते हैं रजिस्ट्रेशन

नई दिल्ली । 2 साल से बंद अमरनाथ यात्रा इस बार 30 जून से शुरू होकर 11 अगस्त 2022 को समाप्त होगी। 11 अप्रैल यानि सोमवार से यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू हो गए हैं। श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड के सीईओ नीतीश्वर कुमार ने बताया कि, तीर्थयात्री अपना रजिस्ट्रेशन श्राइन बोर्ड की वेबसाइट या मोबाइल एप के जरिए ऑनलाइन करा सकते हैं। इसके अलावा आप अमरनाथ यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन श्राइन बोर्ड की वेबसाइट या मोबाइल एप के अलावा देशभर में पंजाब नेशनल बैंक, जेके बैंक और यस बैंक की 446 ब्रांच में भी करा सकते हैं। बता दें कि, जम्मू-कश्मीर में पीएनबी की 6 ब्रांच और जम्मू-कश्मीर बैंक की 10 ब्रांच में रजिस्ट्रेशन की सुविधा उपलब्ध है। अमरनाथ श्राइन बोर्ड के अनुसार, अमरनाथ यात्रा के लिए पांच से ज्यादा उम्र और पचास से कम आयु के व्यक्ति यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। हर यात्री को रजिस्ट्रेशन फीस के 100 रुपए लगेंगे। रजिस्ट्रेशन कराते समय आवेदक को आधार कार्ड, 4 पासपोर्ट साइज फोटो और सरकारी अस्पताल से बनवाया गया हेल्थ सर्टिफिकेट देना होगा। यात्रा पहलगाम और बालटाल दोनों मार्गों से होगी। प्रतिदिन 10 हजार श्रद्धालुओं को यात्रा के लिए भेजा जाएगा वहीं हेलिकॉप्टर से जाने वाले श्रद्धालुओं की संख्या अलग होगी। बालटाल से दोमेल तक के लिए फ्री बैटरी सेवा भी श्राइन बोर्ड की तरफ से उपलब्ध होगी।

रूस-यूक्रेन जंग से मार्च महीने में खुदरा महंगाई 6 फीसदी से ज्यादा रह सकती

नई दिल्ली । लगातार बढ़ रही महंगाई इस बार लोगों को और बड़ा झटका देने वाली है। आलय यह है कि खुदरा महंगाई की दर मार्च में बढ़कर आरबीआई के उच्च दायरे से बाहर निकल जाएगी। मोदी सरकार ने आरबीआई को खुदरा महंगाई अधिकतम 6 फीसदी के दायरे में रखने का लक्ष्य दिया है। लेकिन, मार्च में यह केंद्रीय बैंक के उच्च सीमा के पार पहुंचकर 16 महीने के उच्च स्तर पर पहुंच सकती है। दरअसल, खाने-पीने की वस्तुओं की कीमतों में तेजी से खुदरा महंगाई मार्च में 6.33 फीसदी से स्तर पर पहुंच सकती है। ऐसा हुआ तब यह लगातार तीसरा महीना होगा, जब खुदरा महंगाई 6 फीसदी से ज्यादा रहेगी। अर्थशास्त्रियों के सर्वे में कहा गया है कि रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उछाल का असर खुदरा महंगाई पर दिख रहा है। आने वाले समय में महंगाई लोगों की जेब और ढीली करेगी। सर्वे में कहा गया है कि रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद महंगाई की चौतरफा मार पड़ रही है। इससे न सिर्फ आम आदमी पर असर पड़ रहा है बल्कि कंपनियों के उत्पादन और कमाई पर भी पड़ रहा है। सर्वे में शामिल 48 अर्थशास्त्रियों का दावा है कि खुदरा महंगाई की दर इस साल मार्च में बढ़कर 6.33 फीसदी के स्तर पर पहुंच सकती है। यह खुदरा महंगाई का नवंबर, 2020 के बाद का 16 महीने का उच्च स्तर होगा। फरवरी 2022 में खुदरा महंगाई की दर 6.07 फीसदी रही थी। मोदी सरकार मंगलवार को को खुदरा महंगाई के आंकड़े जारी कर सकती है। अर्थशास्त्री का कहना है कि फरवरी तक तीन महीने की गिरावट के बाद खाद्य वस्तुओं की कीमतों में उच्च वृद्धि देखने को मिल सकती है।

दुनिया के दो दिग्गज अरबपति और प्रतिद्वंद्वी, एक-दूसरे का समर्थन करते दिखे

मुंबई । दुनिया के दो दिग्गज अरबपति, वहां भी प्रतिद्वंद्वी, जब किसी मुद्दे पर एक-दूसरे का समर्थन करें, तब हैरानी तब होगी ही। टेस्ला के सीईओ और माइक्रोब्लॉगिंग साइट ट्विटर के सबसे बड़े शेयरधारक एलन मस्क ने जब ट्विटर इंक के सैन फ्रांसिस्को स्थित मुख्यालय को बेघरों का आसरा बनाने का सुझाव दिया,तब जेफ बेजोस ने इसका समर्थन किया। इसके बाद मौके बहुत ही कम आते हैं। दोनों दिग्गजों की ट्विटर पर इस संक्षिप्त बातचीत ने पेटीएम के संस्थापक विजय शेखर शर्मा का भी ध्यान खींचा। उन्हें दोनों की यह बातचीत दुर्लभ लगी। पेटीएम संस्थापक विजय शेखर शर्मा ने ट्वीट करते हुए लिखा, ट्विटर पर जेफ एलन से जुड़े। दुनिया का कौन-सा ऐसा मंच है जो कभी ऐसा कर सकता है? शर्मा ने अपने ट्वीट में जेफ बेजोस और एलन मस्क की ट्वीटर पर हुई बातचीत का स्क्रीन शॉट भी लगया है। मस्क ने ट्विटर पर एक पोल के जरिए ये आइडिया दिया, जिसमें कंपनी के मुख्यालय को बेघरों का आसरा बनाने की बात कही गई थी।अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस ने इसका समर्थन करते हुए ट्वीट किया, या एक हिस्से को परिवर्तित करो। बहुत अच्छा काम किया। यह उन कर्मचारियों के लिए सुविधाजनक है जो स्वयंसेवा करना चाहते हैं। यह उन कर्मचारियों के लिए सुविधाजनक है जो स्वयंसेवा करना चाहते हैं। उन्होंने अमेजन के सिएटल स्थित मुख्यालय से जुड़ा 8 मंजिला बेघर आश्रय के बारे में बताने वाला एक लेख का लिंक भी साझा किया। इस पर मस्क ने जवाब देकर ट्वीट किया, 'ग्रेट आइडिया।

यूक्रेन ने रूसी मिसाइलों से लदे ट्रक को बनाया निशाना

कीव ।

यूक्रेन-रूस की युद्ध के 47वें दिन तक व्लादिमीर पुतिन की सेना कीव पर विजय नहीं पा पाई है, जिसके चलते अब उसने अपनी योजना को बदल लिया है। ताजा जानकारी के मुताबिक, रूसी सेना का बड़ा काफिला अब इज़्युम शहर और नीपर नदी के आसपास देखा गया है। अमेरिकी विशेषज्ञों का कहना है कि रूस का 12.8 किलोमीटर का लंबा काफिला इज़्युम शहर की तरफ बढ़ रहा है। दूसरी तरफ यूक्रेन रूसी हमलों का करारा जवाब दे रहा है। ताजा जानकारी के मुताबिक, बश्तांका में यूक्रेन ने रूसी ट्रक पर मिसाइल अटैक किया है। यह हमला ऋूज मिसाइल से भरे रूसी ट्रक पर किया गया है। खबरों के मुताबिक, अमेरिकी विशेषज्ञों को अंदेशा है कि रूस नीपर नदी के आसपास बड़े हमले की प्लानिंग में है। एक्सपर्ट का यह दावा पुख्ता लग रहा है। क्योंकि हाल ही में सेटेलाइट इमेज में एक 12.8 किलोमीटर लंबा रूसी सेना का काफिला देखा गया था। तस्वीरों के साथ दावा किया गया कि पुतिन की सेना का यह काफिला इज़्युम शहर की तरफ ही बढ़ रहा है। इज़्युम में अब तक यूक्रेनी सेना रूस को कड़ी टक्कर दे रही है। बीते दिनों यूक्रेनी सेना ने रूस की सेना के खिलाफ पहली बार टीओएस -1ए सोलनटियोपैक का इस्तेमाल किया था। यह उनकी काफी पावरफुल तोप मानी जाती है। इज़्युम शहर खारकीव के दक्षिण-पूर्व में स्थित है। खारकीव पर हमलों की स्पीड बढ़ाने के लिए भी रूसी सेना इज़्युम का इस्तेमाल करना चाहती है। यूक्रेन ने तब दावा किया था कि खारकीव पर हवाई हमलों के साथ-साथ रूस इज़्युम शहर में और फौज को भेज रहा है। इस बीच ही रूस के लंबे काफिले की सैटेलाइट इमेज सामने आई। इज़्युम शहर के टीवी टॉवरों को रूस ने हवाई हमलों से तबाह कर दिया था, जिसकी तस्वीरें भी सामने आई थीं। यूक्रेन की मिलिट्री की बात करें तो इस वक्त उनका कॉन्फिडेंस लेवल हाई है। उनका दावा है कि कीव और पूर्वोत्तर के बाकी शहरों को कब्जाने में रूस फेल हो गया है, जिसके बाद उसने अपना रुख पूर्वी यूक्रेन की तरफ कर लिया है। यह डोनबास का इलाका है, जहां रूस समर्थित अलगाववादी संगठन पिछले 8 सालों से यूक्रेनी सेना से लड़ रहे हैं। इसी क्षेत्र के दो इलाकों (दोनेत्स्क और लुहांस्क) को रूस ने युद्ध शुरू होने से पहले ही अलग देश के रूप में मान्याता दी थी।

कर चोरी व अमरीकी ग्रीन कार्ड ने ऋषि सुनक का ब्रिटिश पीएम बनने का सपना तोड़

लंदन ।

पत्नी की कर चोरी व अमरीकी ग्रीन कार्ड ने ब्रिटेन राजकोष के चांसलर ऋषि सुनक का ब्रिटिश प्रधानमंत्री बनने का सपना तोड़ दिया है। ब्रिटेन के वरिष्ठ कंजर्वेटिव नेताओं ने ऋषि सुनक के अगले प्रधानमंत्री बनने की संभावना को खारिज कर दिया है। कंजर्वेटिव्स का मानना है, कि प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन को ऋषि सुनक को उनकी पत्नी अक्षता मूर्ति के कर मामलों पर मचे हंगामे के बाद अपने मंत्रिमंडल में फेरबदल करते हुए चांसलर के पद से हटाना होगा। सुनक की पत्नी और इंफोसिस के सह-संस्थापक एन.आर. नारायण मूर्ति की बेटी अक्षता के भुगतान के लिए सहमत होने के बाद पूर्व मंत्री ने कहा कि चिंता यह है कि पार्टी पतन की ओर बढ़ रही है।

पूर्व मंत्री ने कहा कि उन्होंने जिस तरह अपने मामलों को व्यवस्थित किया है, पार्टी पतन की ओर बढ़ रही है। पूर्व मंत्री ने कहा कि उन्होंने जिस तरह अपने मामलों को व्यवस्थित किया है, वह यह

नहीं दर्शाता है कि वह ब्रिटेन के लिए भी प्रतिबद्ध हैं।

इससे पहले बीते शुक्रवारइससे पहले बीते शुक्रवार को यह खुलासा हुआ था कि सुनक पिछले 19 महीने से चांसलर और वित्तमंत्री रहते हुए अमरीकी ग्रीन कार्ड का इस्तेमाल कर रहे थे।

भारतीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने बोइंग और रेथियॉन के प्रमुख से की भेंट

वॉशिंगटन ।

भारत-अमेरिका के रणनीतिक मुद्दों पर टू प्लस टू वार्ता के लिए वॉशिंगटन डीसी पहुंचे भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बोइंग और रेथियॉन के प्रमुखों से मुलाकात की। ये कंपनियां अमेरिकी रक्षा व एयरोस्पेस क्षेत्र की दिग्गज हैं। सिंह ने इनके प्रमुखों से भारत की 'मेक इन इंडिया' नीति का लाभ उठाने का आग्रह किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बोइंग और रेथियान के प्रमुखों से कहा कि वे मेक इन इंडिया को 'मेक फॉर द वर्ल्ड' की ओर तेजी से बढ़ाने में मदद करें। टू प्लस टू वार्ता के पूर्व आज अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और पीएम नरेंद्र मोदी के बीच वर्चुअल बैठक प्रस्तावित है। रक्षा मंत्री के कार्यालय ने इस मुलाकात के बाद ट्वीट कर यह जानकारी दी। राजनाथ सिंह पांच दिनी अमेरिका यात्रा पर रविवार को वॉशिंगटन डीसी पहुंचे। इस यात्रा के दौरान वे भारत अमेरिका के बीच चौथी टू प्लस टू वार्ता करेंगे। यह दोनों देशों के रक्षा व विदेश मंत्रियों के बीच होती है। 15 अप्रैल तक अपनी अमेरिका यात्रा के दौरान राजनाथ सिंह भारत-अमेरिका के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए अमेरिकी नेतृत्व से चर्चा करेंगे। अमेरिकी नेतृत्व से चर्चा करेंगे। राजनाथ सिंह सोमवार को अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड जे. आस्टिन से मुलाकात करेंगे। इसके बाद दोनों देशों के रक्षा व विदेश मंत्रियों के बीच 2+2 वार्ता होगी। इसमें विदेश मंत्री एस। जयशंकर भी शामिल होंगे। वहीं, विदेश मंत्री एस जयशंकर भी 11-12 अप्रैल को अमेरिका का दौरा करेंगे। वे अपने समकक्ष विदेश मंत्री ब्लिंकन से अलग से भी मुलाकात करेंगे।

राजपक्षे सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने के पक्ष में तमिल नेशनल एलायंस

कोलंबो ।

श्रीलंका के प्रमुख तमिल दल तमिल नेशनल एलायंस (टीएनए) ने कहा कि वह राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने में विपक्ष का समर्थन करने को तैयार है। श्रीलंका की मुख्य विपक्षी पार्टी समागी जन बालवेगया (एसजेबी) ने कहा था कि राष्ट्रपति राजपक्षे की सरकार सबसे खराब आर्थिक संकट का सामना कर रही जनता की चिंताओं को दूर करने के लिए कदम उठाने में यदि विफल रहती है,तब वह उसके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाएगी। विपक्षी नेता साजित प्रेमदासा ने यह कहकर देश में राष्ट्रपति शासन प्रणाली को समाप्त करने का आह्वान किया था कि सत्ता कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका के बीच विभाजित होनी चाहिए। टीएनए के प्रवक्ता एम.ए. सुमंथीरन ने कहा, हम

अविश्वास प्रस्ताव लाने और राष्ट्रपति के खिलाफ महाभियोग चलाने के मुख्य विपक्षी दल के कदमों का समर्थन करने को मजबूर हैं। सरकार को राजपक्षे परिवार के सत्ता छोड़ने संबंधी जनता की मांग को समझना चाहिए। उल्लेखनीय है कि ब्रिटेन से 1948 में स्वतंत्रता प्राप्त करने के बाद से श्रीलंका अपने सबसे खराब आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। श्रीलंका की जनता लंबे समय से बिजली कटौती और गैस, खाद्य पदार्थों तथा अन्य बुनियादी चीजों की कमी को लेकर हफ्तों से विरोध कर रही है। जनता के गुस्से ने लगभग सभी कैबिनेट मंत्रियों को इस्तीफा देने के लिए मजबूर कर

संक्षिप्त समाचार

यूक्रेन को एक सैन्य परिवहन विमान और 50 लोगों का सहायता देगा न्यूजीलैंड

वेलिंगटन । यक्रेन पर रूसी आक्रमण के बाद यूक्रेन को दी जा रही मदद को उल्लेखनीय रूप से आगे बढ़कर न्यूजीलैंड एक सैन्य परिवहन विमान और 50 लोगों का सहायता दल यूरोप भेजेगा, साथ ही हथियार खरीदने के लिए ब्रिटेन को पैसे भी देगा। प्रधानमंत्री जेसिंडा आर्डर्न ने कहा कि सी130 हरक्यूलिस विमान आवश्यक उपकरण और आपूर्ति के लिए यूरोप का भ्रमण करेगा। उन्होंने कहा कि विमान सीधे यूक्रेन नहीं जाएगा क्योंकि अधिकांश सैन्य साजो सामान देश में जमीन मार्ग से पहुंचाए जाते हैं। आर्डर्न ने कहा कि उनकी सरकार सैन्य और मानवाधिकार संबंधी सहयोग पर अतिरिक्त 1.3 करोड़ न्यूजीलैंड डॉलर (90 लाख डॉलर) खर्च करेगी, जिसमें हथियार और गोला-बारूद खरीदने के लिए ब्रिटेन को 75 लाख न्यूजीलैंड डॉलर का भुगतान शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इस कार्य में 67 लोगों की तैनाती की गई है। यूक्रेन की मदद के लिए अब तक न्यूजीलैंड का कुल योगदान तीन करोड़ न्यूजीलैंड डॉलर हो गया है।

अमेरिका में नाइट क्लब में गोलीबारी दो लोगों की मौत 10 अन्य घायल

वाशिंगटन । अमेरिका में लोवा प्रांत के सीडर रैपिड्स स्थित नाइट क्लब में देर रात गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई और 10 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि गोलीबारी देर रात लगभग 1ः30 बजे टैबू नाइटक्लब और लाउंज में हुई और शहर में गश्त कर रहे अधिकारी तुरंत वहां पहुंच गए। पुलिस ने यह नहीं बताया कि गोलीबारी की घटना में संदिग्ध एक था या एक से अधिक थे। पुलिस ने नहीं बताया कि गोलीबारी का कारण क्या था और उन्होंने किसी को गिरफ्तार किया है या नहीं। पुलिस ने हालांकि कहा कि जनता के लिए कोई खतरा नहीं है। पुलिस ने पीड़ितों के नाम या घायलों की स्थिति का भी खुलासा नहीं किया। क्लब के मालिक, मॉड विलियम्स ने सीडर रैपिड्स गजट को बताया कि उन्हें गोलीबारी के बारे में अधिक जानकारी नहीं है। मेयर टिफ्नी ओडॉनेल ने इस घटना की निंदा की और पुलिस की प्रतिक्रिया की सराहना की।

इमरान की सरकार गिरते ही नवाज के समर्थक लंदन में सड़कों पर उतरे

लंदन । पाकिस्तान में चल रहे सियासी भूचाल का असर लंदन में दिख रहा है। अविश्वास प्रस्ताव हारने के बाद इमरान खान सत्ता से आऊट हो गए जिसकी खुशी लंदन में देखी गई। इमरान सरकार गिरते ही हजारों की तादाद में नवाज के समर्थक लंदन में उनके निवास के बाहर जमा हुए और पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज के हक में नारे लगाने लगे। इस दौरान लंदन में इमरान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ और पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज के समर्थकों के बीच बड़ी झड़प हो गई। पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के आवास एवेनफील्ड फ्लैट्स के बाहर दोनों पार्टी के समर्थकों के बीच टकराव में विरोधी नेतृत्व के खिलाफ गालियां और नारेबाजी की गई। लंदन में पीटीआई के आक्रोशित कार्यकर्ताओं ने नवाज शरीफ के आवास पर धरना दिया। प्रदर्शनों के दौरान पाकिस्तान का झंडा थामे पीटीआई कार्यकर्ताओं ने पीएम को हटाने के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस बीच, पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के समर्थक भी पार्टी सुप्रीमो नवाज के साथ एकजुटता दिखकर एवेनफील्ड फ्लैट्स पर पहुंचे, जहां उन्होंने पीटीआइ कार्यकर्ताओं के साथ झड़प शुरू कर दी। दोनों समूहों के बीच लंबे वक्त तक जमकर नारेबाजी और विरोध प्रदर्शन जारी रहा।

नेपाल केंद्रीय बैंक ने वाहनों और अन्य महंगी या लग्जरी वस्तुओं के आयात पर रोक लगाई

काठमांडू । नेपाल के केंद्रीय बैंक ने वाहनों और अन्य महंगी या लग्जरी वस्तुओं के आयात पर रोक लगाने की घोषणा की है। केंद्रीय बैंक ने यह कदम नकदी की कमी और घटते विदेशी मुद्रा भंडार के कारण उठाया है। हालांकि, सरकार ने आश्वासन दिया था कि देश की अर्थव्यवस्था श्रीलंका की तरह गर्त में नहीं जाएगी। नेपाल के वाणिज्यिक बैंकों के अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक के बाद केंद्रीय बैंक नेपाल राष्ट्र बैंक (एनआरबी) ने पिछले हफ्ते ये निर्देश जारी किए। एनआरबी के प्रवक्ता गुणाखार भट्ट ने कहा, ''हमें अर्थव्यवस्था में किसी तरह के संकट के संकेत नजर आ रहे हैं, जो मुख्यतः आयात बढ़ने की वजह से हैं। इसलिए हम उन वस्तुओं के आयात को रोकने पर विचार कर रहे हैं जिनकी तुरंत आवश्यकता नहीं है।'' आयात बढ़ने, पर्यटन एवं निर्यात से होने वाली आय की कमी और भुगतान प्रवाह घटने के कारण नेपाल के विदेशी मुद्रा भंडार में जुलाई, 2021 से गिरावट आ रही है। केंद्रीय बैंक के आंकड़ों के मुताबिक, घटकर 9.75 अरब डॉलर रह गया, जो जुलाई, 2021 के मध्य तक 11.75 अरब डॉलर था।

इमरान के सत्ता से जाने का पाकिस्तानी मीडिया ने किया स्वागत

इस्लामाबाद ।

पाकिस्तानी मीडिया ने देश में सत्ता परिवर्तन होने का स्वागत कर राहत जताकर कहा कि राज्य की संस्थाओं के बीच एक ''विनाशकारी टकराव टल गया। कई दिनों के नाटकीय घटनाक्रम के आखिरकार इमरान खान के नेतृत्व वाली सरकार को अविश्वास प्रस्ताव में शिकस्त का सामना करना पड़ा। मतदान आधी रात को हुआ और इससे पहले खान की अल्पमत सरकार ने विपक्षी दलों द्वारा पेश किए गए अविश्वास प्रस्ताव को रोकने की पूरी कोशिश की। पाकिस्तानी अखबार ने संपादकीय में कहा, शनिवार की देर रात एक समय ऐसा लगा मानो राज्य की सभी संस्थाओं के बीच विनाशकारी टकराव हो रहा है। यह आपदा राज्य के उच्चतम स्तरों पर आघात पहुंचाने के लिए तैयार खड़ी नजर आ रही थी। अखबार ने कहा, यहां तक की सत्ता जाना निश्चित होने के बावजूद भी इमरान न्यायपालिका और सेना प्रमुखों के साथ-साथ पूरी विधायिका के प्रमुखों को 'आखिरी गेंद% खेलने के लिए मजबूर करके सामान्य संसदीय प्रक्रिया को तमाशा में तब्दील करने के इच्छुक थे। संपादकीय में कहा कि यह सब अलग तरीके से हो सकता था। संपादकीय में कहा गया है, सुप्रीम कोर्ट का हस्तक्षेप हुआ, और फिर एक अराजक दिन सुप्रीम कोर्ट और इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के दरवाजे देर रात खोले गए। इसें कहा गया है, ''दुर्भाग्य से (खान की पार्टी) पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने प्रक्रियाओं और संस्थाओं के प्रति सम्मान नहीं प्रकट करते हुए जिस तरह से अपना शासन चलाया, यह उसका सटीक प्रतिबिंब है। संपादकीय में कहा गया है कि खान शनिवार सुबह (संसद के निचले सदन) नेशनल असेंबली के सत्र में शामिल हो सकते थे, जब इसकी बैठक शुरू हुई। नेशनल असेंबली के अध्यक्ष सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन कर सकते थे और अविश्वास प्रस्ताव के लिए मतगणना करा सकते थे। सत्तारूढ़ दल और उसके प्रधानमंत्री बाहर का रास्ता देखने से पहले कुछ गरिमापूर्ण व्यवहार कर सकते थे। अखबार में कहा गया, ''लेकिन सरकार के पिछले लगभग चार वर्षों के कामकाज की तरह पीटीआई (खान की पार्टी और खान ने नेशनल असेंबली के सत्र को स्थगित करने और अविश्वास प्रस्ताव को आगे नहीं बढ़ने देने का फैसला किया। 'इमरान सत्ता से बेदखल संपादकीय में अखबार ने कहा, '' देश में लगातार लोकतांत्रिक बदलाव के लिए इतने लंबे संघर्ष के बाद एक राजनेता को इन हथकंडों का सहारा लेते देखना।

श्रीलंका में बेनतीजा रही अंतरिम सरकार पर राष्ट्रपति और निर्दलीय सांसदों के बीच बातचीत

कोलंबो ।

श्रीलंका में आर्थिक संकट से निपटने के लिए सर्वदलीय अंतरिम सरकार बनाने के प्रयास सफल नहीं हो सके। इस संबंध में राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे और उनके सत्तारूढ़ श्रीलंका पोडुजाना पेरामुना (एसएलपीपी) गठबंधन के निर्दलीय सांसदों के साथ हुई बातचीत बेनतीजा रही। श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे ने 11 पार्टियों के गठबंधन को देश की खराब आर्थिक स्थिति पर चर्चा के लिए आमंत्रित किया था, जिसमें 42 निर्दलीय सांसद हैं। निर्दलीय समूह के सदस्य वासुदेव नानायकारा ने पत्रकारों से कहा हमने अपने पत्र पर चर्चा की, जिसमें हमारे प्रस्ताव के संबंध में 11 बिंदु थे बातचीत जारी रहेगी। उन्होंने और 41 अन्य ने पिछले सप्ताह सत्तारूढ़ गठबंधन से अलग होने की घोषणा की थी, लेकिन विपक्ष में शामिल होने से इनकार कर दिया था। निर्दलीय समूह के एक अन्य सदस्य अनुरा यापा ने राजपक्षे के साथ बैठक से पहले कहा था कि उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति मैत्रीपाला सिरिसेना की उपस्थिति में मुख्य विपक्षी नेता साजिथ प्रेमदासा से मुलाकात की थी। यापा ने कहा दोनों पक्षों ने बातचीत की पर इसका कोई नतीजा नहीं निकला। सरकारी सूत्रों ने बताया कि मंत्रिमंडल के शेष 26 सदस्यों की नियुक्ति में और देरी होगी। पिछले सप्ताह पूरे मंत्रिमंडल ने इस्तीफा दे दिया था, जिसके बाद राजपक्षे ने केवल चार मंत्रियों को नियुक्त किया है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया जब श्रीलंका वर्ष 1948 में ब्रिटेन से आजाद होने के बाद से सबसे बुरे आर्थिक दौर से गुजर रहा है। इस बीच, श्रीलंका में राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे के इस्तीफे की मांग को लेकर चल रहे सरकार विरोधी प्रदर्शन सोमवार को भी जारी रहे। एक प्रदर्शनकारियों ने कहा कि यह नई पीढ़ी है, जो यहां विरोध कर रही है, हम आजादी के बाद से पिछले 74 वर्षों में सभी राजनीतिक गलतियों के लिए जवाबदेही चाहते हैं। कहा जा रहा है कि 13 और 14 अप्रैल को राष्ट्रीय नववर्ष का जश्न मनाने के लिए लोग राजधानी कोलंबो के बाहरी इलाकों में एकत्रित होंगे। देश के कुछ हिस्सों में राजपक्षे के समर्थन में भी लोग एकत्रित हुए। उन्होंने राजपक्षे परिवार से सत्ता में बने रहने की अपील की। एक समर्थक ने तख्ती पर लिखा था हम राष्ट्रपति के आभारी हैं, जिन्होंने वैश्विक महामारी से हमारे जीवन को बचाने के लिए टीके उपलब्ध कराए। गौरतलब है कि श्रीलंका में लोग लंबे समय से बिजली कटौती तथा गैस, भोजन और अन्य बुनियादी सामानों की कमी को लेकर हफ्तों से विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। राष्ट्रपति और उनके बड़े भाई प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे, राजनीतिक रूप से शक्तिशाली अपने परिवार के सार्वजनिक आक्रोश का केंद्र बनने के बावजूद सत्ता पर काबिज हैं। राष्ट्रपति ने सरकार के कदमों का बचाव करते हुए कहा कि विदेशी मुद्रा संकट के लिए उनकी सरकार जिम्मेदार नहीं है और आर्थिक मंदी का मुख्य कारण वैश्विक महामारी है, पर्यटन के जरिए देश में आने वाली विदेश मुद्रा प्रभावित हुई है।

रूस ने यूक्रेन युद्ध के लिए नया सैन्य कमांडर नियुक्त किया

कीव । रूस ने यूक्रेन युद्ध के लिए नया सैन्य कमांडर नियुक्त किया है। वह देश के पूर्वी हिस्से में हमलों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। वहीं दूसरी ओर, यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि उनके सैनिक हार नहीं मनाने वाले हैं, और उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन सहित पश्चिमी देशों के नेताओं से उनके देश को और मदद मुहैया कराने का अनुरोध किया। जेलेंस्की ने अपने देश को सचेत किया कि आगामी सप्ताह युद्ध में उतना ही महत्वपूर्ण है, जितना युद्ध में अब तक हर सप्ताह रहा है। उन्होंने राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा, ''रूसी बल हमारे देश के पूर्व में और बड़े अभियान चलाएंगे। उन्होंने कहा कि रूस के दक्षिण और पूर्व पर ध्यान केंद्रित करने के बीच यूक्रेन का भविष्य अब इसपर निर्भर करता है कि क्या अमेरिका क्षेत्र में रूसी हथियारों की बढ़ती संख्या के अनुपात में मदद मुहैया कराता है या नहीं। जेलेंस्की ने कहा, ''ईमानदारी से कहूं, तब हम (स्वयं की रक्षा करने में) सफल रहने वाले हैं, या नहीं, यह इस बात पर (मदद पर) निर्भर करता है। उन्होंने कहा, दुर्भाग्य से, मुझे भरोसा नहीं है, कि हमें वे वस्तुएं मिलेंगी या नहीं, जिनकी हमें आवश्यकता है।'' जेलेंस्की ने कहा कि वह अब तक अमेरिका से मिली सहायता के लिए बाइडन के शुक्रगुजार हैं, लेकिन उन्होंने कहा कि उन्होंने उन कुछ वस्तुओं की सूची ''बहुत समय पहले'' भेजी थी, जिनकी यूक्रेन को बहुत आवश्यकता है और इस मामले में बाइडन की प्रतिक्रिया को इतिहास परखेगा। उन्होंने कहा, उनके (बाइडेन के) पास सूची है। राष्ट्रपति बाइडन उस व्यक्ति के रूप में इतिहास के पन्नों में दर्ज हो सकते हैं, जो अपना देश होने के अधिकार को चुनने और जीतने वाले यूक्रेनी लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहे।

ट्विटर बोर्ड में शामिल नहीं होंगे एलन मस्क, सीईओ पराग अग्रवाल ने ट्वीट कर दी जानकारी

वाशिंगटन । अरबपति कारोबारी एलन मस्क अब ट्विटर के निदेशक मंडल में शामिल नहीं होंगे। इस बात की जानकारी सीईओ पराग अग्रवाल ने ट्वीट कर दी। बता दें कि इससे पहले पिछले सप्ताह ही टेस्ला के सीईओ और दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क के माइक्रो-ब्लॉगिंग साइट ट्विटर इंक में 9.2 फीसदी की हिस्सेदारी खरीदी थी. पराग अग्रवाल ने अपने ट्वीट में जानकारी देते हुए कहा है कि मस्क ने ट्विटर के बोर्ड में शामिल होने से इनकार कर दिया है, हालांकि यह अभी तक साफ नहीं है कि एलन मस्क ने ट्विटर के बोर्ड में शामिल होने से इनकार क्यों किया है। पराग ने कहा कि हम अपने शेयरधारकों के सुझाव को हमेशा महत्व देते हैं और चाहे वे हमारे बोर्ड में हों या नहीं। एलन हमारे सबसे बड़े शेयरधारक हैं और हम उनके सुझावों को हमेशा महत्व देंगे। एलन हमारे सबसे बड़े शेयरधारक हैं और हम उनके सुझावों को हमेशा महत्व देंगे। पराग अग्रवाल ने बताया कि बोर्ड में एलन मस्क की नियुक्ति आधिकारिक तौर पर 9 अप्रैल से से प्रभावी होनी थी, लेकिन एलन ने उसी सुबह कहा कि वह अब बोर्ड में शामिल नहीं होंगे। हम यह भी मानते थे कि एलन को कंपनी के एक सहायक के रूप में रखा गया था, जहां उन्हें सभी बोर्ड के सदस्यों की तरह, कंपनी और हमारे सभी शेयरधारकों के सर्वोत्तम हित में कार्य करना था।

सत्ता जाते ही इमरान समर्थक सेना प्रमुख बाजवा पर भड़के, लगाए चौकीदार चोर है के नारे

इस्लामाबाद ।

सत्ता के बेदखल होते ही पाकिस्तान में इमरान खान का पार्टी पीटीआई के समर्थक सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा पर बुरी तरह से भड़क गए हैं। पीटीआई की एक रैली में जनरल बाजवा के खिलाफ चौकीदार चोर हैं के नारे लगाए गए हैं। इसी नारे को भारत में सबसे पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ लगाया था। अे ब पीटीआई के समर्थक इमरान खान को सत्ता से हटाने पर पाकिस्तानी सेना के खिलाफ इसी नारे का इस्तेमाल कर रहे हैं। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के लाल हवेली इलाके में जमा भीड़ ने पाकिस्तान सेना को चौकीदार की संज्ञा दी और उसे चोर करार दिया। इस दौरान पूर्व गृहमंत्री और सेना के करीबी शेख रशीद रैली को संबोधित कर रहे थे। इस घटना के वीडियो से नजर आ रहा है कि शेख रशीद ने प्रदर्शनकारियों को सेना के खिलाफ नारेबाजी से रोकने का प्रयास भी किया। उन्होंने कहा, नारेबाजी नहीं करें ।हम शांति से लड़ेंगे। अविश्वास प्रस्ताव की ओर इशारा करते हुए शेख रशीद ने पीटीआई समर्थकों से कहा कि अगर आप अपने देश को बचाना चाहते हैं तो फैसले गुपचुप तरीके से न लें। उन्होंने कहा कि लाल हवेली से हर दिन जेल भरो अभियान के लिए तैयार रहें। शेख रशीद ने कहा कि हम सभी सिंधी लोगों से कहेंगे कि विपक्षी नेता चोर, डकैत और लुटेरे हैं। इससे पहले शेख रशीद ने रविवार को घोषणा की कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के सभी सदस्य नेशनल असेंबली से इस्तीफा दे देंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार, शेख रशीद ने एक बयान में कहा कि वे राष्ट्रीय राजकोष के चोरों और लुटेरों के साथ नेशनल असेंबली में नहीं बैठ सकते। इस बीच, पूर्व सूचना मंत्री ने मीडियाकर्मियों से बात करते हुए इस बात की पुष्टि करते हुए कहा कि पार्टी पहले चरण में संसद के निचले सदन से इस्तीफा देगी।

उन्होंने आगे कहा कि पीटीआई ने शाह महमूद कुरैशी को प्रधानमंत्री चुनाव के लिए नामित किया ताकि शहबाज शरीफ के नामांकन को चुनौती दी जा सके, जो धन शोधन मामले में आरोपी हैं।

सुविचार खुशी तब होती है जब आप जो सोचते है जो कहते है और जो करते है, सब में संतुलन होता है। - विलियम शेक्सपियर

संपादकीय

पाकिस्तान में बदलाव

पाकिस्तान में अंततः सियासत ने नई करवट ले ली और इमरान सरकार को बहुमत के अभाव में जाना पड़ा। इमरान खान ने अंतिम समय तक खुद को बचाने की कोशिश की। सहानुभूति का लाभ लेने या माहौल के बदलने का इंतजार किया, लेकिन विपक्ष के अड़ने से जब हर चाल व उम्मीद नाकाम हुई, तब रविवार को 174 मतों के साथ नेशनल असेंबली में अविश्वास प्रस्ताव पास हो गया। वह इस तरह रुखसत होने वाले अपने देश के पहले प्रधानमंत्री बन गए हैं। वह चूंकि अपनी पूरी फजीहत कराकर रुखसत हुए हैं, इसलिए उन्हें आने वाले दिनों में सियासी मोर्चे के साथ-साथ प्रशासनिक मोर्चे पर भी खूब संघर्ष करना पड़ेगा। उनके विदेश जाने पर एक तरह से रोक लग गई है और उन्होंने अपनी कमजोरियों की वजह से अपने विरोधियों को मौका दे दिया है। दरअसल, जब आप लोकतांत्रिक और सांविधानिक संस्थाओं पर विश्वास करते हैं, तब ये संस्थाएं भी आप पर विश्वास करती हैं और मजबूती देती हैं। लेकिन जिस तरह इमरान ने खुद को बचाने के लिए सत्ता का दुरुपयोग किया है, अदालत के आदेश के बावजूद संसद से बचने की अंतिम समय तक कोशिश की है, उससे उन्होंने खुद अपने लिए कांटे बिछा लिए हैं। 9 अप्रैल का दिन पाकिस्तान के इतिहास में हमेशा याद किया जाएगा। जो नेता अपनी मनमानी से पाकिस्तान का स्याह इतिहास लिख रहे थे, उनसे जनता कितनी नाउम्मीद हुई है, यह तो आगामी चुनावों में ही पता चलेगा, लेकिन फिलहाल बचे हुए कार्यकाल के लिए पाकिस्तान में किसी तरह से नई सरकार बनाने की कवायद चल रही है। नई सरकार का सुलूक इमरान खान और उनकी टीम के साथ मनमानी या द्वेष भरा नहीं, बल्कि न्यायपूर्ण होना चाहिए। इमरान खान चाहते थे कि आगामी चुनाव उनके प्रधानमंत्री रहते हो, लेकिन इसके लिए यथोचित माहौल या बाकी नेताओं का विश्वास जीतने में वह कामयाब नहीं रहे। उन्होंने विरोधी हुए नेताओं को साथ लेने की उदार कोशिशों के बजाय भड़काने का ही काम किया। पाकिस्तान में नेताओं को गहरे घाव देने वाले ऐसे आरोपों से बचने की कोशिश करनी चाहिए। लोकतांत्रिक सरकार चलाने के लिए परस्पर बुनियादी विश्वास की जरूरत पड़ती है, इसका अभाव पाकिस्तान में नया नहीं है। क्या इस अविश्वास को अगले प्रधानमंत्री दूर कर पाएंगे? जिन विपक्षी दलों ने एक सरकार को बाहर का रास्ता दिखा दिया है, उन पर अब जिम्मेदारी है कि मिलकर देश को अच्छी सरकार दें। भावी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को बहुमत जुटाने के अलावा सेना को भी विश्वास में लेकर चलने की मजबूरी कदम-कदम पर झेलनी पड़ेगी। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था अगर चौपट न होती, तो शायद इमरान खान को ऐसे न जाना पड़ता। अब शहबाज शरीफ कह रहे हैं कि पाकिस्तान के मुस्कराने केदिन आ गए हैं, क्या वाकई ऐसा है? सबसे पहले तो उन्हें आर्थिक सुधारों की दिशा में तेजी से बढ़कर दिखाना होगा, ताकि देश को बार-बार दुनिया के सामने हाथ न पसारना पड़े। भ्रष्टाचार से खुद बचना और देश को बचाना होगा। अभी पाकिस्तान पर जीडीपी का 43 फीसदी कर्ज है, महंगाई रोके नहीं रुक रही है। पाकिस्तानी होने का गर्व दिन-प्रति-दिन घटता जा रहा है, अतः सबसे बड़ी चुनौती यह भी है कि कट्टरता व आतंकवाद की राह पर यह देश अब न बढ़े, ताकि दुनिया में उसके पासपोर्ट की भी इज्जत बढ़े।

आज के कार्टुन

सद्भावना

श्रीराम शर्मा आचार्य

दुर्भावनापूर्ण व्यक्ति अपने निजी सुख के लिए कुछ ऐसे काम भी करने की कामना कर सकता है, जो शासन तथा समाज की दृष्टि में अवांछनीय हों। कहा भी जाता है कि दुर्भावनाएं प्रायः होती ही समाज विरोधिनी। ऐसी दशा में जब वह दंड के भय से उन्हें नहीं कर पाता तो मन ही मन दुःखी होता रहता है, और उसके पाले हुए अविचारों के अतृप्त प्रेत उसे प्रति क्षण पीड़ा देते रहते हैं। यह प्रक्रिया अनवरत जारी रहती है। कहना न होगा कि अविचारी का अपना कोई मित्र नहीं होता। पक्का मित्र तो कतई नहीं होता। सारा मानव समाज ऐसे व्यक्ति से घृणा किया करता है, और ऐसी दशा में किसी का दुःखी न होना किस प्रकार संभव हो सकता है? इसके विपरीत जो व्यक्ति सद्भावनापूर्ण है, जिसके हृदय में दूसरों के लिए हितकर भाव है, जो सबको अपना समझता है, सबके हित में अपना हित मानता है, सभी से प्रेम भाव के साथ रहना चाहता है, वही डाह तथा ईर्ष्या-द्वेष से सर्वथा मुक्त रहता है। जिसका हृदय स्वच्छ है, निर्मल है, द्वेषरहित है, उसके हृदय में मलीनताजन्य कीटाणु उत्पन्न ही न होंगे। निर्विकार हृदय व्यक्ति को न तो ईर्ष्या के सर्प डसते हैं, और न डाह के बिच्छू डंक मारते हैं। वह सदा सुखी तथा प्रसन्न रहता है। सबके प्रति सद्भावना रखने वाला बदले में सद्भावना ही पाता है, जो उसे सब प्रकार से शीतल और शांत रखती है। सबके हित में अपना हित देखने वाला प्रत्येक के अभ्युदय से प्रसन्न ही होता है। दूसरों की उन्नति में सहायता करता है, और बदले में सहयोग पाकर सुखी वह संतुष्ट होता है। दुर्भावना तथा सद्भावना रखने वाले दो व्यक्तियों की स्थिति में वही अंतर रहता है, जो विष से मरणासन्न और अमृत से परितृप्त तथा प्रसन्न व्यक्ति में होता है। सुख की अत्यधिक चाह भी दुःख का कारण है। हर समय, हर क्षण तथा हर परिस्थिति में सुख के लिए लालायित रहना एक निकृष्ट हीन भावना है। इस क्षण-क्षण परिवर्तनशील तथा द्वंद्वात्मक संसार में हर समय सुख कहां? जो संभव नहीं, उसकी कामना करना असंगत ही नहीं, अबुद्धिमत्ता भी है। दुःख उठाकर ही सुख पाया जा सकता है। साथ ही, दुःख के अत्यंताभाव में सुख का कोई मूल्य-महत्त्व भी नहीं है। विश्रांति के बाद ही विश्राम का मूल्य है। भूख-प्यास से विकल होने पर ही भोजन का स्वाद है।

एकीकृत मॉडल से पंजाब की तरक्की

बीएस घुम्मन

कृषि आधारित विकास मॉडल पर निर्भर रहकर पंजाब की आर्थिकी तीन दशकों तक खूब फली-फूली। अब राज्य की अर्थव्यवस्था में पुनः जान फूंकने के लिए नई सरकार को एकीकृत तीन-इंजन वाला विकास मॉडल अपनाना चाहिए। 1990 के दशक में किए गए बाजारवादी आर्थिक सुधारों की वजह से पंजाब की आर्थिक बढ़त जाती रही। पड़ोस के पहाड़ी राज्यों में दी गई टैक्स-छूट अवधियों की वजह से पंजाब की आर्थिक स्थिति पर बाजार-शक्तियों का कहर और टूटा। इस नीति के नकारात्मक असर को कम करने के लिए राज्य सरकार को सलाह दी गई कि वह नव-उद्यमी की भूमिका अपनाए। विगत में खूब वाहवाही पाने वाले पंजाब मॉडल को मूलभूत बदलावों की जरूरत है। ऐतिहासिक रूप से, विकास दर और प्रति व्यक्ति आय में सिरमौर बनकर पंजाब की आर्थिकी का उद्भव 1960 के दशक के मध्य से शुरू हुआ था। विकास का यह प्रारूप अनिवार्य रूप से एकल-क्षेत्र मॉडल था, जिसमें कृषि को विकसित करने पर बल देना राष्ट्रीय कार्यक्रम था। दुर्भाग्यवश न तो केंद्रीय सरकार व न राज्य सरकार ने पंजाब के लिए ऐसी नीति अपनाई जो खेती से इतर देखती। नीति-निर्धारण में गैर-कृषि क्षेत्रों की अनदेखी वाली अदूरदर्शिता और इनको तरक्की कर रहे कृषि क्षेत्र से न जोड़ने के परिणाम स्वरूप 'विपरीत विकास' के लक्षण पैदा होते गए। मौजूदा समय में पंजाब ठहर चुके कृषि उत्पादन, संकट में फंसे कृषक, कमजोर पड़ते औद्योगिक क्षेत्र और धीमे विकास वाले सेवा-क्षेत्र के मिश्रण से अपनी आर्थिकी पर मारक असर झेल रहा है। पंजाबी युवाओं के लिए सम्मानयोग्य रोजगार के अवसर उपलब्ध नहीं हैं। पिछले समय में सूबे की आर्थिक हालत बिगड़ती गई। इसलिए वर्तमान मॉडल के परिणाम हमें नया मॉडल अपनाने को चेताते हैं, जो कि ग्रामीण आर्थिकी, औद्योगिक और सेवा-क्षेत्र के आपस में गुंथे तीन प्रचालकों (इंजनों) पर आधारित हो। इस अंतर-क्षेत्र जुड़ाव को सुदृढ़ करने से विकास को प्रोत्साहन मिलेगा, रोजगार के नए अवसर बनने और सूबे के कराधान में इजाफा होगा। एक 'दृष्टिकोण दस्तावेज' तैयार करके इस मॉडल पर काम शुरू किया जाए, जिसमें ज्ञान और डिजिटल तकनीक सहित विकास के रिवायती और नए इंजनों का समावेश हो। 'दृष्टिकोण दस्तावेज' हेतु मुख्यमंत्री की अध्यक्षता वाला पंजाब राज्य योजना बोर्ड मुफीद संस्थान है। अनुसंधान-आधारित त्रि-क्षेत्र मॉडल बनाने के लिए यह बोर्ड आगे क्षेत्रवार कार्यकारी समूह बनाए। विकास का पहला इंजन अर्थात कृषि में विविधता वाला फसल-चक्र अपनाकर ग्रामीण आर्थिकी को सुधारा जा सकता है। सूबे की ग्रामीण अर्थव्यवस्था का विकास फिलहाल एकतरफा और अधिकांशतः खेती तक सीमित है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था में विविधता यानी पशु-पालन, वनीय उपज, खनन का समावेश करने से विकास एवं रोजगार के नए स्रोत बनेंगे। हालांकि, आगे चलकर कृषि विकास का मुख्य स्रोत नहीं रहेगी तथापि फसल-विविधता, कृषि-विशेष को बढ़ावा, जल-प्रबंधन तकनीक और नई फसलों के लिए विपणन सुविधाएं बनाकर कृषि-आर्थिकी में काफी मूल्य-संवर्धन किया जा सकता है। चौथी औद्योगिक क्रांति (इंडस्ट्री 4.0) विश्वभर में तेजी से पसर रही है। इस 'इंडस्ट्री 4.0' की अगुवाई स्मार्ट तकनीकी के प्रयोग से की जा रही है, खासकर आधुनिक डिजिटल तकनीक जैसे कि आर्टिफिशल इंटेलीजेंस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, 3डी प्रिंटिंग, रोबोटिक्स, क्लाउड कम्प्यूटिंग, मोबाइल डिवाइसिस, स्मार्ट सेंसर, क्वांटम कम्प्यूटिंग इत्यादि। ज्यादातर उद्योग इंडस्ट्री 4.0 का हिस्सा बनकर तरक्की कर रहे हैं और यह पंजाब की भौगोलिक स्थिति के हिसाब से भी फायदेमंद है। इसको बहुत हल्के कच्चे माल की जरूरत होती है इसलिए परिवहन में पैसा बचता है। यह उद्योग मुख्यतः डिजिटल तकनीक एवं ज्ञान-परिचालित हैं इसलिए पढ़े-लिखे युवाओं को सम्मानजनक रोजगार मुहैया करवाएंगे। पंजाब के पास नए उद्यमी पैदा करने की काफी क्षमता है, बशर्ते व्यावहारिक नीतियां बनाई जाएं। इंडस्ट्री 4.0 बनाने के लिए उच्च शिक्षण संस्थाएं और उद्योग क्षेत्र का मिलकर काम करना फलदायी होगा। हालांकि, पंजाब में यह दोनों अलग-अलग काम कर रहे हैं। इनका युगम बनाने के लिए नई सरकार को ऐसा एक संस्थानक तंत्र बनना होगा, जिससे कि प्रयोगशाला में विकसित तकनीक उद्योग में परिवर्तित हो सके और उद्योग के लिए प्रयोगशाला में प्रासंगिक अनुसंधान हो। यूनिवर्सिटियों की भौगोलिक स्थिति के हिसाब से सरकार को उनके आस-पास तकनीकी पार्क स्थापित करने चाहिए। पंजाब के पास तकनीक-परिचालित ग्रामीण औद्योगिकीकरण के लिए बहुत उपजाऊ सामाजिक एवं आर्थिक माहौल मौजूद है। तीन कृषि बिलों के विरुद्ध चला आंदोलन ग्रामीणों का दृढ़ संगठनात्मक कौशल दर्शाता है, जब उनका सोशल मीडिया का सुयोग्य इस्तेमाल करना, किसान यूनियनों के बीच स्थानीय से लेकर वैश्विक सहयोग बनाना और नेटवर्क देखने को मिला। काफी तादाद में किसान कृषि से जुड़े व्यवसाय जैसे कि आढ़तिया के रूप में काम करते हैं। इस किस्म की सामाजिक पूंजी, नए उद्योग चलाने की क्षमता और तकनीकी कौशल से पंजाब के पास कृषि-व्यवसायिकी और नए रोजगार बनाने के लिए जरूरी अवयव एकदम दहलीज पर उपलब्ध हैं। ग्रामीण औद्योगिकीकरण के लिए नीति बनाने के लिए चीन के 'टाउनशिप एंड विलेज एंटरप्राइसेस मॉडल' से प्रेरणा ले सकते हैं। सेवा-क्षेत्र पंजाब की आर्थिकी की रीढ़ है। राज्य की आय में इसका हिस्सा सबसे ज्यादा (47 प्रतिशत) है और कुल रोजगार का 2/5 प्रदाता है। यह सेवा-क्षेत्र, कुछेक उप-सेवा क्षेत्रों को छोड़कर, ज्यादातर रिवायती तकनीक पर चले हुए हैं। नए पहलू जोड़कर सेवा क्षेत्र विकास का तीसरा इंजन बन सकता है, मसलन, सूचना तकनीक आधारित सेवाएं (आईटीइएस), बीपीओ, ऑनलाइन एजूकेशन, सोशल मीडिया और एंटरटेनमेंट, साइबर सिक्योरिटी, पर्यावरण संबंधी सेवाएं, वाणिज्यिक तकनीकी सेवाएं। ज्ञान सेवा, मसलन कि विज्ञान अनुसंधान, बायो-तकनीक, शिक्षण, परामर्श, आईपीआर, नए विचार-नीतियों को सुधारने के लिए उच्च निर्णय माहिरों द्वारा प्रश्नोत्तरी सर्विस, डाटा इंटरप्रेटेशन एंड एप्लीकेशन, नई तकनीक का आकलन इत्यादि। कृषि और उद्योग के बीच रिश्ता बनाने से आर्थिकी के तीसरे इंजन को शक्ति मिलेगी। डिजिटल सेवा क्षेत्र के हाथ में लघु-सेवा क्षेत्र बनाने और गुणवत्तापूर्ण एवं सम्मानयोग्य रोजगार देने की चाबी है। 1960-90 के दशक में पंजाब की आर्थिकी खूब चमकी थी। यह काल राज्य-नीत विकास का था। लेकिन आगे चलकर बाजार-आधारित मॉडल की वजह से इस अर्थव्यवस्था को खासा नुकसान झेलना पड़ा। आर्थिक सुधार-काल के बाद, निवेशकों की रुचि भौगोलिक कारणों से पंजाब की ओर नहीं बनी। 'बाजार असफलता सिद्धांत' बताता है कि जहां कहीं बाजार मांग घटती है, वहां दखल देकर स्थिति संभालना सरकार की जिम्मेवारी होती है। पंजाब की आर्थिकी को तेजी से पुनः पटरी पर लाने के लिए नई सरकार को खुद एक नए उद्यमी सरीखी भूमिका निभानी पड़ेगी। राज्य सरकार के पास उद्योग, वित्त और कृषि संबंधित अनेकानेक सार्वजनिक निगम मौजूद हैं। सरकार इनका पुनर्गठन व्यावसायिक लीक पर करे। ये निगम बड़े स्तर की इकाइयां बनाकर औद्योगिकीकरण में सीधी भागीदारी बनाएं। इन बड़े उद्योगों के इर्द-गिर्द आपूर्ति प्रदाता छोटी इकाइयां, खासकर सहकारी क्षेत्र से, स्थापित करने को प्रोत्साहित किया जाए।

लेखक पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला के पूर्व कुलपति हैं।

लेखक -चंद्रकांत सी पूजारी, गुजरात

भारतीय चिकित्सा तंत्र के मानवीय सरोकार

प्रमोद भार्गव

राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग ने ऐतिहासिक फैसला लेते हुए 17 सौ साल पुरानी व्यवस्था को बदलने की अनुशंसा की है। देश में चिकित्सा विज्ञान की पढ़ाई कर रहे छात्रों को अब हिप्पोक्रेटिक ओथ की बजाय महर्षि चरक की शपथ दिलाई जाएगी। इसकी शुरुआत नए पाठ्यक्रमों से होगी। दरअसल, चिकित्सक बनने के लिए समाज एवं मानवता के प्रति निर्विकार निष्ठा और अपने ज्ञान को सत्यता के साथ प्रयोग करना जरूरी है। इस सिलसिले में दुनियाभर में मेडिकल की पढ़ाई कर रहे छात्र एक शपथ लेते हैं, जिसे 'हिप्पोक्रेटिक ओथ' कहा जाता है। यह शपथ ग्रीक चिकित्साविद् हिप्पोक्रेट्स को समर्पित है। भारत में चिकित्सा के जनक माने जाने वाले महर्षि चरक की संस्कृत पुस्तक 'चरक संहिता' में भी चिकित्सा की पढ़ाई करने वाले छात्रों के लिए एक शपथ का उल्लेख है। आयोग ने इसी शपथ की सिफारिश की है। हालांकि, चरक-शपथ को वैकल्पिक रखा जाएगा। संस्कृत ग्रंथों में उल्लेख है कि धरा पर प्राणियों की सृष्टि से पहले ही प्रकृति ने घटक-द्रव्य युक्त वनस्पति जगत की सृष्टि कर दी थी, ताकि रोगग्रस्त होने पर उपचार के लिए मनुष्य उनका प्रयोग कर सके। भारत के प्राचीन वैद्य धन्वन्तरि और उनकी पीढ़ियों ने ऐसी अनेक वनस्पतियों की खोज की व उनके रोगियों पर प्रयोग किए। इन प्रयोगों के निष्कर्ष श्लोकों में दर्ज करने का उल्लेखनीय काम भी किया ताकि इस विरासत का लोप न हो। इन्हीं श्लोकों का संग्रह 'आयुर्वेद' है। एक लाख श्लोकों की इस संहिता को 'ब्रह्म-संहिता' भी कहा जाता है। इन संहिताओं में सौ-सौ श्लोक वाले एक हजार अध्याय हैं। बाद में इनका वर्गीकरण भी किया गया। इसका आधार अल्प-आयु तथा अल्प-बुद्धि को बनाया गया। वनस्पतियों के इस कोष और उपचार विधियों का संकलन 'अथर्ववेद' है। अथर्ववेद के इसी सारभूत संपूर्ण आयुर्वेद का ज्ञान धन्वन्तरि ने पहले दक्ष प्रजापति को दिया और फिर अश्विनी कुमारों को पारंगत किया। अश्विनी कुमारों ने ही वैद्यों के ज्ञान-वृद्धि की दृष्टि से 'अश्विनी कुमार संहिता' की रचना की। चरक ने ऋषि-मुनियों द्वारा रचित संहिताओं को परिमार्जित करके 'चरक-संहिता' की रचना की। यह आयुर्वेद का प्रामाणिक ग्रंथ माना जाता है। इसी कालखंड में सद्वैद्य वाग्भट्ट ने धन्वन्तरि से ज्ञान प्राप्त किया और 'अष्टांग हृदय संहिता' की रचना की। सुश्रुत संहिता तथा अष्टांग हृदय संहिता आयुर्वेद के प्रामाणिक ग्रंथों के रूप में आदि काल से आज तक हमारा मार्गदर्शन कर रहे हैं। इन शास्त्रों में केवल मनुष्य ही नहीं बल्कि पशुओं, पक्षियों और वृक्षों के उपचार की विधियां भी उल्लेखित हैं। भारत में चिकित्सा विज्ञान का इतिहास वैदिक काल में ही चरम पर पहुंच गया था, क्योंकि वनस्पतियों के औषधि रूप में उपयोग किए जाने का प्राचीनतम उल्लेख ऋग्वेद में उपलब्ध है। ऋग्वेद के पश्चात अथर्ववेद लिखा गया, जिसमें भेषजों की उपयोगिताओं के वर्णन हैं। भेषजों के सुनिश्चित गुणों और उपयोगों का उल्लेख कुछ अधिक विस्तार से आयुर्वेद में हुआ है। यही आयुर्वेद भारतीय चिकित्सा विज्ञान की आधारशिला है। इसे उपवेद भी माना गया है। इसके आठ अध्याय हैं, जिनमें आयुर्विज्ञान और चिकित्सा के विभिन्न पक्षों पर विचार किया गया है। आयुर्वेद की रचना के बाद पुराणों में सुश्रुत और चरक ऋषियों और उनके द्वारा रचित संहिताओं का उल्लेख है। चरक संहिता में रेचक, वामनकारक द्रव्यों और उनके गुणों का वर्णन है। चरक ने केवल एकल औषधियों को ही 45 वर्गों में विभाजित किया है। इसमें औषधियों की मात्रा और सेवन विधियों का भी तार्किक वर्णन है। इनका आज की प्रचलित चिकित्सा पद्धतियों से साम्य है। यहां तक कि कुछ विधियों में इंजेक्शन द्वारा शरीर में दवा पहुंचाने का भी उल्लेख है। यह वह समय था जब भारतीय चिकित्सा विज्ञान अपने उत्कर्ष पर था और भारतीय चिकित्सकों की भेषज तथा विष विज्ञान संबंधी प्रणालियां अन्य देशों की तुलना में उन्नत थीं। इतनी समृद्ध विरासत के बाद यहां संकट तब पैदा हुआ, जब तांत्रिकों, सिद्धों

और पाखंडियों ने इनमें कर्मकांड से जीवन की समृद्धि का घालमेल शुरू कर दिया। इसके तत्काल बाद एक और बड़ा संकट तब आया, जब भारत पर यूनानियों, शकों, हूणों और मुगलों के हमलों का सिलसिला निरंतर बना रहा। जो कुछ शेष था, उसे नेस्तनाबूद करने का काम अंग्रेजों ने किया। डॉ . धर्मपाल की पुस्तक 'इंडियन साइंस एंड टेक्नोलॉजी' में लिखा है कि 1731 में बंगाल में डॉ. ओलिवर काउल्ट नियुक्त थे। काउल्ट ने लिखा है कि 'भारत में रोगियों को टीका देने का चलन था। उन्होंने लिखा है कि टीका लगाने की विधि भारत आने के भी डेढ़ सौ साल पहले से प्रचलन में थी। यह काम ज्यादातर ब्राह्मण करते थे और साल के निश्चित महीनों में वे इसे अपना उत्तरदायित्व मानते हुए घर-घर जाकर रोगी ढूंढ़ते थे। लेकिन जब अंग्रेजों ने भारत में एलोपैथी चिकित्सा थोपने की शुरुआत की तो षड्यंत्रपूर्वक एक-एक कर सभी प्रणालियों को नष्ट करने का अभियान चला दिया था।

सू-दोकू नवताल -2090

2	9			5				4
4			2		7		8	
	1	6		8				3
8		5		9				7
3	6			2			1	9
1				3		5		2
5				7		6	3	
	3		1		8			5
9				6			2	1

सू-दोकू - 2089 का हल

7	8	1	6	9	4	2	5	3
2	6	4	5	3	6	1	7	9
5	3	9	1	2	7	4	6	8
9	5	8	7	4	1	3	2	6
1	2	3	9	5	6	7	8	4
4	7	6	3	8	2	9	1	5
3	9	7	2	6	5	8	4	1
6	4	2	8	1	9	5	3	7
8	1	5	4	7	3	6	9	2

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-2090

बायें से दायें:-

1. अभिषेक बच्चन, सुनील शेट्टी, ऐश्वर्या राय, शबाना की 'बहका दिया हमें' गीत वाली फिल्म-4,2
4. 'दोस्ती हो गई रे' गीत वाली सुनील शेट्टी, सुष्मिता सेन, नम्रता शिरोडकर की फिल्म-3
6. 'छोड़ो मुझे छोड़ो' गीत वाली फिल्म 'जानू' में जैकी श्रॉफ के साथ नायिका कौन थी-2
7. 'दिल खुश है आज उनसे' गीतवाली सुनील दत्त, मीना कुमारी अभिनीत फिल्म-3
9. 'तेरी दोस्ती में मिला है' गीत वाली फिल्म 'प्यार का साया' में राहुल राय के साथ नायिका-2
11. एम.एफ हुसैन की फिल्म 'गजगामिनी' में मुंशी प्रेमचंद की 'निर्मला' की भूमिका किसने की-3
13. राजेंद्र कुमार, बबीता की 'रिमझिम के गीत सावन गाए' गीत वाली फिल्म-4
14. 'रामजी की निकली सवारी' गीत वाली फिल्म-4
16. 'ए जिंदगी गले लगा ले' गीत वाली फिल्म-3
18. मिथुन चक्रवर्ती, आयशा जुल्का अभिनीत फिल्म-3
20. 'कभी शाम ढले तू मेरे दिल में' गीत वाली फिल्म-2
21. दिलीप कुमार, वैजयंतीमाला अभिनीत फिल्म-3
23. अनिल कपूर, माधुरी दीक्षित की 'एक बात मान लो तुम' गीतवाली फिल्म-2
27. 'फूल सा चेहरा चांद सी रंगत' गीत वाली प्रदीप कुमार, नर्गिस की फिल्म-2,2,2
28. देव आनंद, गिरीश कर्नाड, टीना मुनीम की 'आवाज सुरीली का जादू' गीत वाली फिल्म-5

ऊपर से नीचे:-

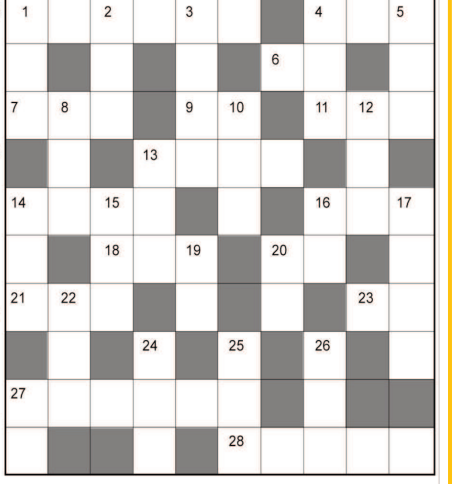

1. 'सच्चा प्यार तो झुक नहीं सकता' गीत वाली सतीश, सुभाष घई, अर्चना की फिल्म-3
2. जतिन ग्रेवाल, यश पाठक, नेहा की 'चलती है पुरवाई' गीत वाली फिल्म-3
3. फरदीन खान, सेलिना जेटली की फिल्म-4
4. 'काश तुम मुझसे एक बार' गीत वाली फिल्म-3
5. 'रंग चला बहार चली' गीत वाली राजेश खन्ना, ऋषिकपूर, पूनम ढिल्लो की फिल्म-3
8. अमिताभ, विनोद खन्ना, सायरा बानो की 'तुम भी चलो हम भी चलें' गीत वाली फिल्म-3
10. 'करोगे याद तो हर बात याद आएगी' गीत वाली फारूख शेख, नसीरुद्दीन शाह, स्मिता पाटिल की फिल्म-3
12. अक्षय कुमार, रवीना टण्डन की फिल्म-3
13. फिल्म 'पुष्पक' में कमल हासन की नायिका-3
14. प्रदीप कुमार, कल्पना की 'जिस दिल में बसा था प्यार तेरा' गीत वाली फिल्म-3
15. 'उड़ जा काले कावां' गीत वाली फिल्म-3
16. नसीरुद्दीन, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की 'ये उजली चांदनी जब' गीत वाली फिल्म-2
17. शशि कपूर, शर्मिला टैगोर की फिल्म-2,2
19. 'आइए, आ जाइए, आ ही जाइए' गीतवाली फिल्म-2
20. 'मेरा सेहरा तू है सनम' गीत वाली फिल्म-2
22. सनी देओल, मीनाक्षी शेशाद्रि की 'मैं ने कहा तुम ने सुना' गीत वाली फिल्म-3
24. 'चढ़ती जवानी मेरी चाल मस्तानी' गीत वाली फिल्म-3
25. फिल्म 'अजूबा' में 'शहजादी हिना' की भूमिका किसने की थी-3
26. 'तू लाली है सवेरे वाली' गीत वाली विनोद मेहरा, सायरा बानो की फिल्म-3
27. फिल्म 'शर्मिली में शशि कपूर के साथ नायिका कौन थी-2

फिल्म वर्ग पहेली- 2089

अ	नी	ता		डो	र		बे	ना	म
नु		श	का		वी	र	ता		म
म	र्द		श	बा	ना		ब	बी	ता
लि		ता		जी		सु		ना	
क	भी	क	भी		सु	हा	ग	श	त
	गी	त		चि	श	ग		य	
गो	श		दी		ग		चि		ह
	त	क	दी	र		इं	त	का	म
ज		री		त	ब्बू		चो		श
या	श	ना		न		अ	र	बा	ज

ट्यूशन से पढ़ाई में अव्वल आ सकते हैं बच्चे

कई पेरेंट्स को लगता है कि बच्चे को ट्यूशन की जरूरत नहीं है और इस चक्कर में स्कूल में बच्चे का परफॉर्मेंस खराब होता चला जाता है।

अब पढ़ाई पहले से ज्यादा मुश्किल हो गई है और बड़ी क्लास में जाने पर बच्चों की परेशानियां भी बढ़ रही हैं। काम के बोझ, असाइनमेंट और बड़े सिलेबस की वजह से बच्चों पर बोझ बढ़ रहा है। पेरेंट्स भले ही बच्चों की पढ़ाई में मदद करते हों लेकिन कई सवाल ऐसे आ जाते हैं, जहां उन्हें एक्सपर्ट की सलाह की जरूरत होती है। यहां काम आता है होम ट्यूशन। ट्यूशन से बच्चों को अपने सवालों के जवाब मिलते हैं और वो नए लर्निंग स्किल्स सीखते हैं। अगर आपके बच्चे में ये 5 संकेत दिख रहे हैं, तो समझ लें कि उसे ट्यूशन की जरूरत है।

परफॉर्मेंस में गिरावट

अगर बच्चे की परफॉर्मेंस खराब हो रही है तो इसका मतलब है कि बच्चे को पढ़ाई में बहुत मेहनत करनी पड़ रही है। वहीं अगर बच्चा पहले अच्छा परफॉर्म करता था लेकिन अब कुछ ठीक नहीं चल रहा है, तो यह वाकई में चिंता की बात है। बच्चे से बात करें कि उसे पढ़ाई में क्या परेशानी आ रही है और उसे ट्यूशन की जरूरत है या नहीं।

आत्मविश्वास में कमी

अगर बच्चे को स्कूल में काम खत्म करने में दिक्कत आ रही है तो इसका उनके कॉन्फिडेंस पर असर पड़ेगा। उन्हें अपना होमवर्क खत्म करने की टेंशन होगी और स्कूल न जाने का मन करेगा और परीक्षा में भी परफॉर्मेंस खराब हो जाएगी। ऐसा संकेत मिलने पर आपको अपने बच्चे के लिए ट्यूशन रख लेना चाहिए। इससे उसका कॉन्फिडेंस बढ़ेगा।

टाइम को मैनेज न करना

टाइम को मैनेज करने में दिक्कत आना या किसी एक सबजेक्ट को याद करने में परेशानी आना भी इस बात का संकेत है कि बच्चे को मदद की जरूरत है। हो सकता है कि बच्चा बाकी सभी सबजेक्ट में अच्छा हो लेकिन गणित और साइंस में उसे परेशानी आती हो। ऐसे में सिर्फ स्कूल जाकर उसकी परेशानी का हल नहीं निकल सकता है। उसे घर पर भी इन विषयों की एक्स्ट्रा क्लास की जरूरत होगी।

होमवर्क करने में दिक्कत आना

अगर बच्चा होमवर्क करने में बहाने बनाता है या स्कूल से मिले काम को छिपा रहा है, तो आप समझ लें कि उसे मदद की जरूरत है। बच्चे अक्सर ऐसा तब करते हैं जब उन्हें कोई टॉपिक समझ न आ रहा हो या काम खत्म करने में दिक्कत हो रही हो। प्राइवेट ट्यूटर बच्चे को उसका काम खत्म करने और टॉपिक को समझने में मदद कर सकते हैं।

खुद के पास नहीं है समय

आप चाहते हैं कि आपका बच्चा पढ़ाई में अच्छा करे तो आपको भी इसके लिए मेहनत करनी होगी। स्कूल की पढ़ाई पर आप ज्यादा भरोसा नहीं कर सकते हैं। अगर आप बच्चे पर ध्यान नहीं दे सकते हैं या उसकी पढ़ाई में मदद नहीं कर सकते हैं तो उसके लिए होम ट्यूशन रख लें। कई लोग सोचते हैं कि ट्यूशन कमजोर बच्चे लेते हैं लेकिन ऐसा नहीं है। ट्यूशन से बच्चों को पढ़ाई में काफी मदद मिल जाती है और उनका परफॉर्मेंस भी बेहतर होता है।

बच्चों के लिए बनाएं

हैल्दी-टेस्टी मैक्सिकन सैंडविच

सेहतमंद रहने के लिए डाइट का हैल्दी होना बेहद जरूरी है। मगर बात बच्चों की करें तो वे खाने-पीने में थोड़ी मूडी होते हैं। ऐसे में आप उन्हें खास मैक्सिकन सैंडविच बनाकर खिला सकती है। सब्जियों व पनीर से तैयार यह सैंडविच खाने में टेस्टी होने के साथ सेहत के लिए फायदेमंद होता है। जानते हैं इसे बनाने की रेसिपी...

सामग्री

ब्रेड- 4 स्लाइस
बटर- 4 चम्मच
बेक बीन्स- 1/2 बाउल
टमाटर- 1 (कटा हुआ)
प्याज- 1/4 बाउल (कटे हुए)
ग्रेटिड पनीर- 2 बड़े चम्मच
स्प्रिंग ऑनियन- 1 बड़ा चम्मच (कटा हुआ)
नमक-स्वाद अनुसार
रेड चिली सॉस- 1 छोटा चम्मच
टोमैटो सॉस- 1 बड़ा चम्मच
सालसा सॉस- 2 बड़े चम्मच

विधि

- सबसे पहले ब्रेड को ट्राएंगल शेप में काटकर बटर लगाएं।
- एक बाउल में सभी सब्जियां व सॉस मिलाएं।
- तैयार स्टफिंग को ब्रेड पर लगाकर दूसरे ब्रेड स्लाइस से ढक दें।
- अब ब्रेड पर दोनों तरफ बटर लगाकर तवे पर शैलो फाई करें।
- आप चाहें तो इसे बेक कर सकती है।
- तैयार मैक्सिकन सैंडविच को सालसा व टोमैटो सॉस के साथ सर्व करें।

नाश्ते में बनाएं इंदौरी पोहा

नाश्ते में खासतौर पर लोग पोहा खाना पसंद करते हैं। वहीं लोग इसमें अलग-अलग सब्जियां डालकर खिलाते हैं। मगर आज हम आपके लिए खास इंदौरी पोहा की रेसिपी लेकर आते हैं। यह चिड़वा, सब्जी, भुजिया और मूंगफली से तैयार किया जाता है। इसे बनाने का तरीका...

सामग्री

पोहा-2 कप
हरी मिर्च- 2 (बारीक कटी)
सौंफ- 1 छोटा चम्मच
राई- 1/2 छोटा चम्मच
हल्दी पाउडर- 1/4 छोटा चम्मच
शक्कर- 2-3 बड़े चम्मच
नमक- स्वाद अनुसार
हरा धनिया- 1 बड़ा चम्मच (बारीक कटा)
प्याज- 1/2 कप (बारीक कटा)
चटपटी इंदौरी सेव- जरूरत अनुसार
तेल- 2 बड़े चम्मच
मसाला बूंदी- जरूरत अनुसार
जीरावन मसाला- जरूरत अनुसार
नींबू- 1 बड़ा चम्मच

विधि

- सबसे पहले पोहा धोएं और इसका पानी निकाल कर अलग रखें।
- अब इसमें हल्दी, नमक और शक्कर मिलाएं।
- पैन में तेल गर्म करके राई का तड़का लगाएं।
- इसमें हरी मिर्च, सौंफ पकाएं।
- इसमें पोहा मिलाकर धीमी आंच पर पकाएं।
- अब एक पतीले में पानी उबालें।
- उस पानी में पोहा का पैन रखकर इसे भाप में पकाएं।
- पोहा पकने पर इसे प्लेट में निकालें।
- इसे सेंव, प्याज, जीरावन मसाला, बूंदी और नींबू से गार्निश करके सर्व करें।

अपने बच्चे को सिखाएं मनी मैनेज करना

बच्चे जब बड़े होने लगते हैं तो उन्हें वित्तीय शिक्षा देना आवश्यक हो जाता है। वे आपका अनुकरण करके भी सीख जाएंगे, पर समय-समय पर उन्हें छोटी-छोटी बातें बताकर आप उन्हें अपने जिम्मेदार बनाने में मदद कर सकते हैं। अपने बच्चों से आप कीमतों और उत्पादों की तुलना पर चर्चा करें। उन्हें भी किराने की दुकान पर अपने साथ ले जाएं, फिर धीरे-धीरे छोटे-मोटे सामान लाने के लिए उन्हें अकेले भेजें। इससे उनमें बाजार और पैसे की समझ पैदा होगी। बच्चे जितनी जल्दी पैसों का प्रबंधन सीख जाएं, उतना अच्छा है। इस तरह वे जीवन का एक महत्वपूर्ण सबक सीखेंगे। जब वे वयस्क हो जाएंगे तो अपने आप स्मार्ट वित्तीय विकल्प बनाने लग जाएंगे। बचपन से ही उन्हें पैसे के प्रबंधन के लिए इन 3 तरीकों को जानना बेहद जरूरी है-

सहेजना/ बचत करना

इस तरीके को आसानी से समझाने के लिए आप अपने बच्चे को गुल्लक लाकर दीजिए। जब भी बच्चे को उपहार के रूप में पैसे मिलें तो उसे वे गुल्लक में डालने के लिए कहें, फिर उसे पैसे गिनने के लिए कहें और ये समझाएं कि पैसे जमा हो रहे हैं और बढ़ रहे हैं। ऐसा करने के लिए अपने बच्चे को प्रोत्साहित करें।

खर्च करना

अपने बच्चे को बुद्धिमानी से खर्च करना सिखाएं। जब वे एक नए पेंसिल बॉक्स पर खर्च करना चाहें तो उनसे पूछें कि क्या वे वास्तव में इसे खरीदना चाहते हैं? उनके लिए यह समझना बहुत जरूरी है कि उनके लिए क्या जरूरी है और क्या नहीं। इससे बच्चा अपनी असली जरूरतों को समझेगा और फिजूलखर्ची नहीं करेगा।

दान

उन्हें साझा करना सिखाएं। उसे सिखाएं कि उदारता से बड़ा कोई पुण्य नहीं है। इसी के साथ उन्हें पैसे की कद्र करना सिखाएं, पैसे की बचत करना सिखाएं, फिजूलखर्ची होने पर उन्हें चेताएं और सबसे जरूरी यह है कि आप खुद उनके लिए एक आदर्श उदाहरण बनें। बच्चे आपका अनुकरण अवश्य करेंगे।

ड्रैसिंग रूम को दें अलग अंदाज

अपने आशियाने को करीने से सजाना प्रत्येक महिला की चाहत होती है। ड्रैसिंग रूम में ज्यादा स्थान के कुछ ईजी टिप्स, रोशनी लगाने का एक अलग अंदाज और सोफे में ही टेबल के एक लेटेस्ट डिजाइन के बारे में जानना भी जरूरी है। तो आइए जानें ड्रैसिंग रूम में ज्यादा स्पेस कैसे बनाएं

- आप जिन चीजों को रख रही हैं उनकी लेबलिंग करें। बास्केट पर लिख दें कि यह किस चीज के लिए है।
- तौलिए, कपड़ों को टांगने वाले हुक कुछ ऐसे हों कि आसानी से दीवार में टांगे जा सकें और सही तरह से उनमें ज्यादा सामान आ सके।
- दरवाजे के ऊपर पोर्शन रखें, बशर्ते आपके ड्रैसिंग रूम की छत ऊंची हो। इसके ऊपर का स्थान सबसे अहम है क्योंकि उसे आप स्टोरेज के लिए इस्तेमाल कर सकती हैं।
- कॉर्ड कंट्रोल या वायर को घुमा कर रखने से ड्रायर, इलैक्ट्रिक शेवर्स और प्रैस रख सकती हैं।
- ड्रेसिंग टेबल के करीब अपने सभी छोटे मोटे सामान रखें। जिसकी आपको रोजाना जरूरत पड़ती है। सामान को धूल से बचाने के लिए सुंदर शोपीस का इस्तेमाल करें जिसमें अपनी पसंदीदा चीजें प्रदर्शित कर सकती हैं।
- गद्देदार कोट हैंगर पर नाजुक कपड़ों को लटकाएं। इससे वो लंबे समय तक खराब नहीं होंगे।
- कभी आपको अचानक यात्रा के लिए जाना पड़ जाए तो इसके लिए एक वानिटी - कैस हमेशा तैयार रखें।
- अच्छी तरह से संगठित अलमारी आपके कपड़ों को टिप टॉप हालत में रखती है।
- सुंदर लटके हुए कपास भंडारण बैग में अपने पसंदीदा अधोवस्त्र स्टोर किए जा सकते हैं।

स्किन को ग्लोइंग रखते हैं करेले से बनें ये तीन फेस पैक

करेला जितना स्वाद में कड़वा लगता है यह सेहत के लिए उतना ही फायदेमंद होता है केवल खाने में नहीं बल्कि इसे लगाने से भी स्किन से संबंधित कई समस्याएं दूर होती है। बता दें कि करेला यह स्किन पर होने वाले पिंपल्स और एक्ने से हमें बचाता है और चेहरे पर नेचुरल ग्लो लेकर आता है। इसके अलावा करेले को सुपरफूड भी कहा जाता है। आईए जानते हैं करेला हमारी स्किन कैसे फायदेमंद है।

करेले के गुण

करेले में विटामिन-सी, आयरन, बीटा-केराटिन, पोटेशियम, कैल्शियम जैसे कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं जो स्किन पर मौजूद बैक्टीरिया और कीटाणुओं हटाकर स्किन को ग्लोइंग लुक देते हैं। इसमें एंटीऑक्सीडेंट गुण पाएं जाते हैं जो एजिंग की प्रक्रिया को स्लो करने में मदद करता है। इसी के साथ आज हम आपको करेले के कुछ फेस पैक्स बताएंगे जो आप आसानी से घर पर बना सकते हैं। आईए जानते हैं करेले से बने फैस पैक के बारे में

खीरे से ऐसे बनाएं करेला फेस पैक

डल स्किन को रिमूव करने के लिए खीरे और करेले का फेस पैक बहुत ही बढ़िया है। खीरे में मौजूद पानी स्किन को साफ करने में मदद करता है। वहीं इस फेस पैक को बनाने के लिए सबसे पहले आप करेले और खीरे के कुछ टुकड़े लें और उसे मिक्सर में पीस लें। इस पेस्ट को चेहरे और गर्दन पर लगाकर 15 मिनट के लिए छोड़ दें, बाद में चेहरा ठंडे पानी से धो लें। इस फेस पैक को लगाने से आपकी डल स्किन रिमूव होगी और चेहरा ग्लो करेगा।

अंडे-दही से बनाएं करेला फेस पैक

अंडा और दही स्किन को हाइड्रेट करने में बहुत ही मददगार है। दही में मौजूद लैक्टिक एसिड स्किन पोर्स को टाइट करता है और चेहरे की झुर्रियां कम होती है। इस फेस पैक को बनाने के लिए सबसे पहले आप करेले का रस लें और दही और अंडे में अच्छे से मिक्स कर लें। इसके बाद इसे चेहरे और गर्दन पर लगाएं और 25 मिनट के लिए छोड़ दें, बाद में इसे गर्म पानी से धो लें। इससे आपकी स्कीन टाइट और ग्लोइंग लगेगी।

नीम हल्दी से बनाएं करेला फेस पैक

नीम में एंटीऑक्सीडेंट गुण भरपूर पाएं जाते हैं जो स्किन को पिंपल्स और एक्ने से बचाने में मदद करता है। वहीं इसमें मौजूद हल्दी स्किन पर निखार लाने का काम करती है। इस फेस पैक को बनाने के लिए सबसे पहले आप ब्लेंडर में करेले, नीम और हल्दी को डाले और एक पेस्ट तैयार कर लें, इसके बाद में इसे चेहरे पर लगाएं और 10 मिनट के छोड़ दें, बाद में गुनगुने पानी से इसे धो लें। कुछ ही दिनों में आपको पिंपल्स और एक्ने की समस्या दूर हो जाएगी।

फर्नीचर पर लगी सनमाइका को चमकाने में काम आएंगे ये टिप्स

सनमाइका लगा फर्नीचर देखने में सुंदर होने से घर की खूबसूरती पर चार-चांद लगते हैं। मगर इसे बेदाग और चमकदार बनाएं रखने के लिए खास रख-रखाव की जरूरत होती है।

लोग घरों पर सनमाइका लगा फर्नीचर रखना पसंद करते हैं। यह देखने में सुंदर होने से घर की खूबसूरती पर चार-चांद लगते हैं। मगर इसे बेदाग और चमकदार बनाएं रखने के लिए खास रख-रखाव की जरूरत होती है। नहीं तो दाग लगा फर्नीचर गंदा लगता है। इसके साथ लंबे समय तक इसकी सफाई करने पर इसके जिद्दी दाग छुड़वाने में भी परेशानी हो सकती है। ऐसे में आज हम आपको कुछ खास व आसान से टिप्स बताते हैं। इसकी मदद से आप अपने फर्नीचर की सनमाइका चमकदार रख सकती है। चलिए जानते हैं इन उपायों के बारे में...

सोडा और डिश वॉश

आप सनमाइका की चमक बरकरार रखने के लिए सोडा और डिश वॉश को इस्तेमाल कर सकती है। इसके लिए एक गिलास पानी में 1-1 बड़ा चम्मच सोडा और डिश वॉश मिलाएं। इस मिश्रण को स्प्रे बोतल में भरकर अच्छे से मिलाएं। इसके बाद अपने फर्नीचर पर मिश्रण को स्प्रे करें। बाद में सूखे और कॉटन के कपड़े से सनमाइका को हल्के से साफ करें। इससे आपका फर्नीचर एक साफ होकर नए जैसा चमकने लगेगा।

व्हाइट विनेगर और पानी

इसके लिए 1 गिलास सफेद सिरका और पानी बराबर मात्रा में मिलाएं। तैयार मिश्रण को स्प्रे बोतल में भरें। फिर इसे सनमाइका पर छिड़कें। इसके बाद सूखे व कॉटन के कपड़े लेकर हल्के हाथों से इसे साफ करें। इससे आपके सनमाइका पर लगी धूल-मिट्टी व दाग-धब्बे साफ हो जाएंगे। ऐसे में आपका फर्नीचर एकदम नए जैसा चमकता हुआ नजर आएगा।

क्लीनिंग सॉल्यूशन

आप ड्रेसिंग टेबल, सेंटर टेबल और खिड़की के शीशों आदि को साफ करने के लिए किसी भी क्लीनिंग सॉल्यूशन को यूज कर सकती है। आप बाजार से किसी भी अच्छे ब्रांड का क्लीनिंग सॉल्यूशन खरीद सकती है। इसके बाद इसे फर्नीचर पर स्प्रे करें और सूखे कपड़े से साफ करें। इससे फर्नीचर पर लगे दाग-धब्बे मिनटों में दूर हो जाएंगे और आपका सनमाइका भी शीशे के जैसे चमकता नजर आएगा।

अगर स्प्रे बोतल ना हो तो...

अगर आपके पास स्प्रे बोतल नहीं है तो इसकी जगह पर आप किसी भी मिश्रण बाउल में लें। फिर कॉटन के कपड़े को हल्का सा मिश्रण डुबोकर फर्नीचर को साफ करें। बाद में सूखे कपड़े से इसे साफ कर लें। आपका फर्नीचर चमक उठेगा।

चाय के साथ बनाएं चटपटे आलू ब्रेड रोल

मानसून में चाय के साथ अक्सर लोग कुछ चटपटा खाना पसंद करते हैं। ऐसे में आप आलू से चटपटे ब्रेड रोल बना सकती है। यह टेस्टी होने के साथ बनाने में भी आसान है। चलिए जानते हैं चटपटे आलू ब्रेड रोल बनाने का तरीका...

सामग्री

ब्रेड- 11
आलू- 6 (उबले और मैश्ड)
हरा धनिया- 2 बड़े चम्मच (बारीक कटा)
धनिया पाउडर- 1 छोटा चम्मच
अमचूर पाउडर- 1/4 छोटा चम्मच
लाल मिर्च पाउडर- 1/4 छोटा चम्मच
गरम मसाला- 1/4 छोटा चम्मच
नमक- स्वाद अनुसार
तेल- तलने के लिए

विधि

- पैन में तेल गर्म करके आलू व सभी मसाले डालकर भून लें।
- मिश्रण को हल्का ठंडा करके छोटे-छोटे बॉल्स बना लें।
- अब ब्रेड को किनारों से काटकर पानी में डुबोकर तुरंत निकाल लें।
- इसे हथेली से दबाकर ब्रेड से एक्सट्रा पानी निकाल लें।
- अब इसमें आलू की एक बॉल रखकर रोल बना लें।
- इसी तरह बाकी के ब्रेड रोल बनाएं।
- अलग पैन में तेल गर्म करके ब्रेड रोल सुनहरा बुरा होने तक तल लें।
- इसे प्लेट में रखकर नैपकिन से एक्सट्रा तेल निकाल लें।
- अब टोमैटो सॉस या धनिया की चटनी से इसे सर्व करें।

मार्च तिमाही में एक से 1।5 करोड़ के अपार्टमेंट की बिक्री 3450 से बढ़कर 6187 यूनिट पहुंची

एक करोड़ कीमत के मकानों की बिक्री में 83 फीसदी की आई तेजी: रिपोर्ट

नई दिल्ली ।

लगातार बढ़ती महंगाई के बावजूद लोगों में बड़ा घर खरीदने का क ज बढ़ रहा है। इसमें कोविड-19 महामारी की भी अहम भूमिका है। महामारी के बाद लोग पहले के मुकाबले बड़ा और उन जगहों पर घर खरीदना चाहते हैं तो जहां ज्यादा भीड़-भाड़ और प्रदूषण न हो। हाल ही में आई एक रिपोर्ट में कहा गया है कि देश के सात प्रमुख शहरों में महंगे मकानों की बिक्री में तेजी से इजाफा हुआ है। एक करोड़ रुपए से ज्यादा कीमत वाले मकानों की बिक्री में सालाना आधार पर 83 फीसदी की तेजी आई है। इस दौरान मकानों की कीमतों में भी तेजी से बढ़ोतरी दर्ज की गई है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि इस साल जनवरी-मार्च के दौरान देश के सात प्रमुख शहरों दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, बेंगलुरु, चेन्नई, पुणे, हैदराबाद और कोलकाता में एक करोड़ रुपए और ज्यादा कीमत के मकानों की बिक्री 83 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 10988 यूनिट पहुंच गई। इससे एक साल पहले की समान अवधि में यह आंकड़ा 5994 यूनिट रहा था। रिपोर्ट में कहा गया है कि इन शहरों के तिमाही बिक्री के आंकड़े सिर्फ अपार्टमेंट के हैं। एक से 1।5 करोड़ रुपए की कीमत वाले अपार्टमेंट की बिक्री इस साल मार्च तिमाही में 3450 से बढ़कर 6187 यूनिट के स्तर पर पहुंच गई। 1।5 करोड़ रुपए से ज्यादा की कीमत वाले अपार्टमेंट की बिक्री 2544 यूनिट से बढ़कर 4801 यूनिट के स्तर पहुंच गई। रिपोर्ट के मुताबिक बेंगलुरु में अपार्टमेंट की बिक्री 5216 यूनिट से बढ़कर 12202 यूनिट पहुंच गई। मुंबई में 11648 अपार्टमेंट बिके, जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह आंकड़ा 5779 यूनिट था।

पुणे में बिक्री 3680 से बढ़कर 8098 यूनिट पहुंच गई, जबकि दिल्ली-एनसीआर बिक्री 5448 से बढ़कर 8633 यूनिट रही। हैदराबाद में यह आंकड़ा 3709 से बढ़कर 4012 पहुंच गया, जबकि चेन्नई में मांग 3200 से बढ़कर 3450 यूनिट पहुंच गई। कोलकाता में इस दौरान कुल 3806 अपार्टमेंट बिके, जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह आंकड़ा 1320 यूनिट था।

यूक्रेन की अर्थव्यवस्था में इस साल आ सकती है 45 प्रतिशत गिरावट: बर्ल्ड बैंक

वाशिंगटन ।

यूक्रेन-रूस युद्ध की वजह से यूक्रेन की अर्थव्यवस्था में इस साल अनुमानित रूप से 45.1 प्रतिशत की गिरावट आने की उम्मीद है। यह बात वर्ल्ड बैंक के हाल ही में कही गई है। वर्ल्ड बैंक का कहना है कि यूक्रेन के खिलाफ युद्ध और रूस पर प्रतिबंध दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं को प्रभावित कर रहे हैं। यूरोप और मध्य एशिया क्षेत्र में उभरते बाजार और विकासशील देशों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। वर्ल्ड रूस के हमले ने यूक्रेन में व्यवसायों को बंद होने, निर्यात को घटाने और उत्पादक क्षमता को नष्ट करने के लिए मजबूर किया है। वर्ल्ड बैंक के मुताबिक, अमेरिका और उसके पश्चिमी सहयोगियों द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों से प्रभावित, रूस की अर्थव्यवस्था पहले ही एक गहरी मंदी की चपेट में आ गई है। 2022 में इसके उत्पादन में 11.2 प्रतिशत की कमी आने का अनुमान है। वर्ल्ड बैंक के पूर्वी यूरोप क्षेत्र, जिसमें यूक्रेन, बेलारूस और मोल्दोवा शामिल हैं, इस साल युद्ध के झटके और व्यापार में व्यवधान के कारण जीडीपी में 30.7 प्रतिशत की गिरावट देख सकते हैं। यूरोप और मध्य एशिया क्षेत्र की अर्थव्यवस्था इस साल 4.1 प्रतिशत गिरने का अनुमान है। युद्ध के पूर्व इसमें 3 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान था। यूरोप और मध्य एशिया के लिए वर्ल्ड बैंक के एक अर्थशास्त्री ने कहा` कि यूक्रेन युद्ध और महामारी ने एक बार फिर दिखाया है कि संकट व्यापक आर्थिक क्षति का कारण बन सकते हैं और प्रति व्यक्ति आय और विकास लाभ के वर्षों को पीछे छोड़ सकते हैं। वर्ल्ड बैंक की ओर से कहा गया कि युद्ध ने एक तेज वैश्विक मंदी, बढ़ती मुद्रास्फीति व कर्ज, और गरीबी के स्तर में वृद्धि की बढ़ती उभरती और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के सामने भी कड़ी चुनौती पैदा कर रहा है।

दुनिया में छठे पायदान पर रही एयरलाइंस कंपनी इंडिगो

नई दिल्ली ।

एयरलाइन कंपनी इंडिगो दुनिया में तेजी से बढ़ने वाली कंपनी बन गई है। जानकारी के मुतो बिक यो त्रियों की संख्या के लिहाज से इंडिगो मार्च में दुनिया में छठे पायदान पर रही। इंडिगो सस्ती ` विमानन कंपनी है जो यह कम कीमत पर हवाई सफर का मौका देती है। इंग्लैंड मुख्यालय वाली ओएजी के मुताबिक इंडिगो की फ्लाइट्स से मार्च में 2 लाख लोगों ने सफर किया। यह एशिया में सबसे ज्यादा है। ये आंकड़े 28 मार्च तक के हैं। सीट कैपेसिटी के लिहाज से मार्च में यह दुनिया की प्रमुख 10 एयरलाइंस में भी शामिल रही। ओएजी मंथली डेटा के आधार पर दुनिया की सबसे बड़ी 20 एयरलाइंस की सूची जारी करती है। इस लिस्ट में शामिल होने वाली इंडिगो भारत की इकलौती कंपनी है। घरेलू एविएशन मार्केट में भी इंडिगो नंबर-1 पायदान पर है। इसकी बाजार हिस्सेदारी सबसे ज्यादा है। प्राइवेट एयरलाइंस जेट एयरवेज के बंद होने से इंडिगो को काफी फायदा मिला था। इंडिगो ने अगस्त 2006 में उड़ानें शुरू की थीं। शुरुआत में इसके पास सिर्फ एक जहाज था। वर्तमान में इसके बेड़े में 276 एयरक्राफ्ट्स हैं। जनवरी 2022 के डेटा के अनुसार घरेलू एविएशन मार्केट में इसकी बाजार हिस्सेदारी 55।5 फीसदी है। यह 97 डेस्टिनेशन के लिए हवाई सेवाएं देतीं हैं। इनमें 73 डोमेस्टिक और 24 इंटरनेशनल डेस्टिनेशंस शामिल हैं। इंडिगो के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा ` कि यह भारत के लिए भी गौरव की बात है। यह इस बात का भी संकेत है कि देश कोरोना महामारी से तेजी से उबर रहा है। उन्होंने कहा कि दुनियाभर में हवाई सेवाएं दोबारा बहाल होने के बाद इंडिगो ज्यादा रूट पर सेवाएं देने और सेवाओं की फ्रीक्वेंसी बढ़ने की उम्मीद कर रही है। इस कंपनी ने अपनी बंद कई फ्लाइट्स अप्रैल में दोबारा शुरू करने का ऐलान किया है।

सोने के दाम में उछाल, चांदी की कीमत भी बढ़ी

नई दिल्ली ।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोमवार को सोने-चांदी में बढ़त का रुख देखा जा रहा है. सोने-चांदी में तेजी निचले स्तरों पर खरीदारी बढ़ने से देखी जा रही है। एमसीएक्स सोना जून वायदा 56 रुपए की तेजी के साथ 52,180 रुपए पर कारोबार देखा गया। वहीं एमसीएक्स चांदी मई वायदा 94 रुपए की तेजी के साथ 67,146 रुपए प्रति किलो पर कारोबार कर रही थी। बीते हफ्ते शुक्रवार को सोना जून वायदा 52,071 रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी मई वायदा 66,992 रुपए प्रति किलो था। वै श्विक बाजार में सोमवार को सोने की कीमतों में गिरावट आई, क्योंकि अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा आक्रामक ब्याज दरों में बढ़ोतरी की संभावनाओं पर डॉलर और ट्रेजरी की पैदावार में मजबूती आई, जबकि पूर्वी यूक्रेन में रूस के हमलों पर ताजा चिंताओं ने सुरक्षित-हेवन

धातु के लिए कुछ समर्थन दिया। नवीनतम धातु रिपोर्ट के अनुसार हाजिर सोना 0.2 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,942.93 डॉलर प्रति औंस पर था, जो पहले दिन में एक सप्ताह के उच्च स्तर 1,949.32 डॉलर पर पहुंच गया था। इस बीच अमेरिकी सोना वायदा 0.2 प्रतिशत बढ़कर 1,949.00 डॉलर पर था। देश के प्रमुख शहरों में सोने-चांदी के भाव निम्न प्रकार हैं- नई दिल्ली में 22 कैरेट सोना 48,600 रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी की कीमतें 67,100 रुपए प्रति किलो हैं। मुंबई में 22 कैरेट सोने की कीमत 48,600 रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी के भाव 67,100 रुपए प्रति किलो हैं। कोलकाता में 22 कैरेट सोने की कीमत 48,600 रुपए प्रति किलो और चांदी के भाव 67,100 रुपए प्रति किलो पर हैं। वहीं चेन्नई में 49,190 रुपए प्रति 10 ग्राम पर हैं, जबकि चांदी के भाव 71,500 रुपए प्रति किलो पर हैं।

संक्षिप्त समाचार

गोल्ड प्लस ग्लास ने आईपीओ के लिए किया आवेदन

नई दिल्ली । गोल्ड प्लस ग्लास इंडस्ट्री लिमिटेड ने प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के जरिए पूंजी जुटाने के लिए बाजार नियामक सेबी के पास आवेदन किया है। मसौदा रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) के अनुसार आईपीओ के तहत 300 करोड़ रुपए तक के इक्विटी शेयरों का ताजा निर्गम और प्रवर्तकों तथा मौजूदा शेयरधारक द्वारा 12,826,224 इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल है। ओएफएस के तहत प्रवर्तक सुरेश त्यागी और जिमी त्यागी में प्रत्येक 1,019,995 इक्विटी शेयरों को बेचेंगे, जबकि निवेशक पीआई अपॉर्चुनिटीज फंड- ढ्ढ द्वारा 10,786,234 इक्विटी शेयरों की पेशकश की जाएगी। कंपनी आईपीओ से मिली राशि का इस्तेमाल कर्ज चुकाने, कार्यशील पूंजी संबंधी जरूरतों और सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्य के लिए करेगी।

मारुति सुजुकी ने शुरू की नई एक्सएल-6 की बुकिंग

नई दिल्ली । मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने सोमवार से नेक्सा रिटेल चैनल के जरिए एक्सएल6 के नए संस्करण की बुकिंग शुरू कर दी है। कंपनी ने कहा कि यह बहुउद्देश्यीय मॉडल अगली पीढ़ी के इंजन, उन्नत ट्रांसमिशन, बेहतर सुविधाओं और बोल्ड स्टाइल के साथ आता है। एमएसआई के वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक (विपणन और बिक्री) शशांक श्रीवास्तव ने कहा कि एक्सएल6 की विशेषताओं में एक मजबूत एसयूवी डिजाइन और एक विशाल छह सीटों वाली एमपीवी सुविधा शामिल है। यह छह सीटों वाला मॉडल देश भर के सभी 410 नेक्सा शोरूम में उपलब्ध होगा।

रियल्टी फर्म शोभा की बिक्री बुकिंग 23 फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली । बेंगलुरु स्थित रियल्टी फर्म शोभा की वित्त वर्ष 2021-22 में बिक्री बुकिंग 23 फीसदी बढ़कर 3,870.2 करोड़ रुपए के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। कंपनी ने कहा कि हाल ही में समाप्त वित्त वर्ष में उसकी बिक्री बुकिंग 3,807.2 करोड़ रुपए रही जबकि वर्ष 2020-21 में यह 3,137.2 करोड़ रुपए रही थी। इस दौरान प्रति वर्ग फुट इलाके की कीमत बढ़कर 7,883 रुपए हो गई। कंपनी ने कहा कि बिक्री मूल्य एवं संख्या के हिसाब से वित्त वर्ष 2021-22 उसके लिए अब तक का सबसे अच्छा साल साबित हुआ है। उसने कहा कि ओमीक्रोन लहर की वजह से पैदा हुए गतिरोध के बावजूद उसकी बिक्री में यह वृद्धि आवासीय ऋणों पर ब्याज दरें कम होने से मांग बढ़ने के कारण हुई है।

क्रिप्टो बाजार में भारी गिरावट

नई दिल्ली । क्रिप्टो बाजार में सोमवार को भारी गिरावट देखने को मिली। ज्यादातर क्रिप्टोकरेंसियों के दाम में गिरावट देखने को मिल रही हैं। इसमें दुनिया की सबसे लोकप्रिय बिटक्वाइन और इथेरियम से लेकर शीबा इनु और लाइटक्वाइन तक सभी की कीमत घटी है। दुनिया की सबसे लोकप्रिय क्रिप्टोकरेंसी बिटक्वाइन के दाम में गिरावट आई है और इसका दाम 27,459 रुपए कम होकर 33,88,079 रुपए पर आ गया है। इस कीमत पर इसका बाजार पूंजीकरण भी टूटकर 61.5 खरब रुपउ पर आ गया है। क्रिप्टोकरेंसी इथेरियम के दाम में भी गिरावट देखने को मिली है और इसकी कीमत 1.94 फीसदी या 5,035 रुपए की कमी के साथ 2,55,116 रुपए पर आ गई है। इस डिजिटल करेंसी का बाजार पूंजीकरण भी गिरकर 29.6 खरब रुपए रह गया है। टेथर क्वाइन एकमात्र ऐसी डिजिटल करेंसी ऐसी है जो हरे निशान पर कारोबार कर रही है। इसमें 0.65 फीसदी की तेजी देखने को मिल रही है। इस बढ़त के साथ इसका दाम बढ़कर 80.60 रुपए पर पहुंच गया। बिनांस क्वाइन का दाम 2.47 फीसदी टूटकर 33,338 रुपए, कार्डानो की कीमत 2.66 फीसदी कम होकर 81.84 रुपए, डॉजक्वाइन का भाव 1.09 फीसदी टूटकर 11.82 रुपए पर आ गया है।

ट्विटर के निदेशक मंडल में शामिल नहीं होंगे एलन मस्क

नई दिल्ली । दुनिया के प्रमुख अमीरों में से एक और टेस्ला इंक तथा स्पेसएक्स के फाउंडर सीईओ एलन मस्क ट्विटर के` निदेशक मंडल में शामिल होंगे। ट्विटर के भारतीय मूल के सीईओ पराग अग्रवाल ने इसकी जानकारी दी है। मस्क ने हाल में ट्विटर में 9.2 फीसदी हिस्सेदारी खरीदी थी और वह कंपनी के सबसे बड़े शेयरहोल्डर बन गए थे। तब कंपनी ने कहा था कि मस्क उसके बोर्ड में शामिल होने जा रहे हैं लेकिन अग्रवाल ने ट्वीट करके बताया कि मस्क ट्विटर के` निदेशक मंडल में शामिल नहीं होंगे। उन्होंने बताया कि मस्क ने ट्विटर के` निदेशक मंडल में शो मिल नहीं होने का फैसला किया है। हमने हमेशा अपने शेयरहोल्डर्स के सुझावों को अहमियत दी है और आगे भी देते रहेंगे, चाहे वे हमारे बोर्ड में हों या नहीं। एलन हमारे सबसे बड़े शेयरहोल्डर हैं और हम उनके सुझावों का खुले दिल से स्वागत करेंगे। अग्रवाल ने कर्मचारियों को भेजे एक नोट में कहा कि मस्क के ट्विटर के` निदेशक मंडल में शो मिल होने के बारे में कई बार चर्चा हुई। मेरी बोर्ड से भी चर्चा हुई और सीधे मस्क से भी। उन्हें बोर्ड में सीट ऑफर की गई थी। वह नौ अप्रैल से जॉइन करने वाले थे लेकिन उसी दिन उन्होंने बताया कि वह ट्विटर के` निदेशक मंडल में शो मिल नहीं होंगे। इससे पहले पिछले हफ्ते ट्विटर ने एक सिक्योरिटीज फाइलिंग में कहा था कि मस्क उसके बोर्ड में शो मिल होने जा रहे हैं।

स्पेक्ट्रम कीमतें बाजार के हालात को देखते हुए तय किया जाना चाहिए: सीओएआई

नई दिल्ली ।

दूरसंचार ऑपरेटरों के संगठन सीओएआई ने कहा है कि स्पेक्ट्रम की कीमतों को बाजार के हालात को ध्यान में रखते हुए तय किया जाना चाहिए क्योंकि 5जी प्रौद्योगिकी को अपनाने पर कंपनियों को भारी निवेश करना पड़ेगा। भारतीय सेल्युलर ऑपरेटर संघ (सीओएआई) के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा` कि 5जी तकनीक अपनाने पर दूरसंचार कंपनियों को शुरुआती दौर में बड़ा पूंजी निवेश करना होगा जबकि उन्हें उपयोगकर्ताओं से मिलने वाला शुल्क शुरुआत में कम ही होगा। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में इस बार स्पेक्ट्रम की कीमतें ऊंची रखने पर दूरसंचार कंपनियों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। अगर दूरसंचार कंपनियों को स्पेक्ट्रम के लिए ऊंची कीमत देनी पड़ती है, तो वे मुश्किल में फंस सकती हैं। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) 5जी स्पेक्ट्रम की कीमतों के संदर्भ में अपनी सिफारिशें जल्द ही पेश करने वाला है। इसमें आगामी नीलामी प्रक्रिया से जुड़ी व्यवस्थाओं एवं तरीकों का भी उल्लेख होगा। रिलायंस जियो, भारती एयरटेल और वोडाफोन-आइडिया की भागीदारी वाले संगठन सीओएआई का मानना है कि 5जी तकनीक आने से उद्योगों को जो लाभ होंगे वे स्पेक्ट्रम नीलामी से होने वाले फायदों को

पीछे छोड़ देंगे। ऐसी स्थिति में सरकार को स्पेक्ट्रम नीलामी को दीर्घकालिक संदर्भ में देखना चाहिए। स्पेक्ट्रम नीलामी से होने वाले फायदों को पीछे छोड़ देंगे। ऐसी स्थिति में सरकार को स्पेक्ट्रम नीलामी को दीर्घकालिक संदर्भ में देखना चाहिए। उन्होंने कहा` कि सरकार को नीलामी एवं इसकी कीमत से संबंधित मसले को व्यापक रूप में और दीर्घकालिक नजरिए से देखना चाहिए। उसे स्पेक्ट्रम की कीमत ऐसी रखनी चाहिए जो बाजार परिस्थितियों के लिहाज से ठीक हो।

एलएनजी के खुदरा कारोबार में उतरेगी वैश्विक ऊर्जा कंपनी, गुजरात में खोलेगी पहला 'फिलिंग स्टेशन'

नई दिल्ली ।

वैश्विक ऊर्जा कंपनी शेल इस साल गुजरात में अपना पहला फिलिंग स्टेशन शुरू करने के साथ ही ट्रक जैसे लंबी दूरी के परिवहन साधनों के लिए एलएनजी की खुदरा बिक्री के क्षेत्र में कदम रखेगी। शेल एनर्जी इंडिया के भारतीय कारोबार प्रमुख नकुल रहेजा ने कहा कि शेल ने भारतीय गैस बाजार में बडा दांव लगाने का फैसला किया है। रहेजा ने कहा हम भारत में अपने खुद का एलएनजी स्टेशन शुरू करने की तैयारी में हैं। इसके लिए हमने विस्तार की योजनाएं बनाई हैं और अगर सब कुछ योजना के मुताबिक चला तो इस कैलेंडर साल में ही हमारा पहला एलएनजी खुदरा स्टेशन गुजरात में शुरू हो जाएगा। उन्होंने कहा कि पहला एलएनजी स्टेशन विशिष्ट आउटलेट ही होगा लेकिन भविष्य में पेट्रोल पंप के साथ ही एलएनजी बिक्री भी करने की योजना है। अगले साल इन स्टेशनों की संख्या बढ़ाने की दिशा में काम किया जाएगा। शेल गुजरात के हजीरा में 50 लाख टन वार्षिक क्षमता वाले तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) आयात केंद्र का संचालन करती है और उसके कुछ पेट्रोल पंप भी हैं। अब वह ट्रकों एवं बसों के लिए एलएनजी की खुदरा बिक्री कर अपना कारोबार बढ़ाने की तैयारी में है। उन्होंने कहा कि शुरुआत गुजरात में एलएनजी स्टेशन का नेटवर्क खड़ा करने से होगी और अगले एक-डेढ़ साल में तीन-चार जगहों पर विस्तार करने की योजना है। दरअसल, शेल लंबी दूरी के परिवहन के लिए एलएनजी का इस्तेमाल बढ़ाने की सरकार की पहल का कारोबारी लाभ उठाना चाहती है। सरकार ने अगले तीन साल में गुजरात, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु और राजस्थान के भीतर 50 एलएनजी स्टेशन खोलने का लक्ष्य रखा है जिसे आगे बढ़ाकर 1,000 तक किया जा सकता है। डीजल की तुलना में बहुत कम प्रदूषण फैलाने वाली एलएनजी से पर्यावरण को होने वाले नुकसान में कमी आने के साथ लंबी दूरी वाले मार्गों पर आवागमन सस्ता भी पड़ने का अनुमान है। इसी पहलू को ध्यान में रखते हुए शेल एलएनजी के खुदरा स्टेशन खोलने वाली पहली निजी फर्म बनने की तैयारी में है। फिलहाल इंडियल ऑयल कॉरपोरेशन (20 स्टेशन), हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (11), भारत पेट्रोलियम कॉरपोशन (11), गेल इंडिया (6) और पेट्रोनेट एलएनजी (2 स्टेशन) ने एलएनजी स्टेशन खोलने की घोषणा की हुई है।

इलेक्ट्रिक कार किआ ईवी6 जल्द होगी पेश

नई दिल्ली । मई के महीने किआ मोटर्स की धांसू इलेक्ट्रिक एसयूवी किआ ईवी6 से पर्दा उठ सकता है। किआ ईवी6 के जरिये कंपनी टाटा मोटर्स के साथ ही एमजी और महिंद्रा के लिए मुश्किल खड़ी कर सकती है। बता दें कि किआ ईवी6 देखने में कैसी होगी और इसकी खूबियों के साथ ही बैटरी रेंज कितनी है? किआ ईवी6 देखने में काफी जबरदस्त है। इसमें बेहतरीन फ्रंट और रियर लुक के साथ ही 19 इंच की अलॉय व्हील्ज हैं। किआ ईवी6 के फीचर्स की बात करें तो इसमें वायरलेस एंड्रॉइड ऑटो और एप्पल कार प्ले सपोर्ट वाला 12.3 इंच का इन्फोटेनमेंट सिस्टम, 12.3 इंच का डिजिटल कंसोल, हाइट अडजस्टेबल ड्राइवर सीट, ऑटोमैटिक एसी, वायरलेस चार्जिंग, रिमोट स्मार्ट पार्किंग असिस्ट और स्मार्ट क्रूज कंट्रोल के साथ ही अडवांस ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम जैसे स्टैंडर्ड और सेफ्टी फीचर्स देखने को मिलेंगे। किआ ईवी6 की पावर और बैटरी रेंज की बात करें तो इसके बेस मॉडल में 58 केडब्ल्यूएच का बैटरी पैक लगा होगा। किआ ईवी6 का इलेक्ट्रिक मोटर 167 एचपी तक की पावर और 349 एनएम टॉर्क जेनरेट कर सकेगा। इसके मिड रेंज और टॉप एंड वेरिएंट्स में और भी पावरफुल मोटर लगा है, जो कि 320 एचपी तक की पावर और 604 एनएम तक टॉर्क जेनरेट करने में सक्षम होगा। जो कि 320 एचपी तक की पावर और 604 एनएम तक टॉर्क जेनरेट करने में सक्षम होगा। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें को किआ ईवी6 की सिंगल चार्ज पर बैटरी रेंज 500 किलोमीटर तक की हो सकती है। किआ ईवी6 की टॉप स्पीड 185 केएमपीएच तक की है और इसे महज 5.1 सेकेंड में 0-96 केएमपीएच तक की स्पीड से चला सकेंगे। किआ ईवी6 की भारत में कीमत 30 लाख रुपये के आसपास या उससे ज्यादा हो सकती है।

दो दिग्गज कंपनी मिलकर बनाएगी चार्जिंग स्टेशन

जियो बीपी और टीवीएस के बीच बनी सहमति

नई दिल्ली ।

भारत में दो दिग्गज कंपनियां मिलकर चार्जिंग स्टेशन बनाएगी। इसके लिए दोनों कंपनियों के बीच सहमति बनी है। देश में इलेक्ट्रिक दोपहिया और तिपहिया वाहनों की चार्जिंग के लिए एक मजबूत बुनियादी ढांचा बनाने की संभावनाओं का दोनों कंपनियां पता लगाएंगी। यह जियो-बीपी के नेटवर्क पर आधारित होगा। इस प्रस्तावित साझेदारी के तहत, टीवीएस के इलेक्ट्रिक वाहनों के ग्राहकों को जियो-बीपी के व्यापक चार्जिंग नेटवर्क तक पहुंच मिलेगी। जाहिर है अन्य इलेक्ट्रानिक वाहनों के लिए भी यह चार्जिंग स्टेशन खुले रहेंगे। ग्राहकों को व्यापक और विश्वसनीय चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर मुहैया कराने के लिए एसी चार्जिंग नेटवर्क के साथ डीसी फास्ट-चार्जिंग नेटवर्क भी बनाया जाएगा। जियो-बीपी अपने इलेक्ट्रानिक वाहन चार्जिंग और स्वैपिंग स्टेशनों को जियो-बीपी पल्स ब्रांड के तहत चलाता है। जियो-बीपी पल्स ऐप से ग्राहक आसानी से आस-पास के चार्जिंग स्टेशन ढूंढ सकते हैं और अपने इलेक्ट्रिक वाहनों को चार्ज कर सकते हैं। टीवीएस मोटर कंपनी ने नए इलेक्ट्रिक मोबिलिटी उत्पादों और संबंधित तकनीकों को विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की है। लॉन्च के बाद से कंपनी अपने पहले हाई-स्पीड इलेक्ट्रिक स्कूटर टीवीएस आईक्यूब की 12,000 से अधिक यूनिट बेच चुकी है। टीवीएस आईक्यूब एक स्मार्ट, कनेक्टेड और व्यावहारिक ईवी है जो ग्राहकों की दैनिक आवागमन की जरूरतों को पूरा करता है। कंपनी 5-25केडब्ल्यू की रेंज में दो और तिपहिया वाहनों का एक पूरा पोर्टफोलियो तैयार कर रही है, जो अगले 24 महीनों के भीतर बाजार में उतारा जाएगा।

स्टार्टअप कंपनियों ने जनवरी-मार्च में 10 अरब डॉलर जुटाए

मुंबई । जनवरी-मार्च में स्टार्टअप कंपनियों ने 10 अरब डॉलर से अधिक का वित्त जुटाया है। वर्ष 2022 के पहले तीन महीनों में भी 14 कंपनियां यूनिकॉर्न का दर्जा पाने में सफल रहीं। यह लगातार तीसरी तिमाही रही जब स्टार्टअप कंपनियों ने 10 अरब डॉलर से अधिक का वित्त जुटाया है। यूनिकॉर्न से आशय एक अरब डॉलर के अधिक के मूल्यांकन से है। एक रिपोर्ट के मुताबिक एक अरब डॉलर से अधिक मूल्यांकन वाली यूनिकॉर्न कंपनियों के समूह में जनवरी-मार्च 2022 के दौरान 14 स्टार्टअप कंपनियां शामिल होने में सफल रहीं। इस तरह देश में मौजूद यूनिकॉर्न इकाइयों की संख्या बढ़कर 84 हो चुकी है। रिपोर्ट के मुताबिक इस` वित्त वर्ष वर्ष की पहली तिमाही में भारतीय स्टार्टअप कंपनियों ने 10.8 अरब डॉलर का वित्त जुटाया। रिपोर्ट कहती है कि एक सेवा के रूप में सॉफ्टवेयर (सॉस) से जुड़ी कंपनियों को सबसे ज्यादा वित्त मिला है। बीती तिमाही में इन कंपनियों को 3.5 अरब डॉलर से अधिक का कोष मिला। सॉस क्षेत्र की पांच कंपनियां जनवरी-मार्च तिमाही में यूनिकॉर्न का दर्जा पाने में भी सफल रहीं। रिपोर्ट के मुताबिक जनवरी-मार्च 2022 की अवधि में स्टार्टअप पारिस्थितिकी में विलय एवं अधिग्रहण के करीब 80 सौदे हुए। इनमें 38 फीसदी हिस्सा ई-कॉमर्स कंपनियों का रहा।

राहुल के निराशाजनक प्रदर्शन से उतरा मॉम-डैड के साथ स्टेडियम पहुंची अथिया का चेहरा

मुंबई । केएल राहुल की गिनती भारतीय क्रिकेट के मोस्ट एलिजिबल बैचलर्स में की जाती है। माना जाता है कि बॉलीवुड अभिनेत्री अथिया शेट्टी उनकी गर्लफ्रेंड हैं। चर्चा है जल्दी ही दोनों शादी के बंधन में भी बंध सकते हैं। दोनों परिवार को भी इस रिश्ते से कोई ऐतराज नहीं है। अथिया के पिता और मशहूर अभिनेता सुनील शेट्टी अपनी पत्नी मना के साथ रविवार रात आईपीएल में राहुल का मैच देखने पहुंचे थे। पूरे परिवार को राहुल के चौके-छक्के का इंतजार था, लेकिन सारी उम्मीदें धरी की धरी रह गईं। राजस्थान रॉयल्स ने टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 165/6 रन बनाए। लेकिन रोमांचक मुकाबले में लखनऊ सुपरजायंट्स को तीन रन से हार का सामना करना पड़ा। शुरुआती 15 ओवर लखनऊ की टीम पूरी तरह से हावी नजर आई, लेकिन इसके बाद मैच पलट गया। बोल्ट ने पारी की शुरुआती दो गेंद पर ही केएल राहुल (0) और कृष्णप्पा गौतम (0) को आउट कर राजस्थान को मैच में पूरी तरह हावी कर दिया। आईपीएल के इस सीजन में राहुल दूसरी बार पारी की पहली ही गेंद पर आउट हुए हैं। मगर इस बार उनकी खास दोस्त अथिया भी मैदान पर थी। शेट्टी फैमिली को उस विकेट से काफी निराशा हुई। अथिया के रिएक्शन को सोशल मीडिया पर भी हाथों-हाथ लिया गया। फैंस ने मजे लेने का कोई मौका नहीं छोड़ा। जमकर मीम बनाए गए।

टेस्ट सीरीज

द. अफ्रीका ने 2-0 से जीती टेस्ट सीरीज, केशव महाराज बने मैन ऑफ द सीरीज

पोर्ट एलिजाबेथ ।

लेफ्ट आर्म स्पिनर केशव महाराज (40 रन पर 7 विकेट) की घातक गेंदबाजी की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने बंगलादेश को दूसरे टेस्ट क्रिकेट मैच के चौथे दिन सोमवार को 80 रन पर ऑलआउट कर 332 रन से बड़ी जीत दर्ज की। दक्षिण अफ्रीका ने इसी के साथ 2-0 से सीरीज भी जीत ली। बंगलादेश की टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मिले 413 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए चौथे दिन सोमवार को तीन विकेट पर 27 रन से आगे खेलते हुए 23.3 ओवर में मात्र 80 रन पर ढेर हो गई और उसे 332 रन से हार का सामना करना पड़ा। केशव महराज ने घातक गेंदबाजी करते हुए 12 ओवर में 40 रन देकर 7 विकेट झटके, जबकि ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर ने 11.3 ओवर में 34 रन पर तीन विकेट लिए। केशव ने पहली पारी में दो और हार्मर ने तीन विकेट लिए थे। दोनों गेंदबाजों ने तीसरे दिन रविवार को तीन विकेट लेने के बाद चौथे दिन सोमवार को बंगलादेश की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। कोई भी बल्लेबाज दोनों के आगे टिक नहीं पाया। केशव महाराज को मैच में 9 विकेट लेने के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच , जबकि पूरी सीरीज में 16 विकेट लेने के लिए 'प्लेयर ऑफ द सीरीज पुरस्कार दिया गया। बंगलादेश की ओर से दूसरी पारी में विकेटकीपर लिटन दास ने 33 गेंदों पर सर्वाधिक 27 रन बनाए, जबकि मेहदी हसन 25 गेंदों पर 20 रन का योगदान दिया।

चार हार के बाद मुंबई इंडियंस के खिलाड़ियों का नीता अंबानी ने बढ़ाया मनोबल

मुंबई ।

पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस आईपीएल 2022 से बाहर होने की कगार पर पहुंच चुकी है। रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम चार में से चार मैच हारकर पॉइंट्स टेबल में चेन्नई के बाद नीचे से दूसरे नंबर पर है। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) से मिली सात विकेट की हार के बाद टीम की मालकीन नीता अंबानी ने फोन लगाकर खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया है। मुंबई इंडियंस के सोशल मीडिया अकाउंट पर वीडियो शेयर किया गया है, जहां नीता अंबानी ड्रेसिंग रूम में बैठे खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ का मनोबल बढ़ा रहीं हैं। नीता कहती हैं, मुझे आप सभी पर पूरा भरोसा है। और यकीन है कि हम आगे बढ़ना हैं। अब हम केवल आगे और ऊपर जाने वाले हैं। हमें यह विश्वास करना है कि हम जीतने जा रहे हैं। नीता आगे कहतीं हैं, हम पहले भी कई बार इसतरह के हालातों से गुजर चुके हैं, लेकिन हम गिरने के बाद फिर उठते हैं और आगे बढ़ते हैं। हमने ऐसी ही बाधाओं को पारकर कप भी जीता है। आप एक-दूसरे का साथ दें, तब हम इस पर विजय प्राप्त करने वाले हैं। तब तक जो कुछ भी आप चाहते हैं, उसके लिए आप सभी को मेरा पूरा सपोर्ट है। कृपया एक-दूसरे और खुद पर विश्वास बनाए रखें। मुंबई इंडियंस हमेशा आपका समर्थन करने के लिए है। इससे पहले टीम के क्रिकेट निदेशक और 2011 विश्व विजेता गेंदबाज जहीर खान ने कहा था कि टीम सिर्फ एक जीत दूर है। पहली जीत दर्ज करते ही अभियान पटरी पर वापस आ जाएगा। जहीर हालांकि इस बात से वाकिफ हैं कि लगातार हार से खिलाड़ियों में खुद को लेकर संदेह हो सकता है। भारत के इस पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा था, 'अभी 11 लीग मैच और होने हैं। हमें वापसी करनी होगी। आपने इस टूर्नामेंट में देखा है कि टीमें लगातार हार या जीत रही हैं। यह सिर्फ पहली जीत दर्ज करने की बात है।' यह पूछने पर कि टीम इस सत्र में क्यों जूझ रही है तो उन्होंने कहा था, 'आपको मैच के उन क्षण में सतर्क रहना होता है जिसमें मैच का रूख बदल रहा होता है। हम बतौर टीम ऐसा नहीं कर पाये हैं।

हार के बाद केएल राहुल बोले- 'हमारे पास ऐसी टीम है जो कभी मुकाबले से बाहर नहीं होती

मुंबई । खेल में जीत-हार के बजाए जुनून और जज्बे का अधिक महत्व होता है। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ रोमांचक मुकाबले को तीन रन से गवाने के बाद लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान लोकेश राहुल ने यहां कहा कि उनकी टीम ऐसे बल्लेबाज है जो किसी भी स्थिति में मैच का रुख बदल सकते है। राजस्थान ने इंडियन प्रीमियर लीग के इस मैच में छह विकेट पर 165 रन बनाए के बाद लखनऊ की पारी को आठ विकेट पर 162 रन पर रोक दिया। लखनऊ की टीम ने एक रन दो और फिर 14 रन पर तीन विकेट गंवाने के बाद मैच में शानदार वापसी की लेकिन लक्ष्य से तीन रन दूर रह गए। राहुल ने मैच के बाद कहा, 'हमारे पास ऐसी टीम है जो कभी मुकाबले से बाहर नहीं होती। हम शुरुआत में तीन विकेट गिरने के बाद भी जीतने के बारे में सोच रहे थे। हमें बीच के ओवरों में अच्छी साझेदारी की जरूरत थी। हमें बीच के ओवरों में अच्छी साझेदारी की जरूरत थी। आखिर में स्टॉयनिस ने टीम को जीत दिलाने की पूरी कोशिश की।' उन्होंने 17 गेंद में नाबाद 38 रन बनाने वाले मार्कस स्टोइनिस को बल्लेबाजी में आठवें क्रम पर भेजने के फैसले का बचाव करते हुए कहा, 'स्टॉयनिस को बाद में भेजने का फैसला इसलिए किया था क्योंकि हमारे पास कई खिलाड़ी हैं जो बल्लेबाजी कर सकते हैं, ऐसे में हम उस मुश्किल समय को निकालना चाहते थे।'

टी-20 वर्ल्ड कप में भारतीय खिलाड़ियों का रहेगा दबदबा, अमेरिकी टीम 7 भारतीय

मुंबई ।

टी-20 वर्ल्ड कप की मेजबानी तय हो गई है। आईसीसी की बैठक में वेस्टइंडीज और अमेरिका में संयुक्त रूप से इसका आयोजन करने का फैसला लिया गया। बतौर मेजबान इसके साथ अमेरिका के पहले टी20 वर्ल्ड कप में उतरने का रास्ता भी साफ हो गया है। कुल 20 टीमें टूर्नामेंट में उतरेंगी। अमेरिका अभी आईसीसी का एसोसिएट सदस्य है। वहां क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता के कारण मैच कराने का निर्णय लिया गया है। अमेरिकी टीम में पहले से कई भारतीय खिलाड़ी शामिल हैं। यानी अब टी-20 वर्ल्ड कप में और अधिक भारतीय खेलते हुए दिख सकते हैं। अमेरिका की ओर से टी20 इंटरनेशनल खेलने वाले खिलाड़ियों की बात करें, तब कुल 27 खिलाड़ी इसमें शामिल हैं। इसमें 7 खिलाड़ी हैं, जिनका जन्म भारत में हुआ और बाद में वे अमेरिका चले गए। इसमें पंजाब के जसकरण मल्होत्रा, गुजरात मोनक पटेल, महाराष्ट्र के सुशांत, गुजरात के ही निसर्ग, महाराष्ट्र के सौरभ, पंजाब के सनी और गुजरात के ही तिमिल पटेल शामिल हैं। इसके अलावा 2 से 3 खिलाड़ी हैं, जिनके माता-पिता कई साल पहले भारत से अमेरिका चले गए थे। अमेरिका की टी20 टीम में वेस्टइंडीज, न्यूजीलैंड, श्रीलंका, इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के भी खिलाड़ी हैं। कई खिलाड़ी अपने देश में मौका नहीं मिलने के कारण अमेरिका का रुख कर रहे हैं। लेकिन उन्हें वहां खेलने के लिए कुछ साल घरेलू टूर्नामेंट खेलना जरूरी होता है। तभी वे अमेरिका की टीम से खेलने के लिए पात्र हो सकते हैं। अमेरिका की टीम को 2019 से टी20 और वनडे इंटरनेशनल खेलने की मान्यता मिली हुई है। अमेरिका अभी एसोसिएट सदस्य है। इसकारण अमेरिका वह टेस्ट नहीं खेल सकता है। अपनी कप्तानी में भारत को अंडर-19 वर्ल्ड कप का खिताब दिलाने वाले उन्मुक्त चंद पहले ही अमेरिका जा चुके हैं। उन्होंने पिछले साल माइनर लीग के लिए करार किया है। अगर वे वहां अच्छा प्रदर्शन करने में सफल रहे,तब 2024 के वर्ल्ड कप में वे अमेरिका की टीम

से खेलते हुए दिख सकते हैं। वहीं वनडे क्रिकेट में दूसरा सबसे तेज शतक लगाने वाले न्यूजीलैंड के कोरी एंडरसन भी अमेरिकी टीम से जुड़ चुके हैं। इसके अलावा इंग्लैंड की 2019 वर्ल्ड कप चैंपियन टीम में शामिल रहे तेज गेंदबाज लियाम प्लंकेट भी अमेरिका आ चुके हैं। इसकारण ये सभी वर्ल्ड कप में खेलते हुए दिख सकते हैं।

खराब शुरुआत के बाद भी थी जीत की उम्मीद, हमारे बल्लेबाजों में कभी भी मैच का रुख बदलने की ताकत : राहुल

मुंबई ।

राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ रोमांचक मुकाबले को तीन रन से गंवाने के बाद लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान लोकेश राहुल ने कहा कि उनकी टीम में ऐसे बल्लेबाज हैं जो किसी भी स्थिति में मैच का रुख बदल सकते है। राजस्थान ने इंडियन प्रीमियर लीग के इस मैच में छह विकेट पर 165 रन बनाने के बाद लखनऊ की पारी को आठ विकेट पर 162 रन पर रोक दिया। लखनऊ की टीम ने एक रन दो और फिर 14 रन पर तीन विकेट गंवाने के बाद मैच में शानदार वापसी की, लेकिन लक्ष्य से तीन रन दूर रह गए। राहुल ने मैच के बाद पुरस्कार समारोह में कहा हमारे पास ऐसी टीम है जो कभी मुकाबले से बाहर नहीं होती। हम शुरुआत में तीन विकेट गिरने के बाद भी जीतने के बारे में सोच रहे थे।

हमें बीच के ओवरों में अच्छी साझेदारी की जरूरत थी। आखिर में स्टॉयनिस ने टीम को जीत दिलाने की पूरी कोशिश की। उन्होंने 17 गेंद में नाबाद 38 रन बनाने वाले मार्कस स्टोइनिस को बल्लेबाजी में आठवें क्रम पर भेजने के फैसले का बचाव करते हुए कहा स्टॉयनिस को बाद में भेजने का फैसला इसलिए किया था, क्योंकि हमारे पास कई खिलाड़ी हैं जो बल्लेबाजी कर सकते हैं, ऐसे में हम उस मुश्किल समय को निकालना चाहते थे। राजस्थान के कप्तान संजू सैमसन ने आखिरी ओवर में स्टोइनिस के सामने 15 रन का बचाव करने वाले पदार्पण कर रहे तेज गेंदबाज कुलदीप सेन की तारीफ की।

उन्होंने कहा सेन ने अपने शुरूआती तीन ओवरों में अच्छी गेंदबाजी की थी। मैंने उसे सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में देखा था। उसके पास अच्छा कौशल है और वह भारत के लिए खेल सकता है। उसमें वाइड यॉर्कर डालने का आत्मविश्वास था। उन्होंने 41 रन देकर चार विकेट लेने वाले मैन ऑफ द मैच युजवेंद्र चहल को मौजूदा समय का सर्वश्रेष्ठ लेग स्पिनर करार दिया।

संजू सैमसन बोले- रविचंद्रन अश्विन के रिटायर्ड आउट का फैसला राजस्थान रॉयल्स टीम के लिए लिया

मुंबई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने शानदार प्रदर्शन कर इतिहास रच दिया। वह रिटायर्ड आउट होने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं। राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के इस स्पिन ऑलराउंडर को लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ मैच में रिटायर्ड किया गया था। अश्विन को रिटायर्ड आउट करने का फैसला किसका था, इस पर अब राजस्थान टीम के कप्तान संजू सैमसन ने खुलासा किया है। उन्होंने यह भी बताया कि रिटायर्ड आउट को लेकर वे टूर्नामेंट से पहले भी कई बार सोच चुके थे। इस बार उन्होंने इसे अप्लाई किया है। मैच के बाद संजू सैमसन ने अश्विन के रिटायर्ड आउट पर कहा- यह फैसला राजस्थान रॉयल्स टीम के लिए था। कई बार हम अलग-अलग चीजों को करने की कोशिश करते हैं। हम इसके बारे में सीजन से पहले भी बात कर चुके हैं। हम सोचते थे कि यदि कोई इस तरह के हालात बनते हैं, तो हम इसे अप्लाई करेंगे। यह एक टीम का फैसला था। दरअसल, रविवार को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में लखनऊ के खिलाफ मैच में छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे अश्विन 19वें ओवर की दूसरी गेंद के बाद रिटायर्ड आउट हो गए थे। रिटायर्ड होने से पहले अश्विन ने 23 बॉल पर 28 रनों की पारी खेली। इस दौरान उन्होंने दो छक्के भी जमाए। अश्विन बल्लेबाजी के दौरान थकान महसूस कर रहे थे, इसलिए उन्होंने टीम के हित में युवा खिलाड़ी रियान पराग को बैटिंग के लिए चांस देना ठीक समझा। पराग ने 4 गेंदों पर नाबाद 8 रन बनाए, जिसमें एक छक्का भी शामिल रहा। वेस्टइंडीज के पूर्व क्रिकेटर इयान बिशप ने इस घटना पर प्रतिक्रिया व्यक्त की और इसे शानदार टी20 रणनीति कहा। बिशप ने ट्वीट किया, अश्विन का रिटायर्ड आउट होना शानदार टी20 रणनीति है। टी20 हमें 21वीं सदी में खेल की कल्पना करने के तरीकों पर पुनर्विचार करने के लिए प्रेरित कर रहा है। मैच में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट पर 165 रन बनाए थे। जवाब में नवाबी टीम लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) 8 विकेट पर 162 रन ही बना सकी। इस तरह राजस्थान टीम ने 3 रन से यह मैच जीत लिया। जीत के साथ राजस्थान टीम पॉइंट्स टेबल में टॉप पर पहुंच गई है।

रविचंद्रन अश्विन ने बनाया कीर्तिमान, आईपीएल में रिटायर्ड आउट होने वाले पहले बल्लेबाज बने

मुंबई । राजस्थान रॉयल्स (आरआर) और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच वानखेड़े स्टेडियम में आईपीएल 2022 के मैच में रविचंद्रन अश्विन ने कीर्तिमान रच दिया वे रिटायर्ड आउट होने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं। अश्विन नंबर 6 पर बल्लेबाजी करने उतरे और 23 गेंदों पर 28 रन बनाकर चले गए, जिससे रियान पराग को बीच में शिमरोन हेटमायर के साथ क्रीज साझा करने का मौका मिला। पराग ने चार गेंदों में 8 रन बनाए। हेटमायर ने 36 में से 59 रन बनाए और राजस्थान ने 6 विकेट के नुकसान पर 165 बनाए। हेटमायर ने कहा कि मुझे सचमुच अश्विन के रिटायर-आउट फैसले के बारे में कोई जानकारी नहीं है! यह अंत में एक अच्छा निर्णय था। अश्विन समेत सिर्फ चार बल्लेबाज टी20 में रिटायर्ड आउट हुए हैं। पाकिस्तान के लिए शाहिद अफरीदी, भूटान के सोनम तोबगे और कमिला वॉरियर्स के सुनजमुल इस्लाम इस सूची में शामिल हैं। अश्विन का संन्यास लेना आकर्षक टी20 रणनीति है। टी20 हमें 21वीं सदी में खेल की कल्पना करने के तरीके पर पुनर्विचार करने के लिए प्रेरित कर रहा है। एमसीसी कानून 25.4.3 के अनुसार, यदि कोई बल्लेबाज 25.4.2 के अलावा किसी अन्य कारण से सेवानिवृत्त होता है ।

संक्षिप्त समाचार

3 पेनल्टी गंवाने के बावजूद ला लिगा में दूसरे स्थान पर पहुंचा बार्सिलोना

मैड्रिड । बार्सिलोना ने 3 पेनल्टी गंवाने के बावजूद लेवांते पर 3-2 से जीत दर्ज की, जिससे वह स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। बार्सिलोना ने दूसरे हॉफ में तीन पेनल्टी गंवा दी थी, लेकिन सब्सिटिट्यूट लुक डे जोंग का इंजरी टाइम में (90+2) किया गया गोल, उस तीन अंक दिला गया। जीत से बार्सिलोना ने सभी टूर्नामेंट में अपना अजेय अभियान 15 मैच तक पहुंचा दिया है। इससे वह ला लिगा तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। बार्सिलोना की ओर से इसके अलावा 59वें मिनट में पियरे एमरिक ने और 63वें मिनट में पेडरिक ने गोल किया। बार्सिलोना शीर्ष पर काबिज रियल मैड्रिड से 12 अंक पीछे है। रियल मैड्रिड ने गेटाफे को हराया था। एक अन्य मैच में रियल सोसिदाद ने एल्चे को हराकर चैंपियंलीग में अपनी जगह सुरक्षित करने की कवायद जारी रखी। अन्य मैचों में एस्पेनयोल ने सेल्टा विगो को और ओसासुना ने अलावेस को समान 1-0 के अंतर से हराया। रियल ने अभी तक हुए 31 में से 22 जबकि बार्सिलोना ने 30 में से 17 मुकाबले जीते हैं। रियल के 72 और बार्सिलोना के 60 अंक हैं। वहीं मैनचेस्टर सिटी ने लिवरपूल के खिलाफ बेहद रोमांचक मैच को 2-2 से ड्रॉ खेलकर इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) जीतने की अपनी मजबूत संभावनाएं बरकरार रखी। लिवरपूल ने 2 बार पिछड़ने के बाद वापसी की। सिटी को केविन डि ब्रूएन ने 5वें मिनट में ही बढ़त दिला दी थी, लेकिन डिएगो जोटा ने 13वें मिनट में लिवरपूल को बराबरी दिला दी। गैब्रियल जीसस ने 37वें मिनट में सिटी को फिर से बढ़त दिलाई, लेकिन लिवरपूल साडियो माने के 46वें मिनट में किए गए गोल से बराबरी करने में सफल रहा। लिवरपूल के पास इस मैच में जीत से शीर्ष पर पहुंचने का मौका था, लेकिन वह दूसरे स्थान पर बना हुआ है। लिवरपूल के 31 मैचों में 73 जबकि सिटी के इतने ही मैचों में 74 अंक हैं।

दिल्ली कैपिटल्स को लेकर कुलदीप यादव ने कहा...टीम माहौल का पूरा लुत्फ उठा रहे

मुंबई । कुलदीप यादव जब कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम में थे,तब वह उनके लिए मुश्किल दौर था, क्योंकि उन्हें टीम प्रबंधन का समर्थन नहीं मिल रहा था लेकिन ऋषभ पंत की अगुवाई वाली दिल्ली कैपिटल्स में वह टीम माहौल का पूरा लुत्फ उठा रहे हैं। कुलदीप ने अभी वर्तमान टूर्नामेंट में सर्वाधिक 10 विकेट लिए है। वह घुटने की चोट के कारण पिछले आईपीएल में नहीं खेल सके थे। कुलदीप ने केकेआर के खिलाफ दिल्ली की जीत के बाद कहा, मैं यहां के माहौल का लुत्फ उठा रहा हूं और मुझे टीम का पूरा समर्थन हासिल है। ऋषभ स्टंप के पीछे से भी मेरा अच्छी तरह से मार्गदर्शन करते हैं। इस बीच ऋषभ ने कहा कि उन्होंने कुलदीप को पर्याप्त मौके देने की कोशिश की है, ताकि वह अपनी लय हासिल कर सकें। उन्होंने कहा, कुलदीप एक साल से अपने खेल पर काम कर रहे हैं, लेकिन उन्हें पर्याप्त मौके नहीं मिल रहे थे। हम उनका भरपूर समर्थन करने की कोशिश कर रहे हैं । यादव ने एक ही ओवर में तीन विकेट लेकर कोलकाता नाइट राइडर्स की पारी को पटरी से उतार दिया।

रीवा के कुलदीप ने छोटे से सैलून से निकलकर पूरा किया आईपीएल तक का सफर, पहले ही मैच में किया कमाल

नई दिल्ली ।

मध्यप्रदेश के शहर रीवा से कुलदीप सेन यानी वह अनजान पेसर, जिसने अपने पहले ही आईपीएल मैच में लखनऊ सुपरजायंट्स के खिलाफ आखिरी ओवर डालकर राजस्थान रॉयल्स को जीत दिला दी। रामपाल सेन और गीता सेन के पांच बच्चों (तीन भाइयों में सबसे बड़े) में से तीसरे कुलदीप ने लगभग एक दशक पहले विंध्य क्रिकेट अकादमी (वीसीए) क्लब में क्रिकेट खेलना शुरू किया था।

पिता रामपाल सेन शहर के सिरमौर चौराहे पर सैलून की दुकान चलाते हैं। छोटी सी दुकान से जितनी भी कमाई होती, वह बच्चों की पढ़ाई-लिखाई में ही खर्च हो जाती, ऐसे में कुलदीप का क्रिकेट खेलना पिता के लिए किसी जबरदस्ती वाले खर्चे से कम नहीं था, लेकिन बेटे को आगे बढ़ता देख रामपाल ने भी ठान लिया कि बेटे को सपने को पूरा करके ही दम लेंगे। यह पिता के संघर्ष की ही दास्तां है कि कुलदीप और क्रिकेट के बीच में कभी कोई बाधा नहीं आई। फरवरी में हुए मेगा ऑक्शन में रीवा के कुलदीप सेन को राजस्थान रॉयल्स ने 20 लाख के बेस प्राइज में अपना साथ जोड़ा था। अब चौथे मैच में जब उन्हें पहली बार मौका मिला तो इस मीडियम पेसर ने टीम को पॉइंट्स टेबल में टॉप पर पहुंचा दिया। 28 अक्टूबर 1996 को हरिहरपुर में गांव में जन्में कुलदीप को रीवा डिवीजन के कोच एरिल एंथोनी ने तैयार किया। समय के साथ कुलदीप की बॉलिंग और धारदार होती चली गई। डिविजनल मुकाबलों में जबरदस्त प्रदर्शन का इनाम उन्हें नवंबर 2018 में मध्यप्रदेश की रणजी टीम में जगह के साथ मिला। रीवा क्रिकेट अकादमी के कोच एरिल एंथोनी ने बताया कि 2018 से लगातार कुलदीप को ट्रेनिंग दे रहे हैं। वाह दाएं हाथ के मध्यम तेज गेंदबाज है।

क्रिकेट के प्रति काफी लगन है। देर तक प्रैक्टिस करना, समय से अकादमी पहुंचना उसकी आदत है। घर की आर्थिक स्थिति जानने के बाद एरिल एंथोनी ने अकादमी फीस माफ कर दी थी। वह 140 किलोमीटर की रफ्तार से गेंदबाजी करने की ताकत रखते हैं।

फॉर्मूला वन एफ1-ऑस्ट्रेलियन ग्रां प्री-मेलबर्न ग्रां प्री सर्किट में रेस जीतने के बाद पोडियम पर जश्न मनाते हैं रेड बुल के सर्जियो पेरेज।

मनुष्य और जमीन दोनों के स्वास्थ्य तथा गायों के संवर्धन के लिए लाभदायी है प्राकृतिक खेती: मुख्यमंत्री

मोरबी । मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि प्राकृतिक खेती मनुष्य और जमीन दोनों के स्वास्थ्य तथा गायों के संवर्धन के लिए लाभदायी है। उन्होंने लोगों से अनुरोध किया कि वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से रासायनिक खाद और कीटनाशकों के इस्तेमाल से बचें और प्राकृतिक खेती को अपनाने का संकल्प लें। सोमवार को मोरबी के खोखरा हनुमान हरिहर धाम में आयोजित श्री राम कथा के अंतर्गत गौ महिमा सत्संग सभा को संबोधित करते हुए भूपेंद्र पटेल ने सभी से आह्वान किया कि 'आजादी का अमृत महोत्सव' के वर्ष में प्राकृतिक कृषि और गौ रक्षा के मार्ग पर आगे बढ़ें। उन्होंने आगे कहा कि अलग-अलग समाज, समुदाय, व्यवसाय या वर्ग से आने वाले हम सभी का ध्येय एक ही है। 'आत्मनिर्भर गुजरात से आत्मनिर्भर भारत' हमारा लक्ष्य है। इस लक्ष्य को हासिल करने में गाय आधारित प्राकृतिक खेती सहायक सिद्ध होगी। मुख्यमंत्री ने खोखरा हरिहर धाम में चल रही श्री रामकथा की वाचक संत श्री महामंडलेश्वर पूज्य मां कनकेश्वरी देवी जी को संपूर्ण भारत का नारी गौरव रत्न करार दिया। उन्होंने कहा कि मातृशक्ति के कंठ से मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम के जीवन चरित्र का कथन अति कल्याणकारी है।

भूपेन्द्र पटेल ने कहा कि हनुमान जी ने मातृशक्ति की सेवा में विराट रूप धारण कर लंका जला दी थी, इसलिए 108 फुट ऊंची हनुमान जी की प्रतिमा उनके उस पराक्रम का प्रतीक है। कार्यक्रम की शुरुआत में मुख्यमंत्री ने श्री राम कथा के व्यासासन पर स्थित पोथी की आरती उतार कर उसकी पूजा की। मुख्यमंत्री की विशेष उपस्थिति में शहीद वीरों के परिजनों को 1-1 लाख रुपए की सहायता के चेक सौंपे गए। गौशाला के रखरखाव के लिए बजट में 600 करोड़ रुपए का प्रावधान करने के लिए गौशाला संचालकों, गौभक्तों और पांजरापोल संचालकों ने मुख्यमंत्री का विशेष सम्मान किया। गौ महिमा सत्संग सभा में निजानंद स्वामी महाराज, चैतन्य शंभु महाराज और अन्य संत-महंतों ने आशीर्वचन दिए। सभा में रामकृष्णानंदजी महाराज, गौऋषि दत्तशरणानंदजी महाराज, महंत श्री मुक्तानंदजी बापू, कनिरामदास बापू, हरिहरानंदभारतीजी महाराज, शेरनाथजी बापू और श्रद्धानंदजी महाराज सहित बड़ी संख्या में संत-महंत, पूरे गुजरात से आए गौशाला व पांजरापोल संचालक एवं गौ भक्त उपस्थित रहे।

इस अवसर पर राज्य के उद्योग मंत्री जगदीश विश्वकर्मा, विधायक ललित कगथरा, भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री कैलाश विजयवर्गीय, पूर्व मंत्री जयंतीभाई कवाड़िया, सांसद मोहन कुंडारिया और विनोद चावड़ा, पूर्व विधायक कांति अमृतिया और बावनजीभाई मेतलिया, जिला भाजपा अध्यक्ष दुर्लभजी देथरिया, जिला कलक्टर जेबी पटेल, जिला विकास अधिकारी पराग भगदेव, प्रांत अधिकारी डीए झाला, अग्रणी अजय लोरिया, राघवजी गडारा और मगन वडाविया आदि उपस्थित रहे।

सूरत भूमि, सूरत। 11 अप्रैल सोमवार के दिन सूरत महानगर पालिका द्वारा संचालित वॉलंटरी ब्लड बैंक स्मीमेर हॉस्पिटल द्वारा मेयर श्री हेमाली बेन बोधावाला के कमल हाथों से रक्तदान शिविर का आयोजन करने के उपलक्ष में फ्रेंडली चैरिटेबल ट्रस्ट के प्रमुख श्री दीपक भाई मकवान साथ ही सहकार सेवाकीय मंडल के प्रमुख श्री शैलेश भाई टंडेल को प्रशंसा पत्र दिया गया।

मंदिर ने पेश की मिसाल, पहली बार रोजेदारों को इफ्तार के लिए परिसर में किया आमंत्रित

अहमदाबाद।

ऐसे समय में जब देश में धार्मिक ध्रुवीकरण सामाजिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न कर रहा है और सोशल मीडिया नफरत भरे पोस्ट से भरा पड़ा है, गुजरात के एक ऐतिहासिक हिंदू मंदिर ने सांप्रदायिक सौहार्द की अनूठी मिसाल कायम की है। बनासकांठा में इस बार रमजान में एक अनोखी पहल करते हुए वरंदा वीर महाराज मंदिर के पुजारी पंकज ठाकर ने पहली बार दलवाना के मुस्लिम निवासियों को मंदिर में रमजान का उपवास तोड़ने के लिए आमंत्रित किया।

इसके लिए वरंदा वीर महाराज मंदिर में इफ्तार की दावत का आयोजन किया गया। इस इफ्तार की दावत में गांव के कम से कम 100 मुस्लिम निवासियों को रमजान का उपवास तोड़ने के लिए आमंत्रित किया गया। बनासकांठा जिले के दलवाना गांव में मंदिर ने रमजान के पवित्र महीने के दौरान मुसलमानों के उपवास तोड़ने के लिए अपना दरवाजा खोल दिया। शुक्रवार को वरंदा वीर महाराज मंदिर ने इफ्तार का आयोजन किया और गांव के कम से कम 100 मुस्लिम निवासियों को अपना रमजान उपवास तोड़ने और फिर मंदिर परिसर में नमाज अदा करने के लिए बुलाया।

मंदिर लगभग 1200 साल पुराना बताया जाता है और गांव के लोगों के लिए इसका विशेष महत्व है। यह पहली बार था जब दलवाना के मुस्लिम निवासियों को इस तरह के अवसर के लिए आमंत्रित किया गया था। मंदिर के पुजारी पंकज ठाकर ने कहा कि गांव के लोग हमेशा सहअस्तित्व और भाईचारे में विश्वास करते हैं। उन्होंने कहा कि जब भी उनके त्योहारों की तारीखें एक साथ होती हैं, तो गांव के निवासी हमेशा एक-दूसरे की मदद करते हैं।

इस साल मंदिर ट्रस्ट और ग्राम पंचायत ने मुस्लिम रोज़ेदारों को अपना उपवास तोड़ने के लिए मंदिर परिसर में आमंत्रित करने का फैसला किया। पंकज ठाकर ने कहा कि 'हमने अपने गांव के 100 से अधिक मुस्लिम रोजेदारों के लिए पांच से छह तरह के फल, खजूर और शर्बत की व्यवस्था की। मैंने निजी रूप स्थानीय मस्जिद के मौलाना साहब और सभी रोजेदारों का स्वागत किया। जबकि स्थानीय मुस्लिम व्यवसायी वसीम खान ने कहा कि गांव के लोग मिल-जुलकर रहते हैं और अपने त्योहारों को मिलकर मनाते हैं। वसीम ने बताया कि ग्राम पंचायत ने हिंदुओं और मुसलमानों दोनों से संपर्क किया और उन्हें एक प्रस्ताव दिया कि मुसलमानों को शुक्रवार को मंदिर में अपना रोजा तोड़ना चाहिए।

गांजा तस्करी करनेवाले दो भाइयों की करोड़ों की संपत्ति सीज

सूरत।

शहर समेत राज्यभर में गांजा की तस्करी करनेवाले दो भाइयों की पुलिस ने करोड़ों की संपत्ति सीज कर दी है। यह कार्यवाही सूरत पुलिस और उड़ीसा एसटीएफ द्वारा की गई है। दो भाइयों में से एक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जबकि दूसरा फरार है और उसे उडीसा एसटीएफ ने वांटेड घोषित कर दिया है। जानकारी के मुताबिक उडीसा के गंजाम जिले के सचिना गांव निवासी अनिल वृंदावन पांडी और सुनील वृंदावन पांडी देशभर में गांजा सप्लाई करते हैं। अपने करीबियों के जरिए पांडी बंधु देशभर में ट्रेन या ट्रक के जरिए गांजा की सप्लाय करते थे। सूरत शहर और जिले के अलावा अहमदाबाद में एनडीपीएस के कई मामलों में अनिल व सुनील पांडी वांटेड हैं। सूरत क्राइम ब्रांच ने गत मार्च 2021 में खास ऑपरेशन के तहत सुनील पांडी को उडीसा से गिरफ्तार कर लिया था। पहले उसे सूरत के लाजपोर जेल और बाद में अहमदाबाद की साबरमती जेल भेज दिया गया। जबकि उसका भाई अनिल पांडी फरार चल रहा है। उड़ीसा एसटीएफ ने अनिल पांडी को फरार घोषित किया है। गुजरात समेत देशभर में गांजा तस्करी करनेवाले पांडी बंधुओं की रु. 2.10 करोड़ की संपत्ति और बैंक में जमा रु. 26 लाख की रकम भी सीज कर दी है।

नर्मदा बांध में 1221.62 एमसीएम लाइव स्टोरेज पानी, पेयजल की नहीं होगी किल्लत

अहमदाबाद।

भीषण गर्मी के बीच गुजरात की जीवनदायिनी नर्मदा बांध का जलस्तर 120.08 मीटर पर पहुंच गया है और यह गुजरात के लिए अच्छी खबर है। दो साल बाद पहली अप्रैल महीने में बांध का जलस्तर 120.08 मीटर पर पहुंचा है। नर्मदा बांध में फिलहाल 1221.62 एमसीएम लाइव स्टोरेज पानी का स्टॉक उपलब्ध है, जिससे आगामी दिनों में राज्य में पानी की किल्लत होने की कोई गुंजाईश नहीं लगती। दरअसल बिजली आपूर्ति की मांग के कारण मध्य प्रदेश के 2 डेम के पावर हाउस पूरी ताकत के काम कर रहे हैं। मध्य प्रदेश के इंदिरासागर और ओमकारेश्वर डेम के पावरहाउस चालू होने के कारण नर्मदा बांध में पानी छोड़ा जा रहा है, जिसकी वजह से गुजरात के नर्मदा बांध के जलस्तर में लगातार इजाफा हो रहा है। अगर आगामी मान्सून में विलंब होता है तो भी नर्मदा बांध में समूचे गुजरात के लिए पर्याप्त पेयजल समेत अन्य उपयोग के लिए पानी की कोई किल्लत नहीं होगी। नर्मदा में 1221.61 एमसीएम क्यूसेक पानी का स्टॉक उपलब्ध है। गौरतलब है कि गर्मी के महीनों में नर्मदा डेम के लिए ऊपरी हिस्से से 10 हजार मिलियन क्यूबिक मीटर पानी छोड़ा जाता है जो फिलहाल थोड़ा थोड़ा कर छोड़ा रहा है। वर्ष 2022 की गर्मी की शुरुआत हो चुकी है और राज्य के कई इलाकों में जलसंग्रह लगातार घट रहा है। उत्तरी गुजरात में 16.48 प्रतिशत जलराशि का संग्रह है। मध्य गुजरात में 50.69 प्रतिशत, दक्षिण गुजरात में सबसे अधिक 69.88 प्रतिशत, सौराष्ट्र में 47.79 प्रतिशत और कच्छ में 23.65 प्रतिशत जलराशि संग्रहित है। ऐसे में गुजरात के लिए राहत की बात यह है कि नर्मदा बांध का जलस्तर गर्मी के महीने में 120.08 मीटर पर पहुंच गया है।

एलपीएस ग्रुप ऑफ एजुकेशन द्वारा पुराने विद्यार्थीओं के लिए गेट-टुगेदर आयोजित किया गया

सूरत भूमि, सूरत।

एलपीएस ग्रुप ऑफ एजुकेशन द्वारा वराछा - 1982 और कतरगाम - 1978 बालभवन, प्राथमिक, माध्यमिक, उच्चतर माध्यमिक (वाणिज्य / विज्ञान) विद्यालयों में अध्ययनरत पूर्व छात्रों के लिए उमियाधाम मंदिर - वराछा में एक कार्यक्रम "स्नेह मिलन समारोह - स्कूल की यादों का मेला" आयोजित किया गया था। समारोह में बड़ी संख्या में स्कूल के पूर्व छात्र और शिक्षक मौजूद थे। इस समारोह में स्कूल के पूर्व छात्रों ने भाग लिया जो विभिन्न क्षेत्रों में महान ऊंचाइयों तक पहुंचे हैं। और पूर्व शिक्षक जो वर्तमान में विभिन्न सेवा संगठनों में कार्यरत हैं, उन्हें मोमेंटो, प्लांट्स से सम्मानित किया गया। बिजनेस नेटवर्क हजारों स्कूली बच्चों को पारिवारिक रिश्तों से जोड़ता है, बिजनेस नेटवर्क लिंक, छोटी और बड़ी नौकरियों के जरिए एक-दूसरे को जोड़ता है। हमारे भाइयों और बहनों को विभिन्न ऊंचाइयों पर ले जाया जा सकता है, सम्मेलन का आयोजन स्कूल के पूर्व छात्र भाइयों और बहनों को आर्थिक रूप से मदद करने के साथ-साथ सामाजिक कार्य करने के नेक इरादे से किया गया था। साथ ही अगले वर्ष 25 विद्यार्थियों की 3,00,000/- रुपये तक की फीस संस्थान द्वारा माफ कर दी गई। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री दिनेशभाई जोधानी (उप महापौर सूरत नगर निगम) उपस्थित थे।

साथ ही संगठन के प्रत्येक सदस्य को ऐसे नेक सेवा कार्य करने के लिए प्रेरित करने वाले संस्था के दिवंगत अध्यक्ष श्री. ईश्वरभाई प्रेमजीभाई सवानी की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर तीसरा रक्तदान शिविर भी आयोजित किया गया। शिविर का उद्घाटन माननीय ट्रस्टी श्री श्रेयाबेन सवानी ने किया। संस्थान के अध्यक्ष श्री शैलेशभाई सवानी के साथ-साथ जलभाई सवानी भी उपस्थित थे। इस सेवा में लोक समर्पण रक्तदान केंद्र के सहयोग से 78 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। सभी रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र व पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

मनीष सिसोदिया ने गुजरात के शिक्षा मंत्री के क्षेत्र में किया स्कूल का दौरा, बोले- 'मजाक मत करो'

अहमदाबाद। पंजाब फतह के बाद आम आदमी पार्टी अब अन्य राज्यों में विस्तार के लिए कवायद में जुट गई है। गुजरात में इसी साल चुनाव होने है और वह भी अपनी जड़ें जमाने की कोशिश कर रही है। राज्य में बीजेपी की सरकार है और आप खुद को नए विकल्प के तौर पर रखी रही है। इसी एजेंडे के तहत पार्टी लगातार राज्य सरकार को घेर रही है। सोमवार को दिल्ली के उपमुख्मंत्री और आप नेता मनीष सिसोदिया ने गुजरात के शिक्षा मंत्री जीतू वघानी के क्षेत्र में पहुंचे। सिसोदिया भावनगर पहुंचे और स्कूलों का दौरा किया। शिक्षा मंत्री के क्षेत्र में बने स्कूलों में स्मार्ट बोर्ड देखने के बाद मनीष सिसोदिया ने कहा कि यह एक तरह का मजाक है। मनीष सिसोदिया ने कहा, 'मैं आज शिक्षा मंत्री के चुनाव क्षेत्र भावनगर में आया हूं। यहां के स्कूलों की दीवारें टूटी हुई हैं। मेरे आने से पहले स्कूलों के जाले और बाकी की साफ-सफाई करने की कोशिश की गई है, लेकिन हो नहीं पाया है।'

उन्होंने कहा कि शिक्षा मंत्री के क्षेत्र के स्कूल में खुले में ही मिड-डे मील बन रहा है। क्लासेस भी रूम में नहीं बल्कि खुले में चल रही हैं। बच्चों के पास बैठने के लिए कोई फर्श भी नहीं है। चार स्मार्ट बोर्ड टांग कर वो कह रहे हैं कि हमारी शिक्षा व्यवस्था ऐसी हो गई है, यह एक तरह का मजाक है।' दरअसल, इन दिनों आम आदमी पार्टी गुजरात सरकार को शिक्षा मॉडल और स्कूल के हालात पर घेरने की कोशिश कर रही है। इसकी बड़ी वजह ये भी है कि आप सरकार दिल्ली के शिक्षा मॉडल को हर जगह सामने रखती है और जमकर तारीफ करती है। सीएम अरविंद केजरीवाल भी शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया को दिल्ली के स्कूलों की हालत सुधारने का क्रेडिट देते रहते हैं। अब सिसोदिया ही गुजरात के शिक्षा मॉडल पर निशाना साध रहे हैं।

गुजरात दौरे से पहले मनीष सिसोदिया ने कहा था, 'बीजेपी ने 27 साल के शासन में गुजरात में कैसे सरकारी स्कूल बनाए हैं यह देखने आज गुजरात जा रहा हूं।

गुजरात में फिर बढ़ रहे कोरोना के मामले, रिकवरी रेट घटकर 99.09 प्रतिशत हुआ

अहमदाबाद।

गुजरात में फिर एक बार कोरोना के मामलों में इजाफा होने लगा है। सोमवार को राज्यभर में कोरोना के 35 नए मरीज सामने आए हैं, वहीं 16 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज किया गया। राज्य में रिकवरी रेट घटकर 99.09 प्रतिशत रह गया है। पिछले 24 घंटों में कोरोना के सबसे अधिक कोरोना के 18 मामले गांधीनगर कॉर्पोरेशन में दर्ज हुए। अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 9, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 4, गांधीनगर, जामनगर कॉर्पोरेशन, कच्छ और मेहसाणा में 1-1 समेत राज्यभर में कोरोना के कुल 35 मामले दर्ज हुए। जबकि राजकोट, सूरत, भावनगर और जूनागढ़ समेत 4 कॉर्पोरेशनों में कोरोना का एक भी केस पिछले 24 घंटों में सामने नहीं आया। वहीं अहमदाबाद, अमरेली, आणंद, अरवल्ली, बनासकांठा, भरुच, भावनगर, बोटाद, छोटाउदेपुर, दाहोद, डांग, देवभूमि द्वारका, गिर सोमनाथ, जामनगर, जूनागढ़, खेडा, महीसागर, मोरबी, नर्मदा, नवसारी, पंचमहल, पाटन, पोरबंदर, राजकोट, साबरकांठा, सूरत, सुरेन्द्रनगर, तापी, वडोदरा और वलसाड समेत राज्य के 30 जिलों में भी कोरोना का एक भी केस पिछले 24 घंटों में दर्ज नहीं हुआ।

सोमवार को वडोदरा कॉर्पोरेशन में 5, अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 4, दाहोद में 2, खेडा में 2, गांधीनगर कॉर्पोरेशन, पंचमहल, राजकोट कॉर्पोरेशन में 1-1 समेत कुल 16 मरीजों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया। राज्य में अब तक 1212992 लोग कोरोना से स्वस्थ हो चुके हैं, जबकि 10942 मरीजों की जान चली गई। फिलहाल राज्य में 148 सक्रिय मरीजों में सभी की हालत स्थिर है और एक भी मरीज वेन्टीलेटर पर नहीं है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)